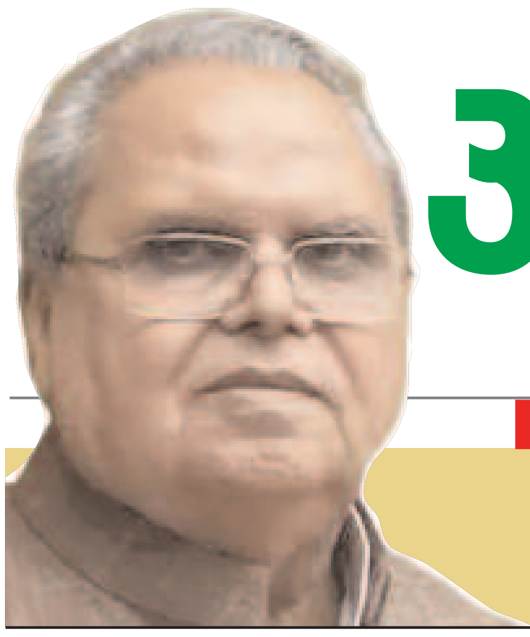

आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, सोमवार
09 जून 2025
वर्ष: 38, अंक: 183
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

सत्यपाल मलिक फिर आईसीयू में शिफ्ट, किडनी की समस्या से जूझ रहे

झारखंड

आर्मी से ट्रेनिंग लेकर अपने गांव लौटे फौजी का फूल माला से स्वागत किया ग्रामीणों ने

हज़ारीबाग

क्रिकेट खेलने के दौरान बॉल से लगने से सांसद मनीष जायसवाल हुए चोटिल, मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कराया नोजल पैकिंग

झारखंड की सियासत में उभर रहे नए समीकरण: झामुमो व कांग्रेस जहां कमजोर वहां लगा रहे जोर

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड की सियासत में नए समीकरण उभर रहे हैं. दोनों दल जहां कमजोर हैं, वहां जोर लगा रहे हैं. झामुमो जहां आदिवासियत सहित सरना धर्म कोर्ड को प्रमुखता दे रहा है, वहीं कांग्रेस ने एससी का अलाप छेड़ दिया है. कांग्रेस कोटे से मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सीएम को पत्र लिखकर एससी को प्राथमिकता देने की भी बात कही है.

झामुमो की रणनीतिक चाल: झामुमो ने उन क्षेत्रों पर जोर लगाना शुरू कर दिया है. जहां वह पहले कमजोर रहा है. लोहरदगा की सीट पर झामुमो ने अपनी नजरें जमा ली हैं, जो पहले कांग्रेस की परंपरागत सीट मानी जाती थी. झामुमो ने नीरु शांति भगत को अपने पाले में कर लिया है, जो पहले आजसू में थीं. इसके अलावा झामुमो ने पाकुड़ से विधायक अकील अख्तर को भी अपने पाले में करने की कोशिश कर रहा है.

कांग्रेस की ग्राउंड जीरो पर जी-तोड़ परिश्रम: कांग्रेस भी झामुमो की रणनीतियों से वाकिफ है और वह अपनी रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है. कांग्रेस ने संगठनात्मक मजबूती के लिए पूरी ताकत झोंक दी है. कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी और अध्यक्ष विभिन्न जिलों में बैठकों और कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं.

अलग-अलग मुद्दों पर आंदोलन: झामुमो और कांग्रेस दोनों ही दल अलग-अलग मुद्दों पर आंदोलन कर रहे हैं. झामुमो सरना धर्म कोड के मुद्दे पर आंदोलन कर रहा है, जबकि कांग्रेस एससी के मुद्दे पर आंदोलन कर रही है. दोनों ही दल सड़क पर भी उतर रहे हैं.

नए समीकरणों की संभावना: झारखंड की सियासत में नए समीकरणों की संभावना बढ़ती जा रही है. झामुमो और कांग्रेस दोनों ही दल अपनी-अपनी रणनीतियों के साथ आगे बढ़ रहे हैं. देखना होगा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कौन सी पार्टी बाजी मारती है.

झामुमो और कांग्रेस की कथनी और करनी में अंतर: सांसद विष्णु दयाल राम

संवाददाता द्वारा

पलामू: झारखंड में अनुसूचित जाति आयोग और अनुसूचित जाति परामर्शदात्री परिषद के गठन को लेकर आवाज उठने लगी है. भारतीय जनता पार्टी के पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने राज्य में अनुसूचित जाति के हालात को लेकर रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस किया है. पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने अनुसूचित जाति आयोग और अनुसूचित जाति परामर्शदात्री परिषद को लेकर राज्य सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. पलामू सांसद विष्णु दयाल राम का कहना है कि झारखंड में झामुमो और कांग्रेस की सरकार की कथनी और करनी में काफी अंतर है.

उन्होंने कहा कि एक मंत्री को पत्र लिखकर यह याद दिलवाना पड़ रहा है कि झारखंड में अनुसूचित जाति आयोग अस्तित्व में नहीं है. पलामू सांसद ने यह भी कहा कि यह पत्र दिखावटी और बयानबाजी है. सांसद ने कहा कि राज्य बनने के बाद सबसे अधिक हेमंत सोरेन राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं. रघुवर दास की सरकार ने राज्य में अनुसूचित जाति आयोग का गठन किया था. आयोग के अध्यक्ष शिवधारी राम बने थे. उनका कार्यकाल खत्म होने के बाद आयोग की हालत क्या है यह सबको पता है.

17 वर्षों तक अनुसूचित जाति परामर्शदात्री परिषद की फाइल को दबा कर रखा गया है. आयोग को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर लगाए गए सभी आरोप निर्मूल हैं और निराधार हैं. जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, वहां-वहां अनुसूचित जाति आयोग का गठन किया गया है.

केंद्र की सरकार ने पिछले 11 वर्षों में अनुसूचित जाति के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं. उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार में आर्थिक सशक्तीकरण और उद्यमिता के लिए स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों को व्यवसाय शुरू करने के लिए 10 लाख से एक करोड़ रुपये तक के ऋण प्रदान किए गए.

झारखंड के कई जिलों में तेजी में फैला जिस्मफरोशी का धंधा

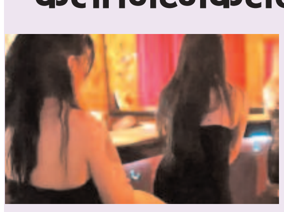

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: राजधानी रांची सहित झारखंड के कई जिलों में जिस्मफरोशी का धंधा जोरों पर चल रहा है. इस धंधे में कई सेक्स रैकेट सक्रिय हैं. धंधे में लिप्त कई महिलाएं एचआईवी पॉजिटिव हैं. पुलिस की नाक के नीचे स्पॉ सेंटर व बड़े होटलों में सेक्स रैकेट का धंधा बेरोक-टोक चल रहा है. राज्य के कई जिलों में झारखंड के अलावा बिहार, दिल्ली,यूपी, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, नेपाल व बांग्लादेश से युवतियां देह व्यापार करने आती हैं. दलाल इन लड़कियों को सफेदपोस, हाई प्रोफाइल लोगों के पास भेजी जाती है. लेकिन पुलिस इसे रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं करती है. जिससे सेक्स रैकेट का धंधा लगातार बढ़ता जा रहा है.

युवतियों को इस दलदल से निकालकर समाज में अच्छी जिंदगी जीने के लिए नेशनल हेल्थ मिशन के तहत कई संस्थाएं काम कर रही हैं. ये संस्थाएं इन युवतियों को नई दिशा देने के लिए आगे बढ़ी हैं. इस पूरे मामले में जब टीम ने तहतक जाकर जानने की कोशिश की, तो कई चौंकाने वाली बातें सामने आईं. एक फीमेल सेक्स वर्कर ने बताया कि देह व्यापार के लिए कोलकाता, छत्तीसगढ़ और बिहार से अलग-अलग समूह बनाकर युवतियां झारखंड के बड़े शहरों में जाती हैं. ग्राहकों से 5000 से 10 हजार रुपये तक लिया जाता है. दलाल 25 प्रतिशत हिस्सा अपने पास रख लेता है हालांकि, राज्य के कई जिलों में पुलिस ने सेक्स रैकेट का भांडाफोड़ करते हुए कई बड़ी कार्रवाई की है. धंधे में लिप्त कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल भी भेजा गया है. इसके बावजूद राज्य में जिस्मफरोशी का धंधा जोरों पर चल रहा है.

इन जिलों में पुलिस ने सेक्स रैकेट का खुलासा कर की गिरफ्तारी -रांची: 28 मई 2025 को रांची के आनंदमयीनगर में सेक्स रैकेट की सूचना पर छापेमारी, एक महिला हिरासत में. 2 अप्रैल 2024 को रांची के बरियातू समेत कई इलाकों होटलों में चल रहे जिस्म फरोशी के का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने 20 युवतियों और 6 युवकों को पकड़ा था.जमशेदपुर: 1 अप्रैल 2025 को जमशेदपुर पुलिस ने कदमा में सेक्स रैकेट का किया था खुलासा, आपत्तिजनक स्थिति में युवक-युवती व युवती को पकड़ा था.

कांग्रेस का आरोप, बिहार में चुनाव जीतने को वोटर लिस्ट से छेड़छाड़ कर सकती है भाजपा

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

नई दिल्ली: कांग्रेस पार्टी को आशंका है कि भाजपा बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों को जीतने के लिए महाराष्ट्र मॉडल को दोहरा सकती है. पार्ट का मानना है कि राज्य में सत्ता विरोधी लहर के कारण भाजपा-जेडीयू गठबंधन को जनता का समर्थन नहीं मिल रहा, ऐसे में भाजपा पार्टी मतदाता सूची में हेराफेरी जैसे तरीकों का सहारा ले सकती है.

पार्टी के बिहार प्रभारी एआईसीसी सचिव सुशील पासी ने कहा, लोग राज्य सरकार से नाराज़ हैं. भाजपा सत्ता बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है, जिसमें मतदाता सूची से छेड़छाड़ भी शामिल है. राहुल गांधी द्वारा महाराष्ट्र में हुई इसी तरह की गड़बड़ी पर लिखा गया लेख हम सबके लिए चेतावनी है. कांग्रेस अब हर विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तर की निगरानी टीम और 'संविधान बचाओ' चौकीदार नियुक्त करने की तैयारी में है. पार्टी की योजना है कि वह चुनावी प्रक्रिया की निगरानी करे और कोई गड़बड़ी न हो, यह सुनिश्चित करे.

महाराष्ट्र मॉडल पर कांग्रेस की आपत्ति: कांग्रेस ने 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा और लोकसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठाए हैं. महाराष्ट्र के प्रभारी एआईसीसी सचिव बीएम संदीप ने कहा कि ÷राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवाल तथ्यों पर आधारित हैं, लेकिन भाजपा बौखला गई है और चुनाव आयोग ने भी बिना हस्ताक्षर वाले, अनौपचारिक बयानों के जरिए जवाब दिया है.÷

बीएम संदीप के अनुसार, चुनाव आयोग से कांग्रेस ने तीन प्रमुख मांगें की थीं –

2024 लोकसभा और विधानसभा चुनावों की समेकित और डिजिटल मतदाता सूची की प्रतियाँ

मतदान के बाद शाम 5 बजे के बाद बूथ स्तर की वीडियोग्राफी की रिकॉर्डिंग

इन आंकड़ों का कानूनी रूप से संग्रह और सार्वजनिक विश्लेषण

कांग्रेस का आरोप है कि महाराष्ट्र में 31 लाख वोटरों की वृद्धि पांच वर्षों में हुई, लेकिन सिर्फ पांच महीनों में 41 लाख नई प्रविष्टियाँ कैसे जुड़ गईं, यह समझ से परे है. साथ ही, अनंतिम मतदान प्रतिशत 58.22त्न था, जबकि अंतिम आंकड़ा 66.05त्न बताया गया – यह लगभग 7.83त्न का असामान्य अंतर है.

कांग्रेस का डेटा विश्लेषण और चुनाव आयोग पर सवाल : पार्टी ने बताया कि महाराष्ट्र के 85 निर्वाचन क्षेत्रों में करीब 12,000 बूथों पर मतदाता सूची में असामान्य वृद्धि दर्ज की गई, जहां भाजपा को लोकसभा चुनाव में हार मिली थी लेकिन विधानसभा चुनाव में वही सीटें जीत ली गईं.

कांग्रेस के अनुसार, चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया में इन तथ्यों पर कोई ठोस जवाब नहीं दिया गया. बिहार कांग्रेस नेता शकील अहमद खान ने कहा, ÷यदि चुनाव प्रक्रिया भरोसेमंद नहीं होगी, तो मतदाता व्यवस्था से भरोसा खो देगा. हम चाहते हैं कि चुनाव आयोग पारदर्शिता सुनिश्चित करे.

रांची में कोयला कारोबारी की गोली लगने से मौत, जांच में जुटी पुलिस

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: राजधानी रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र में कोयला व्यापारी मनीष धानुका की गोली लगने से मौत हो गई है. पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि मनीष धानुका ने आत्महत्या की है या यह हादसा था. पूरी घटना गाड़ीखाना इलाके की है. कोयला व्यापारी मनीष धानुका इसी इलाके में रहा करते थे.

क्या है पूरा मामला : रांची के कोयला व्यापारी मनीष धानुका की गोली लगने से मौत हो गई है. धानुका का शव उनके घर के एक कमरे से बरामद किया गया है. शव के पास से हथियार भी बरामद किया गया है. धानुका ने अपने लाइसेंसी हथियार से खुद को गोली मारी है या अनजाने में उन्हें गोली लग गई है या क्या और कोई मामला है? इसकी अभी पुष्टि नहीं है. घटना की सूचना पुलिस को दी गई. जिसके बाद कोतवाली पुलिस अभी पूरे मामले की जांच कर रही है. घटनास्थल और कमरे से बरामद हथियार की एफएसएल जांच भी कराई जा रही है.

जांच जारी: मामले की जानकारी मिलने के बाद कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय और थानेदार आदिकांत महतो मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की. कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लग रहा है. जांच के बाद ही पूरी जानकारी दी जा सकेगी.

सीसीएल में फर्जी लोगों को दी जा रही थी मुआवजा और नौकरी, CID जांच शुरू

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची। चतरा में सीसीएल के टंडवा स्थित आम्रपाली परियोजना में फर्जी लोगों को फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर नौकरी और मुआवजा बांटा जा रहा था।असली रैयत होने की दावेदारी करने वाले जब इसका विरोध करते थे तो उन्हें गाली-गलौज व धक्का मुक्की कर भगा दिया जाता था।

इस मामले में एक रैयत थाना क्षेत्र के ही नौडीहा गांव निवासी परमेश्वर गंझू ने 19 जून 2024 को टंडवा थाने में आम्रपाली परियोजना के तत्कालीन महाप्रबंधक अमरेश कुमार सिंह के विरुद्ध गाली-गलौज, धक्का-मुक्की से संबंधित व एससी-एसएसटी अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

वर्तमान में सीसीएल के आम्रपाली परियोजना में फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार नौकरी और मुआवजे का मामला चर्चा में है। चर्चा की वजह एसडीओ सिमरिया की अध्यक्षता में गठित छह सदस्यीय जांच टीम की वह रिपोर्ट है, जिसमें अंचल कार्यालय और सीसीएल के पदाधिकारियों-कर्मियों की मिलीभगत से जालसाजी का खुलासा हुआ है।

इसी रिपोर्ट के आधार पर चतरा के तत्कालीन जिला भू-अर्जन पदाधिकारी वैभव कुमार सिंह ने टंडवा थाने में 29 मार्च 2025 को एक अन्य प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसी एफआईआर को सीआईडी ने टेकओवर कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि सीआईडी ने इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच की तो जालसाजी के परत-दर-परत खुलते जाएंगे।

इसमें आरोप टंडवा के अंचल कार्यालय पर है। इस पर सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के लिए निर्गत वंशावली प्रमाण पत्र, भूमि सत्यापन एवं भूमि नक्शा में छेड़छाड़ कर अवैध तरीके से नियोजन और मुआवजा दिलाने का आरोप है।

फर्जी सत्यापन रिपोर्ट से लेकर फर्जी मालिकाना हक संबंधित दस्तावेज तैयार कर आरोपितों ने सीसीएल से नौकरी और मुआवजे का लाभ लिया गया है।

अब तक करीब 22 लोगों की सीसीएल में फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर नौकरी और मुआवजा लिए जाने का मामला एसडीओ सिमरिया की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय टीम ने अपनी जांच में उजागर किया है। अब सीआईडी ने जांच अपने अधीन लिया है तो खुलासे और होंगे।

टंडवा थाने में 19 जून 2024 को दर्ज दूसरी प्राथमिकी में शिकायतकर्ता परमेश्वर गंझू ने बताया था कि 15 जून 2024 को वे थाना क्षेत्र के ही कसियाडीह निवासी गोपाल महतो के साथ अपनी जमीन देखने गए थे।

झामुमो के बैनर पर सियासी घमासान: बैनर में गुरूजी, हेमंत और बसंत का नाम

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची। राजधानी रांची के चौक चौराहा में एक बार फिर से बैनर का स्टंट झारखंड की राजनीतिक परिपेक्ष में देखा जा रहा है. झारखंड मुक्ति मोर्चा के द्वारा एक स्लोगन के साथ राजधानी रांची के चौक पर बैनर लगाए गए हैं और इस बैनर के माध्यम से दर्शाने की कोशिश की गई है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की लोकप्रिय सरकार है.

बैनर में लिखा है- गुरुजी है तो गुरूर है.
हेमंत है तो हिम्मत है.
बसंत है तो बहार है.

इसलिए ही तो झा.मु.मो. की लोकप्रिय सरकार है. ;अब न तो इस बैनर में मुख्यमंत्री की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन का नाम है नाहीं गठबंधन की किसी अन्य पार्टी का. अब झारखंड में महागठबंधन, झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस एवं अन्य घटक दलों के साथ बनी मिली जुली सरकार है परंतु झारखंड मुक्ति मोर्चा इस बैनर के माध्यम से अपनी पार्टी की लोकप्रिय सरकार होने की बात कह रही है. जिसे लेकर राजनीतिक टिप्पणियां भी देखी जा रही है.

राकेश सिन्हा कांग्रेस प्रवक्ता, ने रखी अपनी बात: झारखंड में सरकार बनाने में झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ मुख्य रूप से घटक दल के रूप में कांग्रेस शामिल है, और इस विषय पर कांग्रेस के प्रवक्ता का कहना है कि बैनर से क्या स्पष्ट हो रहा है यह राज्य की जनता का मुद्दा नहीं है. मुद्दा यह है कि झारखंड राज्य में महागठबंधन की सरकार बेहतर काम कर रही है. लोकतंत्र में अपनी भावना को प्रकट करने का अधिकार सबको है. ऐसे में बैनर के माध्यम से झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपनी भावना को प्रकट किया हैं, वैसे ही कल कांग्रेस भी अपनी भावना को प्रकट कर सकता है.

भाजपा मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने झारखंड मुक्ति मोर्चा को घेरा: वहीं विपक्षी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता ने इस विषय पर कहा कि इस बैनर के माध्यम से झारखंड मुक्ति मोर्चा ने गठबंधन की पार्टियों को तो दूर, अपनी महिला नेत्री कल्पना सोरेन का सम्मान बढ़ाना भी स्लोगन में उचित नहीं समझा है. और रही बात गुरुर की तो किस बात का गुरूर है कि आदिवासी बच्चियों की हत्याएं हो रही हैं, किस बात की बहार है की लोग पानी के लिए तरस रहे हैं? यह शब्दों की बाजीगरी है पर राज्य में वास्तविकता क्या है यह झारखंड की जनता समझती है.

भारत गौरव एक्सप्रेस: छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े स्थलों के दर्शन कराएगी विशेष गाड़ी

● भारत गौरव ट्रेन टूर को 100 प्रतिशत बुकिंग के साथ जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है ● 9 जून 2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई से रवाना होगी ● यह ट्रेन रायगढ़ किला, शिवनेरी किला, प्रतापगढ़ किला, पन्हाला किला, लाल महल, कस्बा गणपति और शिवसृष्टि जैसे ऐतिहासिक स्थलों को कवर करती है, जो महान छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को दर्शाते हैं ● दो अतिरिक्त आकर्षणों में भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग और कोल्हापुर में महालक्ष्मी मंदिर शामिल हैं ● सुविधा और सुलभता के साथ यह ट्रेन यात्रियों को महाराष्ट्र के गौरवशाली अतीत और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को देखने का एक सहज अनुभव प्रदान करेगी

शशांक चौधरी

नई दिल्ली: भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) ने छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट भारत गौरव ट्रेन टूर शुरू किया है, जो 9 जून 2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई से रवाना होगी। भारत गौरव ट्रेन टूर को 100 प्रतिशत बुकिंग के साथ जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है।

कुल 710 यात्री इस यात्रा का लाभ उठाएंगे। जिनमें से 480 यात्री इकोनॉमी (स्लीपर) में, 190 यात्री कम्फर्ट (3ष्ट) में और 40 यात्री सुपीरियर (2ष्ट) में बुक किए गए हैं। भारत गौरव ट्रेन यात्रा की योजना छत्रपति शिवाजी महाराज के 351वें राज्याभिषेक समारोह के अवसर पर बनाई गई है। छत्रपति शिवाजी महाराज के दर्शन के लिए यह ट्रेन 9 जून, 2025 को रायगढ़ पहुंचेगी। छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट एक विशेष रूप से क्यूरेट किया गया टूर है, जो पांच रातों/छह दिनों की यात्रा में छत्रपति शिवाजी महाराज के गौरवशाली इतिहास और भव्य विरासत को प्रदर्शित करता है। यह टूर महाराष्ट्र सरकार, भारतीय रेलवे के बीच एक संयुक्त सहयोग है।

यह ट्रेन रायगढ़ किला, शिवनेरी किला, प्रतापगढ़ किला, पन्हाला किला, लाल महल, कस्बा गणपति और शिवसृष्टि जैसे ऐतिहासिक स्थलों को कवर करती है, जो महान छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को दर्शाते हैं। दो अतिरिक्त आकर्षणों में भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग और कोल्हापुर में महालक्ष्मी मंदिर शामिल हैं। सुविधा और सुलभता के साथ, यह ट्रेन यात्रियों को महाराष्ट्र के गौरवशाली अतीत और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को देखने का एक सहज अनुभव प्रदान करती है।

6 दिनों का यात्रा कार्यक्रम छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT), मुंबई से शुरू होगा। पहले दिन, रेलगाड़ी कोंकण रेलवे नेटवर्क पर माणगांव रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी, जो रायगढ़ किले के लिए निकटतम रेलवे लिंक है। पहला गंतव्य रायगढ़ है, जो उसी नाम के पहाड़ी किले के लिए जाना जाता है जहां छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ था और बाद में यह उनकी राजधानी थी। दर्शनीय स्थलों की यात्रा पूरी होने पर पर्यटक वापस ट्रेन में लौट आएंगे क्योंकि यह अगले गंतव्य पुणे के लिए आगे बढ़ेगी, जहां पर्यटक रात का भोजन करेंगे और पुणे के होटल में रात बिताएंगे। दौरे के दूसरे दिन, पुणे में पर्यटक जिन प्रमुख स्थलों को देखेंगे, वे हैं लाल महल, कस्बा गणपति और शिवसृष्टि। वर्तमान संरचना का पुनर्निर्माण 1984 में उस भूमि के एक हिस्से पर किया गया था, जहां लाल महल खड़ा था और इसमें तेल चित्रों का एक विशाल संग्रह है जो छत्रपति शिवाजी महाराज के महत्वपूर्ण जीवन की घटनाओं को दर्शाता है। पुणे के पीठासीन देवता कस्बा गणपति का मंदिर 1893 का है और माना जाता है कि इसे छत्रपति शिवाजी महाराज की मां जीजाबाई ने बनवाया था। तब से, शहर को गणेश के शहर के रूप में जाना जाता है। बाद में दिन में, पर्यटक शिवसृष्टि का दौरा करेंगे। जो छत्रपति शिवाजी महाराज की कथा को प्रदर्शित करने वाला सबसे बड़ा ऐतिहासिक थीम पार्क है। पर्यटक यहां मराठा शासक की जीवन कहानी 3डी में देखेंगे और अन्य इंटरैक्टिव सत्रों का आनंद लेंगे। पुणे में एक रात के आराम के बाद, तीसरे दिन मेहमान शिवनेरी की यात्रा करेंगे। यह छत्रपति शिवाजी महाराज की जन्मस्थली है और मुस्लिम शासन के खिलाफ मराठा गौरव और प्रतिरोध का प्रतीक है। दोपहर के भोजन के बाद पर्यटक रात्रि विश्राम के लिए पुणे लौटने से पहले 12 ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर का दर्शन करेंगे। यात्रा कार्यक्रम के चौथे दिन, पर्यटक सतारा की आगे की यात्रा के लिए ट्रेन में सवार होंगे।

भाजपा विकास के एजेंडे पर काम करती है, इसलिए जनता हमारी सरकार लाती है : कमलजीत सहरावत

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 2024 में आयोजित महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट बताया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मैच फिक्सिंग वाले राहुल गांधी के बयान पर दिल्ली से भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास के एजेंडे पर काम करती है। इसीलिए, जनता हमारी सरकार बनाती है। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि राहुल गांधी का हर बयान अपने आप में काफी अलग सा होता है। वह कभी अपनी हार की जिम्मेदारी नहीं लेते। कभी पूरे भारत में शासन करने वाली सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस, आज संसद में तीसरे स्थान पर पहुंचने के लिए भी संघर्ष करती है। यह स्पष्ट रूप से पार्टी की विचारधारा और कार्यप्रणाली में खामियों को दर्शाता है। राहुल गांधी चुनाव के वक्त देश में नहीं रहते हैं और जब विदेश में होते हैं तो देश के खिलाफ बयानबाजी कर रहे होते हैं। कांग्रेस अगर लगातार चुनाव हार रही है तो वह अपनी कमियों की वजह से हार रही है। भाजपा विकास के एजेंडे को लेकर चलती है, लोग वोट करते हैं और सरकार बनती है।

महाराष्ट्र चुनाव पर राहुल गांधी का मैच फिक्सिंग आरोप बिल्कुल सही : उदित राज

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता उदित राज ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर एक आर्टिकल शेयर किया है और दावा किया है कि जिस तरह से महाराष्ट्र चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' की गई यह बिहार चुनाव में भी दोहराई जाएगी। क्योंकि, भाजपा जहां-जहां हारती है वहां हेराफेरी की जाती है। इस पर उदित राज ने कहा कि राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर मैच फिक्सिंग की बात बिल्कुल सही कही है। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान उदित राज ने कहा कि राहुल गांधी तथ्य के साथ बातचीत करते हैं। चुनाव आयोग ने समझौता किया। फर्जी वोट डाले गए, जिसका जवाब चुनाव आयोग नहीं दे पाया है। महाराष्ट्र की सरकार बेईमानों की सरकार है। इस चुनाव में ईवीएम में घोटाला हुआ है। महाराष्ट्र की सरकार जनता ने नहीं चुनी है। राहुल गांधी के जातिगत आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा की बाधा खत्म करने वाले बयान पर उदित राज ने कहा कि पूरे देश की मांग है कि यह होना चाहिए।जम्मू-कश्मीर के दौरे के दौरान सीएम उमर अब्दुल्ला की ओर से पीएम मोदी की तारीफ किए जाने पर उदित राज ने कहा कि मैंने भी उनका भाषण सुना है। उन्होंने कहा कि जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए वह काम पीएम मोदी ने किया। लेकिन, ऐसा नहीं कहा कि जो काम कांग्रेस नहीं कर पाई वो काम पीएम मोदी ने किया। अच्छी बात है कि वह तारीफ कर रहे हैं। लेकिन, जब जानते हैं कि नरसिम्हा की सरकार में इस प्रोजेक्ट की नींव डाली गई थी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सुरक्षा और कड़ी, धमकी देने वाला गाजियाबाद से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जान से मारने की धमकी देने वाले को दिल्ली पुलिस की टीम ने 24 घंटे के अंदर गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री की 'जेड+ कैटेगरी सुरक्षा को और कड़ा कर दिया है। इसके साथ ही उत्तर-पश्चिम दिल्ली के शालीमार बाग स्थित मुख्यमंत्री के घर के बाहर भी सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है पुलिस के मुताबिक आरोपित ने शराब के नशे में धमकी वाला फोन किया और उसकी पहचान श्लोक तिवारी के रूप में हुई है। उसके पास से फर्जी आईडी कार्ड भी बरामद किए हैं। उल्लेखनीय है कि गाजियाबाद पुलिस को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर कॉल कर दिल्ली के मुख्यमंत्री को जान से मरने धमकी दी है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए गाजियाबाद पुलिस ने दिल्ली पुलिस को सूचित कर दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष और सांसद कमलजीत ने झरोदा कलां में एमसीडी स्टेडियम का शिलान्यास किया

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत नजफगढ़ विधानसभा के झरोदा कलां में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) स्टेडियम का शिलान्यास किया। इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 14 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए जाएंगे। इसमें एक फुटबॉल स्टेडियम, दो बैडमिंटन कोर्ट, एक बास्केटबॉल कोर्ट शामिल होंगे। इसके अलावा करीब 102 गलियों का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक शिलान्यास नहीं, बल्कि नवयुवकों के उज्ज्वल भविष्य और क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक ठोस प्रयास है। भाजपा का विकास, विश्वास और बेहतर भविष्य ही संकल्प है। सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि पिछली सरकार ने फंड का इस्तेमाल नहीं किया। आम आदमी पार्टी की सरकार के समय यह फंड वर्षों तक निष्क्रिय पड़ा रहा। अब उपराज्यपाल द्वारा ग्रामोदय योजना के तहत यह फंड स्थानांतरित किया गया है। इससे अब न केवल स्टेडियम का निर्माण होगा, बल्कि गांव के समग्र विकास का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित : अमित शाह

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में हाल के नक्सल विरोधी अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से मुलाकात की और उन्हें इन अभियानों की सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार भारत को नक्सलवाद के दंश से मुक्त करने के लिए संकल्पित है।केंद्रीय गृह मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हाल ही में नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए गए अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से भेंट कर इन ऑपरेशंस की ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें बधाई दी। इन अभियानों को अपनी बहादुरी से सफल बनाने वाले जवानों से भी मिलने के लिए उत्सुक हूं और जल्द ही छत्तीसगढ़ आकर उनसे भेंट करूंगा। मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित है। उल्लेखनीय है

कि केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देशन में सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ में माओवादी विरोधी अभियानों का संचालन कर रहे हैं। इसके तहत, छत्तीसगढ़ पुलिस (नारायणपुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव और बीजापुर जिलों की डीआरजी इकाइयों सहित) द्वारा 18 से 21 मई तक अबूझमाड़ के अंदरूनी इलाकों में ऑपरेशन चलाया गया। 21 मई को बोटेर गांव के जंगलों में मुठभेड़ में भाकपा (माओवादी) के महासचिव और पोलित ब्यूरो सदस्य बसवाराजू उर्फ गगन्ना सहित 27 नक्सली मारे गये, साथ ही भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। अभियान में शामिल अधिकारियों में छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नक्सल विरोधी अभियान/एसआईबी/एसटीएफ) विवेकानंद, पुलिस महानिरीक्षक (बस्तर रेंज) सुंदरराज, पुलिस अधीक्षक (नारायणपुर) प्रभात कुमार, पुलिस अधीक्षक (बीजापुर) जितेंद्र यादव और पुलिस अधीक्षक (नक्सल मुक्त बस्तर जिला) शलभ सिंह को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार शर्मा, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक तपन डेका सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

एक राष्ट्र, एक चुनाव को लेकर दिल्ली में संगोष्ठी का आयोजन

एजेंसी
नई दिल्ली। एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल ने इस विषय पर जागरुकता बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के बाद बंसल ने कहा कि देशभर में इस बात पर बहस चल रही है कि चुनाव सुधार की जरूरत है और चुनावों में लगने वाले उच्च खर्च और समय को देखते हुए क्या चुनाव एक साथ कराए जाने चाहिए। इसको लेकर हमने पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की वकालत करते हुए एक सार्वजनिक अभियान शुरू किया है। इस विषय को लेकर देशभर में चर्चा हो रही है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में गठित कमेटी की रिपोर्ट आई है। संयुक्त संसदीय समिति देशभर में इस विषय को लेकर जा रहीहै और जागरुक कर रही है।

ओसाका के वर्ल्ड एक्सपो के शीर्ष मंडपों में शामिल भारत मंडप, आईजीएनसीए ने किया तैयार

एजेंसी
नई दिल्ली। जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा क्यूरेट किया गया 'भारत मंडप' सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में उभर कर सामने आया है। इसने शीर्ष पांच मंडपों में जगह बनाई है। जापान ट्रैवल ब्यूरो (टीबी) के प्रतिनिधि और डिप्टी पेवेलियन डायरेक्टर यामामोटो-सान द्वारा की गई समीक्षा के अनुसार, भारत के मंडप को एक्सपो में अमेरिका, इटली, जापान और फ्रांस के साथ शीर्ष पांच मंडपों में स्थान दिया गया है। वर्ल्ड एक्सपो में मौजूद मंडपों की यह श्रेणी एक्सपो अधिकारियों, आम जनता और जापानी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से इनपुट के आधार पर बनाई गयी है। ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में भारत की भागीदारी की प्रगति के बारे में आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने यहां आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्व एक्सपो, 2025 में भारत पैवेलियन देश की प्राचीन ज्ञान परम्परा, आधुनिक आकांक्षाओं और वैश्विक भागीदारी का प्रमाण है। रणनीतिक रूप से 'कनेक्टिंग लाइव्स जोन' में स्थित यह पैवेलियन भारत की सभ्यतागत गहराई के साथ-साथ इसकी तकनीकी उन्नति और चिरस्थायी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। सही मायनों में भारत मंडप न केवल एक सांस्कृतिक प्रदर्शनी स्थल बन गया है,

बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक कूटनीति यानी सॉफ्ट पावर का एक सशक्त माध्यम भी है, जो दुनिया के लोगों को भारत की विविधता, समृद्धि और नवाचार से परिचित कराता है। उन्होंने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय द्वारा संस्कृति मंत्रालय के मार्गदर्शन में की जा रही इस पहल को 'इंडिया ट्रेड प्रोमोशन ऑर्गनाइजेशन' (आईटीपीओ) और आईजीएनसीए के संस्थागत सहयोग से साकार किया जा रहा है। मंडप की रचनात्मक दृष्टि और गूढ़ सांस्कृतिक डिजाइन को आईजीएनसीए ने बहुत ही कम समय में क्रियान्वित किया है।

चुनाव आयोग ने राहुल के आरोपों को बताया बेबुनियाद, कहा- हार पर बदनाम करने की कोशिश

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा 'मैच फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक से अंग्रेजी अखबार में लिखे गए लेख पर चुनाव आयोग ने आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। लेख में राहुल गांधी ने नवंबर 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाया था। चुनाव आयोग ने इसे तथ्यों से परे और बदनाम करने वाला बताया है।चुनाव आयोग ने कहा, मतदाताओं द्वारा किसी भी प्रतिकूल फैसले के बाद यह कहकर (मैच फिक्स था) चुनाव आयोग को बदनाम करने की कोशिश करना पूरी तरह से बेतुका है। राहुल ने अपने लेख में पांच बिंदुओं पर कथित चुनावी गड़बड़ियों को रेखांकित किया था। इनमें चुनावा आयुक्त पैनल की नियुक्ति में पक्षपात, फर्जी मतदाताओं का नाम जोड़ना, मतदान प्रतिशत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना, टार्गेटेड बूथों पर बोगस वोटिंग और सीसीटीवी रिकॉर्ड न देने जैसे मुद्दे शामिल थे। इसके जवाब में आयोग ने बताया कि 6.4 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान किया। औसतन हर घंटे 58 लाख वोट डाले गए। अंतिम दो घंटे में 65 लाख वोट पड़ना सामान्य औसत से कम है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि हर बूथ पर राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त एजेंट मौजूद थे। किसी ने भी अगले दिन रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष कोई संदेह नहीं जताया। आयोग के अनुसार, मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और निर्वाचक नियम 1960 के तहत की जाती है। अंतिम मतदाता सूची सभी दलों को दी गई थी। इसके खिलाफ केवल 89 शिकायतें आईं, जिनमें से एक भी कांग्रेस द्वारा

नहीं की गई थीं। आयोग ने बताया कि 1 लाख से अधिक बूथों पर 97 हजार बूथ लेवल ऑफिसर्स और सभी दलों द्वारा नियुक्त 1.03 लाख बूथ एजेंट तैनात थे। कांग्रेस ने भी 27 हजार से अधिक एजेंट नियुक्त किए थे। आयोग ने कहा कि चुनाव कानून के तहत पारदर्शिता से होते हैं और किसी भी तरह की गलत जानकारी न केवल कानून का अपमान है, बल्कि चुनाव प्रक्रिया से जुड़े लाखों लोगों के मनोबल को भी गिराता है। आयोग ने कहा कि 24 दिसंबर 2024 को यह सभी तथ्य कांग्रेस को भेज दिए गए थे। इसके बावजूद बार-बार ऐसे आरोप लगाना पूरी तरह अनुचित है।

आपदाओं से निपटने को वैश्विक डिजिटल संग्रह पूरे विश्व के लिए लाभकारीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपदाओं से निपटने और विकास में लचीलेपन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आपदाओं से उबरने के लिए सीख और सर्वोत्तम तरीकों का एक वैश्विक डिजिटल संग्रह पूरे विश्व के लिए लाभकारी होगा। उन्होंने ऐसे अवसंरचना के निर्माण का आह्वान किया, जो समय और ज्वार के विरुद्ध अडिग रहे। प्रधानमंत्री ने फ्रांस में आयोजित आपदा रोधी अवसंरचना पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीआरआई) 2025 को दूसरे और अंतिम दिन वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विश्व के लिए एक मजबूत और आपदा प्रतिरोधी भविष्य के निर्माण के लिए वैश्विक प्रयासों का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आपदाओं के प्रभावों को कम करने और विकास को सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक सहयोग और साझेदारी की

आवश्यकता है। आपदा प्रतिरोधी भविष्य के निर्माण के लिए हमें आपदाओं के प्रभावों को कम करने और विकास को सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना होगा। वैश्विक डिजिटल संग्रह आपदाओं से निपटने और विकास में लचीलेपन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने सम्मेलन की थीम 'तटीय क्षेत्रों के लिए लचीले भविष्य को आकार देना' का उल्लेख कर कहा कि प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के कारण तटीय क्षेत्र और द्वीप बहुत जोखिम में हैं। मोदी ने हाल के दिनों में भारत और बांग्लादेश में चक्रवात रेमल, कैरिबियन में तूफान बेरिल, दक्षिण-पूर्व एशिया में टाइफून यागी, संयुक्त राज्य अमेरिका में तूफान हेलेन, फिलीपींस में तूफान उसागी और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में चक्रवात चिडो का उदाहरण दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी आपदाओं ने जान-माल को नुकसान पहुंचाया।प्रधानमंत्री ने भारत में 1999 के सुपर-साइक्लोन और 2004 की सुनामी सहित विनाशकारी आपदाओं के दर्द को याद करते हुए कहा कि भारत ने लचीलेपन को ध्यान में रखते हुए अनुकूलन और पुनर्निर्माण किया। संवेदनशील क्षेत्रों में चक्रवात आश्रयों का निर्माण किया गया और 29 देशों के लिए सुनामी चेतावनी प्रणाली बनाने में भी मदद की। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपदा रोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन 25 छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के साथ काम कर रहा है।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

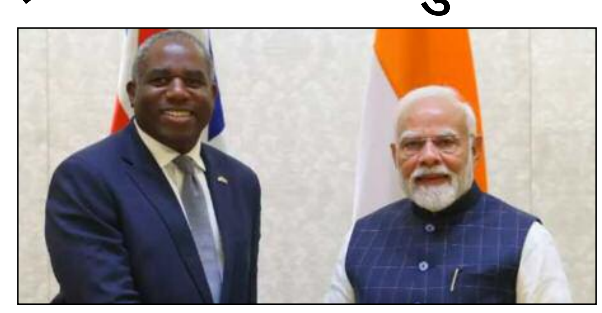

एजेंसी
नई दिल्ली। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने भारत-ब्रिटेन रणनीतिक साझेदारी में मुक्त व्यापार साझेदारी से आई उल्लेखनीय वृद्धि और आतंकवाद के मुद्दे पर ब्रिटेन के समर्थन की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी से मिलकर प्रसन्नता हुई। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी में उल्लेखनीय प्रगति में उनके महत्वपूर्ण योगदान की वे सराहना करते हैं। हाल ही में संपन्न एफटीए द्वारा इसे और मजबूती मिली है। सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में ब्रिटेन के समर्थन की वे सराहना करते हैं। इससे पहले भारत आए ब्रिटेन के विदेश मंत्री लैमी ने दिन में अपने समकक्ष एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की।

दिल्ली के चिड़ियाघर के निजीकरण को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल, भूपेन्द्र यादव ने किया खारिज

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के चिड़ियाघर के निजीकरण को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार पर आरोप लगाए हैं जिसे केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने खारिज कर दिया है। भूपेन्द्र यादव ने एक्स पोस्ट पर कहा कि कुछ लोगों ने हर मौके पर लोगों के मन में संदेह पैदा करने की आदत बना ली है। प्राणी उद्यान संरक्षण प्रयासों, वैज्ञानिक अनुसंधान, शिक्षा और क्षमता निर्माण, संसाधन साझाकरण और पशु कल्याण आदि को बढ़ाने के लिए अन्य चिड़ियाघरों, विश्वविद्यालयों और वैज्ञानिक संस्थानों के साथ सहयोगात्मक समझौता किया गया है। प्रस्तावित समझौता ज्ञापन का उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण, बचाव, पुनर्वास, पशु स्वास्थ्य एवं कल्याण में सहयोग को बढ़ावा देना है। इस काम में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण भी सहयोग करता है। भूपेन्द्र यादव ने कहा कि राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (एनजेडपी) ने जनवरी 2021 में ग्रीन्स जूलॉजिकल एंड रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर (जीजेडआरआरसी), जामनगर (गुजरात) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन जानवरों के आदान-

प्रदान, पशुपालकों की क्षमता निर्माण, जानवरों के वैज्ञानिक प्रबंधन पर तकनीकी आदान-प्रदान और संरक्षण प्रजनन और शिक्षा पर ज्ञान साझा करने पर केंद्रित है।जीजेडआरआरसी ने पशु स्वास्थ्य और कल्याण, विश्व स्तरीय चिड़ियाघर डिजाइनिंग, जंगली जानवरों के बचाव और पुनर्वास और आवास संवर्धन आदि में अत्याधुनिक सुविधाओं और सेवाओं का विकास किया है। जीजेडआरआरसी ने पशु स्वास्थ्य एवं कल्याण, विश्व स्तरीय चिड़ियाघर डिजाइनिंग, जंगली जानवरों के बचाव एवं पुनर्वास तथा आवास संवर्धन आदि में अत्याधुनिक सुविधाएं एवं सेवाएं विकसित की है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्राणी उद्यान 60 वर्ष पुराना संस्थान है, जिसने कई लुप्तप्राय प्रजातियों के प्रजनन एवं देखभाल में पर्याप्त विशेषज्ञता हासिल की है तथा अब इसका लक्ष्य कैद में पशु कल्याण की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाकर अपनी सुविधाओं एवं सेवाओं का आधुनिकीकरण करना है, साथ ही विश्व स्तरीय चिड़ियाघर के समान आगंतुकों के अनुभव को बढ़ाना है। कैप्टिव वन्यजीव प्रबंधन के सामान्य उद्देश्यों के अनुरूप तथा वर्तमान प्रबंधन आवश्यकताओं के अनुसार सहयोग को और व्यापक बनाने के लिए, एनजेडपी ने जीजेडआरआरसी के साथ मौजूदा समझौता ज्ञापन को संशोधित करने की मांग की है।

बिहार विधानसभा चुनाव में संभावित हार देख राहुल गांधी कर रहे गलत बयानबाजीः केसी त्यागी

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बिहार को 'क्राइम कैपिटल' बताने वाले बयान ने बिहार की सियासत में हलचल मचा दी है। जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने इसे आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में 'संभावित हार' के खतरे को भांप कर दिया गया बयान बताया केसी त्यागी ने कहा कि राहुल गांधी उस दौर को भूल गए, जब 1990 के दशक में बिहार में अपराध चरम पर था और फिरौती की रकम तक कथित तौर पर मुख्यमंत्री आवास से तय होती थी। राहुल गांधी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में संभावित हार को देखते हुए ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं, ताकि जनता का ध्यान भटकाया जा सके।

राहुल गांधी ने हाल ही में बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश कुमार सरकार पर हमला बोला था। उन्होंने दावा किया कि बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदतर हो चुकी है और इसे 'क्राइम कैपिटल' की संज्ञा दी। इसके जवाब में केसी त्यागी ने कहा, 'राहुल गांधी के बयान आधारहीन हैं और यह उनकी हताशा को दर्शाते हैं। राहुल गांधी को बिहार की वर्तमान स्थिति पर टिप्पणी करने से पहले 1990 के दशक के उस दौर को याद करना चाहिए, जब उनकी सहयोगी पार्टी के शासन में अपराधी बेखौफ थे। कांग्रेस नेता के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कथित धांधली के आरोपों पर भी केसी त्यागी ने तंज कसा। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के शासनकाल में भी हम चुनावों में अनियमितताओं के आरोप लगाते थे। अगर राहुल गांधी को धांधली का शक है, तो उन्हें अपनी पार्टी के नेताओं के साथ चुनाव आयोग से मिलकर जवाब मांगना चाहिए, न कि बेबुनियाद बयानबाजी करनी चाहिए। जनादेश को नकारना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है और यह हिंसा व तानाशाही की ओर इशारा करता है।'

हमारे युवा विकसित भारत के सारथीः उपराष्ट्रपति धनखड़

एजेंसी
नई दिल्ली। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के नौणी स्थित डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय में विकसित भारत युवा कृषि वैज्ञानिक दृष्टिकोण व संकल्प विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में विद्यार्थियों से प्रेरणादायक संवाद किया। उपराष्ट्रपति ने युवाओं को संबोधित करते हुए उन्हें विकसित भारत की दिशा में सबसे मजबूत 'सारथी' बताया और कहा कि उनके जोश, ज्ञान और समर्पण से ही देश आत्मनिर्भर और उन्नत बनेगा। संवाद की शुरुआत करते हुए उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को सहज और आत्मीय वातावरण में संबोधित किया। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी भी इस कार्यक्रम में आना चाहती थीं, लेकिन कुछ कारणों से नहीं आ सकीं। इस दौरान उन्होंने माँ शालिनी माता का आशीर्वाद लेकर कार्यक्रम में सम्मिलित होने की बात भी साझा की। अपने जीवन के अनुभवों से प्रेरणा देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे हमेशा सकारात्मक सोच रखें और समाज व राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि हिमाचल प्रदेश केवल प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीक नहीं है, यह वीरों की भूमि भी है। यहां की शुद्धता, संस्कृति

और जनभावनाएं देश के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का उल्लेख करते हुए इसे राष्ट्र की सामूहिक चेतना और संकल्प का प्रतीक बताया।उन्होंने युवाओं को आह्वान किया कि वे भारतीयता को अपनी पहचान और राष्ट्रीयता को अपने धर्म की तरह अपनाएं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसमें युवाओं की भूमिका बेहद अहम है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज के दौर में केवल सरकारी नौकरी ही एकमात्र विकल्प नहीं है। उन्होंने युवाओं को उद्यमिता, नवाचार और तकनीकी क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा दिखाने की सलाह दी। ÷कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एग्रीकल्चरल इंटेलिजेंस (एजीआई) ही वह मार्ग है, जिससे ग्रामीण भारत को समृद्ध किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ें और कृषि में स्थायित्व तथा नवाचार को बढ़ावा दें। साथ ही केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने में सहायक बनें।

बिहार चुनाव में राहुल गांधी को दिख रही हार :भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है और बिहार में होने वाले चुनाव में भी फर्जीवाड़ा होने का अंदेशा जताया है। इस पर भाजपा प्रवक्ता आर.पी. सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को बिहार में हार दिख रही है, वह बिहार की यात्रा करके आए हैं और उन्हें जमीनी हालात समझ आ गए हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि बिहार की जमीनी हालत समझने के बाद राहुल गांधी ऐसी बातें कर रहे हैं। जब कर्नाटक, हिमाचल और तेलंगाना में उनके सहयोगी दल चुनाव जीते, तब इस तरह की बातें नहीं करते थे। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा था, ...यह देखना मुश्किल नहीं है कि महाराष्ट्र में भाजपा इतनी हताश क्यों थी। लेकिन धांधली मैच फिक्सिंग की तरह है, जो पक्ष धोखा देता है वह खेल जीत सकता है, लेकिन संस्थानों को नुकसान पहुंचाता है और परिणाम में जनता का विश्वास नष्ट करता है। सभी चिंतित भारतीयों को सबूत देखना चाहिए। खुद ही फैसला करें। जवाब मांगें, क्योंकि महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी, और फिर जहां भी भाजपा हार रही है। मैच फिक्सिंग चुनाव किसी भी लोकतंत्र के लिए जहर है। समाचार एजेंसी ने जब आर.पी. सिंह से जी-7 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पिछले पांच साल से जी-7 की बैठक में लगातार जा रहे हैं, इस बार संशय बना हुआ था लेकिन कनाडा से निमंत्रण आया है तो प्रधानमंत्री जाएंगे। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के एक विधायक नरेंद्र नाथ चक्रवर्ती ने ऑपरेशन सिंदूर को ड्रामा बताया। उन्होंने कहा कि इसका जवाब ममता बनर्जी को देना पड़ेगा। वह वोट बैंक को साधने के लिए ऐसे बयान देती हैं, उनके लिए वोट बैंक पहले है, देश बाद में। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के प्रधानमंत्री की तारीफ करने पर उन्होंने कहा कि सभी नेता चाहते थे कि श्रीनगर का देश से रेल लिंक हो। आज प्रधानमंत्री मोदी ने सपना पूरा किया है।

संक्षिप्त समाचार

क्रिकेट खेलने के दौरान बॉल से लगने से सांसद मनीष जायसवाल हुए चोटिल, मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कराया नोज़ल पैकिंग

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। रविवार को हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमदाग थाना क्षेत्रांतर्गत पसई क्रिकेट मैदान में आनंद क्रिकेट टूर्नामेंट- 2025 के फाइनल के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने पहुंचे हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल का स्थानीय युवाओं संग क्रिकेट खेलने के क्रम में बेटिंग करने के दौरान बॉल से लगने से नाक में चोट लग गई, जिससे रक्तस्राव होने लगा। रक्तस्राव नहीं रुकने पर सांसद मनीष जायसवाल सीधे हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे जहां उनका यहीं के शल्य चिकित्सक डॉ. अभिषेक कुमार ने नोज़ल पैकिंग किया और प्राथमिकता उपचार किया जिसके उपरांत उनके नाक से रक्तस्राव बंद हुआ। सांसद मनीष जायसवाल ने खुद अपने सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से जानकारी देते हुए बताया कि मैं पूरी तरह स्वस्थ हूं और क्षेत्र के कार्यक्रमों में भाग लेने रामगढ़ जा रहा हूं। सांसद मनीष जायसवाल के साथ उनके इलाज के दौरान उनके हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, पूर्व विधायक प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, पूर्व प्रमुख अशोक यादव सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

संत कोलम्बस मिशन अस्पताल में आज 133वीं वर्षगांठ पर नि:शुल्क डॉक्टर परामर्श का होगा आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। संत कोलम्बस मिशन अस्पताल ने समर्पित स्वास्थ्य सेवा के 133 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस यादगार पल को ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से अस्पताल परिवार द्वारा आज जनता को निःशुल्क डॉक्टर परामर्श प्रदान किया जा कर रहा है, जिसमें सामान्य चिकित्सक और स्त्री रोग विशेषज्ञों की सेवाएँ शामिल हैं।
यह पहल सामुदायिक स्वास्थ्य के प्रति अस्पताल की निरंतर प्रतिबद्धता और दयालु चिकित्सा देखभाल की इसकी विरासत को दर्शाती है। निवासियों को बिना किसी शुल्क के विशेषज्ञ चिकित्सा सलाह के लिए इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

पुलिस ने दो युवकों को एक पिस्टल एवं दो जिंदा कारतूस के साथ किया गिरफ्तार, भेजा जेल

आदिवासी एक्सप्रेस
बड़कागांव। डाड़ीकला पुलिस ने एक पिस्टल एवं दो जिंदा कारतूस के के साथ दो युवक को घर दबोचा है। कार्रवाई के पश्चात दोनों को जेल भेज दिया गया है ।मामले को लेकर बड़कागांव अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पवन कुमार एंव थाना प्रभारी पिंटू कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पत्रकारों दी। प्रेस वार्ता में बताया गया कि दो युवक चेपाकला हुदवा रोड के सुनसान जंगल में हथियार के साथ आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा है।उसी के सत्यापन के लिए 8 जून को समय करीब 4ः00 रात्रि में हुदवा जंगल पुल के पास पहुंचकर पुलिस के द्वारा दो युवकों को धर दबोचा गया। पकड़े गए एक युवक मो. राजा उम्र 26 वर्ष ग्राम कनकी डाड़ी निवासी की तलाशी लेने पर इसके कमर से एक पिस्टल एवं पाकेट से नाईन एमएम का एक जिंदा कारतूस निकला।वहीं दूसरी युवक उम्र 30 वर्ष ग्राम डाड़ीकला निवासी के पास से भी एक नाईन एमएम का जिंदा कारतूस बरामद किया गया। उन्होंने आगे बताया कि साथ ही साथ एक होंडा शाइन मोटरसाइकिल भी जप्त किया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से एसडीपीओ पवन कुमार एवं डाड़ीकला थाना प्रभारी पिंटू कुमार शामिल थे।छापामारी दल में मुख्य रूप से स.अ.नी. नीतीश कुमार उरांव, हवलदार दुखन राम, एवं हवलदार जगदीश गोप सहित पुलिस सशस्त्र बल शामिल थे।

डाड़ीकला पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ युवक को पकड़ा भेजा जेल

आदिवासी एक्सप्रेस
बड़कागांव। डाड़ीकला थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस द्वारा ब्राउन शुगर को लेकर सघन छापामारी की गई जिसमें आराहारा गांव निवासी 25 वर्षीय विक्रम कुमार पिता महेश राणा को दो पुड़िए में 15.2 ब्राउन शुगर के साथ धर दबोचा गया। यह घटना शनिवार की है। कार्रवाई के पश्चात विक्रम को जेल भेज दिया गया। पुलिस ने विक्रम को आराहारा गांव के पश्चिम में एनटीपीसी की केनवेयर बेल्ट के सामने सीट से बना मकान से पकड़ा। उक्त आशय की जानकारी बड़कागांव पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी पवन कुमार, थाना प्रभारी पिंटू कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पत्रकारों को दी। डाड़ीकला पुलिस के लिए यह बहुत बड़ी सफलता मानी जा रही है। पिछले कई महीनो से पुलिस विक्रम की तलाश कर रही थी। कुछ जानकार के अनुसार बताया जाता है कि विक्रम डाड़ी कला थाना क्षेत्र एवं अन्य क्षेत्र के गांव में ब्राउन शुगर बेचने का काम कर रहा था। जिसके कारण कई नवयुवको ब्राउन शुगर के लत लग जाने के कारण मां-बाप परिवार वाले काफी परेशान थे। एक गुप्त जानकारी में बताया जाता है की आरोपी विक्रम कुमार ब्राउन शुगर में लाखों रुपए इन्वेस्ट कर रखा था। जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने मौखिक रूप से डाड़ी कला थाना प्रभारी पिंटू कुमार से शिकायत की थी। संज्ञान में लेते हुए थाना प्रभारी ने टीम बनाकर एक बड़ी सफलता हासिल की।

त्याग, बलिदान और भाईचारे का प्रतीक ईद-उल-अजहा का त्यौहार हर्षोल्लास मनाया गया

- कुर्बानी अल्लाह के नजदीक सबसे पसंदीदा और महबूब अमल है: मुफ्ती अब्दुल जलील
- ईद उल अजहा हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की अजीम यादगार है: मुफ्ती अब्दुल जलील

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। त्याग बलिदान और भाईचारे का प्रतीक ईद -उल- अजहा (बकरीद) का त्योहार पूरे देश भर में शनिवार को हर्षोल्लास मनाया गया। हजारीबाग में भी ईद उल अजहा का त्यौहार हर्षोल्लास और भाईचारे के संदेश के साथ मनाया गया। सभी मस्जिदों में ईद -उल- अजहा की नमाज जमात के साथ अदा की गई और लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद मुबारक कहा।
हजारीबाग शहर के जामा मस्जिद के खतीब व इमाम सह शहर काजी मुफ्ती अब्दुल जलील सादी ने जामा मस्जिद में ईद -उल- अजहा की नमाज पढ़ाई। इस अवसर पर उन्होंने सभी को ईद उल अजहा की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कुर्बानी अल्लाह के नजदीक सबसे पसंदीदा और महबूब अमल है। कहा कि ईद -उल- अजहा हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की अजीम यादगार है। हजारों वर्ष पूर्व अल्लाह के हुकुम से हजरत इब्राहिम ने अपने बेटे हजरत इस्माइल के गले पर छुरी चलाई थी, दरअसल अल्लाह ने इब्राहिम का इम्तिहान लिया था रब की जानिब से यह एक आजमाइश थी। हजरत इस्माइल की जगह एक दुंबा जबह हो गया। अल्लाह को इब्राहिम अलैहिस्सलाम की यह अदा इस कदर पसंद आई कि अल्लाह ने कयामत तक के लिए मुसलमानों को कुर्बानी का हुक्म दे दिया। बताया की इस्लामी कैलेंडर के आखिरी महिने जिल हिज्जा में 10वीं, 11वीं और 12वीं जिल हिज्जा तीन दिन कुर्बानी दी जाती है। कुर्बानी हजरत इब्राहिम की सुन्नत है। जो मुसलमान मालदार है उनके ऊपर कुर्बानी करना जरूरी करार दिया गया है। 10वीं जिल हिज्जा को ईद उल अजहा की नमाज अदा की जाती है और उसके बाद कुर्बानी का एहतमाम किया जाता है। इस अवसर पर भेड़, बकरा और दुंबा की कुर्बानी दी जाती है। यह अल्लाह के नजदीक पसंदीदा और महबूब अमल है। कुर्बानी के जरिए यह संदेश दिया जाता है कि अल्लाह की राह में सब कुछ कुर्बान करने का जज्बा रखना चाहिए।

मस्जिदों में अदा की गई ईद उल अजहा की नमाज

ईद उल अजहा के मुबारक मौके पर हजारीबाग शहर की जामा मस्जिद, औलिया मस्जिद नवाबगंज, छोटी मस्जिद मंडई कलां, बड़ी मस्जिद मंडई कलां ,मस्जिद ए गौसिया गुलशन बगदाद मंडई कलां, कोलघट्टी मस्जिद, नूरा मस्जिद, इंद्रपुरी मस्जिद, मटवारी मस्जिद, लाखे मस्जिद, खिरगांव मस्जिद अंसारी रोड, खानकाह मस्जिद खिरगांव, मदीना मस्जिद ग्वालटोली चौक, अजमेरी मस्जिद चिश्तिया मोहल्ला, सरदार मस्जिद सरदार चौक, ईदगाह मस्जिद बड़ा बाजार चौक, कानी बाजार मस्जिद, नूरी मस्जिद लोहसिंघना, मस्जिद ए आयशा नसीम कॉलोनी, सुल्तान उल हिंद मस्जिद पगमिल, आला हजरत मस्जिद हाशमी कॉलोनी पगमिल, मस्जिद ए हाशमी हाशमी कॉलोनी पगमिल, गोसिया मस्जिद मिल्लत कॉलोनी, मदनी मस्जिद पेलावल, इमाम उल अंबिया मस्जिद गदोखर रोड पेलावल, इब्राहिमी मस्जिद पेलावल, जामा मस्जिद पेलावल, आशिक ए हुसैन मस्जिद रहमत नगर पेलावल की मस्जिदों में ईद -उल- अजहा की नमाज अदा की गई। नमाज अदा करने के बाद सभी ने सामूहिक रूप से अपने गुनाहों से मगफिरत की अल्लाह से दुआएं मांगी साथ ही मुल्क में अमन, चैन और भाईचारगी कायम रहे इसको लेकर विशेष रूप से दुआ मांगी गई। ईद उल अजहा की नमाज अदा करने वाले नमाजियों से सभी मस्जिदें गुलजार रही।
ईद उल अजहा को शांति सौहार्द और भाईचारे के साथ संपन्न कराने को लेकर प्रशासनिक महकमा पूरी तरह मुस्तैद नजर आया है। मस्जिदों और चौक चौराहों पर पुलिस बल के जवानों और दंडाधिकारियों की प्रति नियुक्ति की गई थी। साथ ही पुलिस का गश्ती दल और प्रशासनिक महकमा पैनी नजर बनाए हुए था। शांति सौहार्द के माहौल में ईद -उल- अजहा का त्यौहार संपन्न हुआ।

घाघरा फॉल के मृतक के आवास पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल, जताया गहरा दु:ख

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। बीते दिनों केरेडारी क्षेत्र के घाघरा डैम जलप्रपात में एक अत्यंत ही दुखद घटना घटी जिसमें यहां नहा रहे हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के युवाओं का आकस्मिक निधन हो गया। जिसमें एक युवक कटकमदाग प्रखंड के कटकमदाग हरि नगर निवासी आशीष कुमार शामिल हैं जो महज 22 साल के थे और उनका शादी महज आठ दिन पूर्व ही उन्हीं के गांव की लड़की से प्रेम विवाह के तहत हुआ था। मृतक आशीष कुमार झारखंड सरकार के प्रचार गाड़ी में एक एजेंसी के लिए ड्राइवर का काम करते थे। उनके निधन से दो परिवार के साथ पूरे इलाके में शोक का माहौल है।
रविवार को इनके शोकाकुल परिवार में पहुंचकर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने मृतक के दादा जगदीश राम, मृतक के पिता देबू राम और मृतक की पत्नी के पिता जोधन राम सहित उनके पूरे परिवारजनों से मिलकर गहरा शोक संवेदना जताया और मृतक को आपदा प्रबंधन से मिलने वाले मुआवजा राशि दिलाने में हरसंभव मदद का भरोसा जताया। उन्होंने ईश्वर से मृतक के आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवारजनों को अदम्य सहनशक्ति प्रदान करने की कामना की।
मौके पर विशेषरूप से पूर्व विधायक प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष इन्द्रनारायण कुशवाहा, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि सुनील यादव, पूर्व प्रमुख अशोक यादव, कमल साव, बसंत यादव, सुरेंद्र गुप्ता, सुरेश राम, मनोज पासवान, गंगा राम, किशोरी पासवान, कृष्णा मेहता, काशी पासवान, सुखदेव पासवान, अविनाश पासवान, दीपक पासवान सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

चतरा जिला के किसी प्राध्यापक को चतरा सांसद के विभावि प्रतिनिधि नहीं बनाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। झारखंड मुक्ति मोर्चा के चंदन सिंह ने कहा है कि चतरा के सांसद ने एक ऐसे व्यक्ति को विनोबा भावे विश्वविद्यालय मे अपना सांसद प्रतिनिधि बनाया है जिनका चतरा से कोई वास्ता नहीं है। उन्होंने इसको दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।मामले में चंदन सिंह ने कहा है कि उनके पत्र के आलोक में उच्च शिक्षा विभाग ने विभिन्न मामलों में चंद्रशेखर सिंह और प्रॉक्टर मिथलेश सिंह पर जाँच के आदेश दिए हैं। वहीं विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने मामले पर संज्ञान लेते हुए तीन सदस्यीय जांच कमिटी का गठन कर मामले के जांच के आदेश भी दे दिए हैं।
ऐसी परिस्थिति में जहां पूर्व में डॉ.चंद्रशेखर सिंह मार्खम महाविद्यालय के शिक्षक रहे, उनका कार्यकाल काफ़ी विवादित रहा।जहाँ उनके डिग्री और नियुक्ति पर आरोप लगते रहे वहीं रूसा की राशि का दुरुपयोग, गेस्ट हाउस में चोरी और डिजिटल बोर्ड घोटाले में भी इनका नाम आता रहा। यही कारण है कि इनको कभी पदोन्नति नहीं मिली, कभी विभागाध्यक्ष नहीं बन पाए और यह सहायक प्राध्यापक के पद पर ही सेवानिवृत हो गए। राज्य सरकार और विश्वविद्यालय के जांच कमिटी बनाए जाने के बाद चतरा के सांसद के द्वारा चंद्रशेखर सिंह को विनोबा भावे विश्वविद्यालय का प्रतिनिधि बनाना भ्रष्टाचारी को रक्षा कवच उपलब्ध कराने जैसा है। संभव है कि चंद्रशेखर सिंह अपने विरुद्ध हो रहे जांच और कार्रवाई को प्रभावित करने में इसका प्रयोग करेंगे। चंदन सिंह ने अखबार के माध्यम से सांसद काली चरण सिंह का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा है कि चतरा भी शिक्षित और ज्ञानियों से भरा पड़ा जिला है। चतरा के रहने वाले बहुत से लोग विश्वविद्यालय में सम्मानित शिक्षक के रूप में कार्यरत है। ऐसे में चतरा के किसी प्राध्यापक को प्रतिनिधि नहीं बनाकर हजारीबाग के रहने वाले व्यक्ति को चतरा के सांसद के प्रतिनिधि बनाए जाना सीधे तौर पर चतरा के लोगों को अपमानित करना है। वह भी विनोबा भावे विश्वविद्यालय के सर्वाधिक विवादित शिक्षक को इतना महत्वपूर्ण दायित्व देना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। आशा है माननीय सांसद महोदय शीघ्र ही चतरा मूल के किसी सम्मानित शिक्षक को अपना प्रतिनिधि नियुक्त करेंगे।

एचजेडबी आरोग्यम कुणाल हॉस्पिटल में प्रारंभ हुआ ओपीडी सेवा, पहले ही दिन 30 महिला मरीजों ने लिया लाभ

- हमारा लक्ष्य है महिलाओं और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना, जल्द ही विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा: हर्ष अजमेरा

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। शहर के लिटिल एंजल्स स्कूल के समीप स्थित एचजेडबी आरोग्यम कुणाल हॉस्पिटल में शनिवार से महिला स्वास्थ्य सेवा हेतु विशेष ओपीडी सेवा की शुरुआत की गई। इस ओपीडी में शहर की सुप्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रंजना शरण द्वारा मरीजों को परामर्श दिया जा रहा है। ओपीडी के पहले ही दिन 30 से अधिक महिलाओं ने स्वास्थ्य जांच और परामर्श के लिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर डॉ. रंजना शरण ने कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य समाज की रीढ़ है, और समय पर जांच एवं उपचार से कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि अब हर शनिवार को वे नियमित रूप से हॉस्पिटल में उपस्थित रहेंगी और महिलाओं को समर्पित चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेंगी। उल्लेखनीय है कि एचजेडबी आरोग्यम कुणाल हॉस्पिटल का भव्य उद्घाटन 30 मई को हुआ था, जिसमें क्षेत्र के सांसद, विधायक कई प्रमुख चिकित्सकों, समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही थी। अस्पताल में स्त्री रोग, प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात देखभाल, बच्चों के नियमित टीकाकरण, पोषण जांच, और अन्य विशेष रोगों की जाँच के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण लगाए गए हैं। अस्पताल के निदेशक हर्ष अजमेरा ने जानकारी दी कि महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर एक विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन शीघ्र किया जाएगा, जिसमें निःशुल्क जांच एवं परामर्श की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने बताया की उनका उद्देश्य हजारीबाग और इसके आसपास के क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि अस्पताल की ओपीडी सुविधा प्रतिदिन चालू रहेगी, जबकि महिलाओं के लिए विशेष ओपीडी सेवा प्रत्येक शनिवार को आयोजित की जाएगी, जिसमें डॉ. रंजना शरण अपनी सेवाएं देंगी। इस अवसर पर अस्पताल स्टाफ, स्थानीय नागरिक एवं कई महिला मरीजों ने हॉस्पिटल की इस पहल की सराहना की और इसे महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

शहीद स्मारक पर जय हिन्द सैनिक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

मुन्ना सिंह ने वीर सैनिकों को किया सम्मानित, कहा आपका समर्पण राष्ट्र की अमूल्य पूंजी है

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग के ऐतिहासिक शहीद स्मारक परिसर में रविवार को एक अत्यंत गरिमामयी और भावनात्मक आयोजन के अंतर्गत जय हिन्द सैनिक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय सेना के सेवानिवृत्त वीर सैनिकों, सूबेदारों और हवलदारों को उनके साहस, कर्तव्यपरायणता और राष्ट्रसेवा के लिए सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी एवं नगर निगम पर्यवेक्षक मुन्ना सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने सैनिकों को पुष्पगुच्छ, प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि इन वीरों की वर्दी भले आज उनके शरीर से अलग हो चुकी हो, परंतु उनके हृदय में भारत माता के प्रति वही ज्वलंत समर्पण आज भी जीवंत है। देश की सीमाओं पर बिताया गया उनका हर क्षण हम सबके लिए प्रेरणा है। वहीं सम्मान प्राप्त करने वाले वीरों में कप्तान डी.डी. सिंह (अध्यक्ष), एच.एफ.ओ. एस.पी. सिंह, कप्तान पी.के. पांडेय, एस.एम. ए.के. राणा, एस.एम. एच.एच. प्रसाद, एस.एम. ए.के. पांडेय, सूबेदार जी.के. सिंह (उपाध्यक्ष), सूबेदार जोसेफ बस्ता, सूबेदार फादर मिंटो, सूबेदार मुरारी प्रसाद, सूबेदार केशव प्रसाद मेहता, सूबेदार डी.डी. मिश्रा, एचएनबी अनील सिंह, हवलदार बी.पी. मेहता, हवलदार सोनजय सिंह, हवलदार मुरारी जी, हवलदार बिंदेश्वरी सिंह, हवलदार विष्णुदेव राणा, सार्जेंट आर.पी. सिंह, सार्जेंट यशेश कुमार, एन.के. प्रमोद साहू, एन.के. विवेक कुमार सिंह, एन.के. राजीव सिंह, एन.के. प्रदीप कुमार साव, एन.के. रामलखन सिंह, रितेश सिंह, हवलदार श्याम सुंदर सिंह, हवलदार सिद्धनाथ तिवारी, हवलदार सुरेंद्र उरांव, हवलदार उपेंद्र सिंह, हवलदार चक्रधारी प्रसाद, हवलदार शकील राय, हवलदार सुमित उरांव,केंद्रीय अध्यक्ष अरविंद ओझा, अवध कुमार भारती, रामानंद मिश्रा , अजय प्रसाद, भोलनाथ प्रसाद, वीरेंद्र सिंह, मधुसूदन प्रसाद, वीरेंद्र सिंह, दिलीप सिंह, महेंद्र गोप, नीरज ओझा, पुर्व उप सचिव सुरेश दांगी, वरिष्ठ सलाहकार राजदेव प्रसाद, निरंजन सिंह, अरुण कुमार ओराव, शिव शंकर कुमार, अशोक राणा, सुरेश दांगी, रविन्द्र प्रसाद सिंह, मनोज गोप, नीरज कुमार, किशोर यादव, विवेक तिवारी, मालेश्वर पाण्डेय, वीरेंद्र सिंह, महेंद्र मेहता, शत्रुघ्न यादव, राजेंद्र प्रसाद, मनोज भारती, लालमन राणा, सुनिल कुमार, अशोक दांगी, सहजाद आलम व मालेश्वर पांडे शामिल हैं जबकि मीडिया से बातचीत के दौरान मुन्ना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रारंभ से ही राष्ट्र की सुरक्षा, सैनिकों की गरिमा और उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने यह आश्वासन दिया कि ऐसे वीरों के अनुभवों, योगदान और सामाजिक पुनर्वास को सदैव प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से आह्वान किया कि सेना की सेवा से निवृत्त हो चुके वीरों के अनुभवों को समाज और राष्ट्र निर्माण में उपयोग करना हमारी अगली जिम्मेदारी है। आज के युवा इनसे सीखें, प्रेरणा लें और देश की सेवा के लिए संकल्पित हों। कार्यक्रम का समापन शहीदों को मौन श्रद्धांजलि, राष्ट्रगान एवं देशभक्ति गीतों के साथ किया गया। पूरे आयोजन के दौरान शहीद स्मारक परिसर देशभक्ति के उल्लास, सम्मान और भावनात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा। इस दौरान मौके पर मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार यादव, अवधेश कुमार सिंह, विरेन्द्र कुमार सिंह, शशि मोहन सिंह, मनोज नरायण भगत, निसार खान, सुरजीत नागवाला, गोविंद राम, अजीम खान, ओमप्रकाश झा, जावेद इकबाल, अजय सिंह, धीरेन्द्र कुमार दुबे, कजरू साव, मो. वारिस, कौशल कुमार सिंह, मुगेश्वर प्रसाद चौधरी, देव चौहान, पप्पू यादव, पवन यादव, बबलू सिंह, विक्की कुमार धान के अतिरिक्त कई कांग्रेसी उपस्थित थे।

रजरप्पा पहुंचकर विधायक तिवारी महतो के पूजन एवं प्रसाद भोज कार्यक्रम में शामिल हुए, सिविल कोर्ट और कोठार के समीप में हुआ भव्य स्वागत

आदिवासी एक्सप्रेस
रामगढ़/हजारीबाग। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के चितरपुर प्रखंड स्थित माँ छिन्नमस्तिका की पावन धरती रजरप्पा स्थित केशरी कुंज परिसर में मांडू विधानसभा क्षेत्र के विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो के आमंत्रण पर सामूहिक पूजन एवं प्रसाद ग्रहण कार्यक्रम में हजारीबाग के सांसद शमनीष जायसवाल शामिल हुए और माता रानी का पवित्र प्रसाद ग्रहण किया। इस पावन अवसर पर झारखंड की राजनीति के कई प्रतिष्ठित चेहरों से सांसद मनीष जायसवाल ने आत्मीय मुलाकात की। जिनमें आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, गिरिडीह लोकसभा के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, गोमिया के पूर्व विधायक लंबोदर महतो, तथा रामगढ़ आजसू जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी प्रमुख रूप से शामिल हैं।
रजरप्पा से हजारीबाग लौटने के क्रम में रामगढ़ कोर्ट के समीप स्थित होटल टी एंड ट्रीट परिसर में जिला सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल के नेतृत्व में भी स्थानीय युवाओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया और कोठार पुल के समीप रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता एवं सांसद मीडिया प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस के नेतृत्व में स्थानीय युवाओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया और उनका कुशलक्षेम जाना।

संक्षिप्त समाचार

तोपचांची में चोरों ने पांच घरों का ताला तोड़ा, दो घर से ले भागे नगदी समेत ढाई लाख की संपत्ति

धनबाद। तोपचांची थाना क्षेत्र के खेसमी गांव में शुक्रवार की रात चोरों ने दो घरों से नगदी तथा जेवरात समेत करीब ढाई लाख रुपये की संपत्ति चुरा ली. भुक्तभोगी अमरनाथ मंडल ने थाना में शिकायत की है, जबकि सुमन मंडल ने अब तक शिकायत नहीं की है. सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुंची. अमरनाथ मंडल ने बताया कि पड़ोसी मंटू मंडल रात पौने दो बजे शौच जाने के लिए अपना घर का दरवाजा खोलने गया, तो उसे पता चला कि मेरे घर का दरवाजा बाहर से बंद है. उसके पिता आनंद मंडल अपने दूसरे मकान में सो रहे थे. मंटू ने बाहर से दरवाजा खोलने के लिए अपने पिता को कॉल कर बुलाया. उसके बाद अमरनाथ मंडल के घर में चोरी होने का खुलासा हुआ. दरवाजा का एक पल्ला क्षतिग्रस्त कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया. चोर अमरनाथ के घर से एक बक्सा लेकर गये थे, जो सुबह तालाब के पास फेंका हुआ मिला.

इटखोरी पुलिस ने दो अलग अलग मामला में अभियुक्तों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी पुलिस ने सघन छापामारी अभियान चलाकर विभिन्न मामलों के नामजद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चतरा जेल भेज दिया गया। इनमें इटखोरी थाना कांड संख्या 76/25 के प्राथमिकी अभियुक्त ग्रीस सोनी पिता स्वर्गीय बेनी साव ग्राम इटखोरी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया है। इसके विरुद्ध इटखोरी थाने में मारपीट करने संबंधित मामला दर्ज था। इधर इटखोरी थाना कांड संख्या 81/25 के प्राथमिकी अभियुक्त सोनू कुमार यादव हूरनाली गांव को पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय उपस्थापन हेतु भेजा गया है। थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह बताया कि सोनू कुमार यादव पर एक नाबालिग लड़की को बहला फुसला कर यौन शोषण करने का और शादी से मुकर जाने का आरोप है।

मयूरहंड में धूम धाम से बकरीद मनाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

मयूरहंड (चतरा)। बकरीद पर्व मयूरहंड में बड़े ही धूम धाम से मनाया गया। सुबह से ही मस्जिदों में नमाज पढ़ा गया। नमाज़ की एकता और प्यार की भावना को बढ़ावा दिया गया। अपने समुदाय में एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा दिया गया। गरीबों और जरूरतमंदों के मदद करने पर बल दिया गया। पुलिस प्रशासन के मौजूदगी में त्यौहार मनाया गया। जगह जगह मजिस्ट्रेट तैनात किए गए थे। थाना प्रभारी आशीष प्रसाद ने अपने टीम के साथ संवेदनशील स्थानों पर निगरानी करते रहे। सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया गया था।

58 बच्चों ने ग्रहण किया पहला परम प्रसाद

संवाददाता-अंगद कुमार सिंह

चान्हो। संत जॉन मेरी बियानी चर्च चान्हो में रविवार को पहला परम प्रसाद ग्रहण करने वाले बच्चों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 58 बच्चों (24 लड़के और 34 लड़कियों) ने अपना पहला परम प्रसाद ग्रहण किया। चान्हो पल्ली के पल्ली पुरोहित फादर अल्बर्ट लकड़ा ने धार्मिक अनुष्ठान के बाद बच्चों को पहला परम प्रसाद ग्रहण कराया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज माता कलीसिया का जन्म दिन है। पवित्र यूखारिस्त हम विश्वासियों का केन्द्र बिंदु है।प्रथम परम प्रसाद लेने वाले बच्चों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 58 बच्चों ने येसु ख्रीस्त को अपने जीवन में पहली बार ग्रहण किया हैं, प्रभु हमेशा इन बच्चों को आशीष प्रदान करते रहे और इन्हें जीवन मे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहे। मौके पर फादर अल्बर्ट, फादर अनुज, संत जॉन मेरी बियानी पल्ली के सहायक पल्ली पुरोहित ब्रदर समीर, धर्म बहनें सहित बड़ी संख्या में मसीही विश्वासी मौजूद थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरणविद ने वन वृक्षों पर राखियां बांधते हुए कहा कि

बढ़ते प्रदूषण, भीषण गर्मी, जल संकट व जलवायु परिवर्तन को रोकने की दवा है पर्यावरण धर्मः डॉ कौशल

- पर्यावरणविद ने विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला के लाइब्रेरी, सिक्का, डाली व केरकी गांव में लगाए 500 पौधे
- जिंदा रहने के लिए पौधा लगाना , वनों को बचाना व पर्यावरण धर्म को होगा अपनानाः पर्यावरण धर्मगुरु
- वृक्ष खेती को आकाल सुखाड़ का भय नहीं होता वह किसानों को फिक्स्ड डिपॉजिट के समान होता हैः डॉ कौशल

छतरपुर पलामू झारखंड

छतरपुर अनुमंडल के केरकी कला के वनों में विश्व पर्यावरण दिवस के 53 वां और विश्व पर्यावरण धर्म व वन राखी मूवमेंट के 49 वां स्थापना दिवस पर प्रकृति, पर्यावरण और प्राण बचाने के लिए वनों में प्रभात फेरी निकाला गया। जिसमें आसपास के करीब 20 गांव के सैकड़ो पर्यावरण प्रेमी शामिल थे। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने बतौर मुख्यातिथि कन्या पूजन और पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ पक्षियों के भोजन के लिए बरगद का पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और समापन वृक्षों पर रक्षाबंधन कर किया

वनों पर राखी बांधते वन राखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल व पर्यावरण प्रेमी

पर्यावरणविद डॉ कौशल ने कार्यक्रम में शामिल लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाते हुए कहा कि बेकाबू गर्मी और जल संकट से निजात पाने के लिए किसानों को वृक्ष खेती करने की जरूरत है । क्योंकि वृक्ष खेती को आकाल सुखाड़ का भय नहीं है। वृक्ष की खेती किसानों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट की तरह काम आता है। इतना ही नहीं इससे जल संकट और ऑक्सीजन संकट भी उतपन्न नहीं होगी। उन्होंने जिला के लाइब्रेरी, सिक्का, डाली और केरकी कला गांव के लोगों के बीच 500 पौधा वितरण व रोपण करते हुए कहा कि जहां भी वनों की कटाई होती है वहां विनाश होता है। कोरोना काल इसका गवाह है। दिल्ली और महाराष्ट्र और उत्तराखंड के त्रासदी में अर्थ के लिए हो रहे अनर्थ का ही परिणाम है कि वहां बेकाबू गर्मी, जल संकट और प्रदूषण बेतहासा बढ़ा है। जिसका खामियाजा लोग भुगत रहे हैं।

वन राखी मूवमेंट के अगुआ डॉ कौशल किशोर ने वन बचाने वाले सभी 500 पर्यावरण प्रेमी महिलाओं को साड़ी एवं पुरुष को शॉल ओढ़ा कर उन्हें फलदार पौधा व मिठाईयां देकर सम्मानित किया । कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में संचालन कर रहे सिंगर शिवनाथ सुरीला अध्यक्ष कपिल देव सिंह,चराई मुखिया रविंद्र राम, मुरुम दाग उप मुखिया डोमन यादव,डाली के उप मुखिया अफजाल अंसारी, छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल के प्रतिनिधि, सुचित कुमार,डाली पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल के प्रतिनिधि, जुबेर अंसारी, पर्यावरणविद के प्रतिनिधि डाली के संतोष जायसवाल, हरिराम, रामजी सिंह, नागेश्वर सिंह, श्याम बिहारी सिंह, कृष्ण प्रसाद, सत्येंद्र सिंह, बनारसी देवी , पनपत्ति देवी, मुनिया देवी, गीता देवी, ने वन राखी मूवमेंट से होने वाले वनों की सुरक्षा और पर्यावरण की सुरक्षा पर अपना विचार व्यक्त किया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि आज 45 वर्षों से केरकी कला में पर्यावरण विद डॉ कौशल के द्वारा चलाया गया वनरखी मूवमेंट के कारण क्षेत्र में पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता आयी है यही कारण है कि इस क्षेत्र के हजारों एकड़ उजड़े वन आज सघन वन का रूप ले लिया है। मौके पर वन राखी मूवमेंट के सदस्यों में सोहर कुमार, चूल्हा सिंह, बिरजू सिंह, बृक्ष सिंह, कपिल देव यादव, मनोज गुप्ता, अर्जुन सिंह, सूरज नाथ सिंह, पुस्तकालय अध्यक्ष मनजीत कुमार सिन्हा, राजू सिंह, अरूप बनर्जी, शोभा रानी व अमरेंद्र सिंह, निशीकांत कुमार, आदि उपस्थित थी।

हंटरगंज थाना पुलिस के हाथ लगी बड़ी सफलता

- नकली शराब फैक्ट्री का पुलिस ने किया भंडाफोड़, एक गिरफ्तार
- भारी मात्रा में केमिकल व शराब बनाने का सामन बरामद
- शराब बनाने वाले तस्करों में मचा हड़कंप
- नकली शराब पीकर स्वास्थ्य व जीवन से न करें खिलवाड़ः स्वास्थ्य विशेषज्ञ

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। चतरा जिले के हंटरगंज थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के कन्दावार नदी के किनारे नकली शराब बनाने का भंडाफोड़ किया है।वही इस दौरान मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है।मौके पर से अवैध नकली विदेशी शराब, स्पिरिट, भारी मात्रा में बरामद की गई है। उक्त जानकारी हंटरगंज पुलिस इंस्पेक्टर पप्पू कुमार शर्मा ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुमीत अग्रवाल को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के रामबालक साव के पुत्र कन्दावार निवासी मंटू कुमार गांव के नदी किनारे ईट भट्ठा के पास नकली शराब तैयार किया जा रहा है। सूचना के आधार पर हंटरगंज थाना पुलिस

टीम ने मौके पर दबिश देकर वहां मौजूद एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने छापेमारी के दौरान तैयार नकली रॉयल स्टैग कंपनी के शराब की 23 कार्टून 460 बोतल, आइकॉनिक वाइट कंपनी के 19 कार्टून 380 बोतल एस आर बी7 3 कार्टून 60 बोतल कुल 940 बोतल साथ ही 14 प्लास्टिक बोरा 12 कार्टून खाली बोतल,6 प्लास्टिक का खाली ड्राम खाली प्लास्टिक का जार ब्लू रंग, खाली प्लास्टिक डब्बा तीन पिस,9 काला रंग का तीन बोतल ढक्कन 29 पीस , प्रीमियम ब्लैक और आइकॉनिक वाइट कंपनी का स्टीकर 21 पीस , सहित 35 लीटर का प्लास्टिक डब्बा में 10 लीटर स्प्रिट जैसा तरल पदार्थ बरामद हुए। इधर हंटरगंज थाना क्षेत्र में यह करवाई से नकली शराब बनाने वाले तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है।

छापेमारी दल में ये पुलिस पदाधिकारी व कर्मी थे शामिल

थाना प्रभारी प्रभात कुमार, एसआई कृष्णा कुजूर, आरक्षी चरकू यादव, दिलीप कुमार सिंह, अशोक कुमार, सहायक पुलिस सुरेन्द्र भुईयां, चौकीदार श्रवण पासवान शामिल थे।

नकली शराब पीकर स्वास्थ्य व जीवन से न करें खिलवाड़ः स्वास्थ्य विशेषज्ञ

विशेषज्ञों के अनुसार शराब स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक होता है। जनता सस्ती व मिलावटी शराब पीने से हरसंभव परहेज करें। इच्छुक व्यक्ति केवल सरकारी दुकान से ही शराब खरीदें। सस्ती शराब के चक्कर में उपभोक्ता को नुकसान उठाना पड़ सकता है। त्योहार आदि पर मिलावटखोरों द्वारा मिलावटी शराब की बिक्री की जाती है। मिलावटी शराब पीकर खुद के स्वास्थ्य व जीवन के साथ खिलवाड़ न करें। सरकारी दुकान पर शराब लेते समय सील बंद, क्यू आर कोड देखकर ही शराब खरीदें।

आर्मी से ट्रेनिंग लेकर अपने गांव लौटे फौजी का फूल माला से स्वागत किया ग्रामीणों ने

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। प्रखंड के परसौनी पंचायत के परसौनी गांव निवासी अभिषेक कुमार पिता गोवर्धन साव का चयन अग्निवीर के तहत आर्मी में हुआ और आज रविवार को वह ट्रेनिंग पूरा कर अपने गांव लौटा जंहा पुरे ग्रामवासियों ने गर्मजोशी से अग्नि वीर का स्वागत किया। जैसे ही अग्नि वीर बस से अपने गांव में उतर गांव वालों की भीड़ अग्नि वीर के स्वागत के लिए उमड़ पड़ी। गांव वालों के इस स्वागत को देखकर अग्निवीर का मन भी भावुक हो उठा। परसौनी गांव के ही रामप्रकाश गुप्ता ने बताया कि यह पुरे गांव के लिए फख्र की बात है कि मेरे गांव से पहला युवक है जिसे देश की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस लिए आज पूरा गांव यह महसूस कर रहा है कि देश सेवा हेतु हमारा गांव भी देश के बॉर्डर पर तैनात है। यह एहसास ही हमसभी के लिए गौरन्वित करने जैसा है। गांव के पहले अग्नि वीर अभिषेक

कुमार ने कहा कि गांव के इस स्वागत से मैं अभिभूत हो उठा हूं मैंने सोचा भी नहीं था कि गांव पहुंचने पर गांव के लोग इस प्रकार से मेरा स्वागत करेंगे। गांव के लोगों ने कहा कि अभिषेक कुमार की इस उपलब्धि से हमारे ग्रामीण युवा प्रेरित होंगें। मौके पर अग्नि वीर अभिषेक कुमार ने सभी ग्रामीणों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि मैं अपनी इस सफलता का सारा श्रेय अपने ग्रामवासी सहित माता पिता एवं गुरुजनों को देता हूं कि उन्होंने मेरी परवरिश ऐसे माहौल में किया कि मुझे फौजी बनने की प्रेरणा मिलती रही ताकी मै देश सेवा करते हुए अपने परिवार की सेवा भी कर सकूं। मैं अपने गांव वालों से जितना अभी भूत हूं उतना ही मैं उनका कृतज्ञ भी हूं। अपनी भारत माता के प्रति मैं समर्पित भाव से एक सैनिक होने के नाते अपने सारे दायित्वों का गर्व के साथ वहन करूंगा।

कौलेश्वरी मंदिर में मुंडन संस्कार को लेकर उमड़ी श्रद्धालु की भीड़

- एसडीओ के निर्देश पर तालाब की सफाई जोरों पर
- कौलेश्वरी विकास प्रबंधन समिति अलर्ट, श्रद्धालुओ की मूलभूत सुविधाएं को लेकर तत्पर

आदिवासी एक्सप्रेस/ संतोष कुमार दास

चतरा। जिले के हंटरगंज प्रखंड स्थित सुप्रसिद्ध कौलेश्वरी पर्वत पर मां कौलेश्वरी मंदिर व तीन धर्मो का संगम स्थल में भारत के विभिन्न राज्यों सहित विदेशों तक प्रसिद्ध है। सप्ताह में सातो दिन मां की पूजा-अर्चना की जाती है। रविवार को कौलेश्वरी पहाड़ पर मुंडन संस्कार को लेकरभारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। कौलेश्वरी की तलहटी हटवारिया में सैकड़ों की संख्या में बड़ी एवं छोटी गाड़ियों का काफिला दिखा। श्रद्धालुओ में झारखंड व बिहार के अलावा कुछ दूसरे प्रदेशों के भी थे। पूजा अर्चना के लिए मंदिर में लंबी कतार लगा रही। पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालु वहां से रवाना हुए। पूरे दिन माता कौलेश्वरी के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। ग्रीष्म मौसम का परवाह किए हजारों श्रद्धालु माता रानी के दरबार में मुंडन संस्कार व दर्शन के लिए पहुंचे थे। इस दौरान कौलेश्वरी पर्वत पर स्थित तालाब में स्नान ध्यान के बाद मां कौलेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना किया और अपने परिवार के सुख समृद्धि की कामना किया।कौलेश्वरी पर्वत पर आए श्रद्धालुओं को सुरक्षित पूजा अर्चना कराने को लेकर कौलेश्वरी प्रबंधन समिति के सदस्य तत्पर थे। एसडीओ के निर्देश पर मन्दिर के परिसर तथा तालाब में विशेष अभियान चलाकर सफाई कार्य जोरों पर है स्वयं एसडीओ जहूर आलम इसका निगरानी कर रहे हैं।प्रधान पुजारी मिथलेश मिश्रा ने बताया कि मंदिर में मजदूरों के द्वारा प्रत्येक दिन साफ- सफाई कार्य किया जा रहा है। साथ ही मंदिर प्रांगण की भी साफ-सफाई कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। उन्होंने बताया कि मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य अलर्ट है श्रद्धालुओ को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसको लेकर स्वयं एसडीओ और हंटरगंज सीओ निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे निर्देश दिए गए हैं कि कौलेश्वरी मंदिर परिसर के इर्द गिर्द में सहित तालाब की सफाई कराएं और नियमित चूने का

आम का फल बेचकर किसान हो रहे हैं मालोमाल, लगडा आम

- बंजर जमीन में आम बागवानी लगाकर कमा रहे हैं लाखों रुपए.. किसान

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

पलामू। जिले के छतरपुर प्रखंड क्षेत्र के हुटूकदाग पंचायत में, बटाने नदी के समीप ,बंजर जमीन में लगभग 4 एकड़ में आम बागवानी लगाकर किसान कमा रहे हैं आम बेचकर लाखों रुपए.. अपने बंजर जमीन में जदू सिंह ने परिवार के गुर्जर बसर के लिए प्रखंड के तहत आम बागवानी योजना कराई उसके बाद 6 साल खून पसीने एवं लगन के साथ आम के पेड़ को मेहनत किया और सातवा साल फल देना शुरू हो गया जदू सिंह ने बताया कि एक आम 250 ग्राम का यह आप लगड़ा है काफी संख्या में गांव के ग्रामीण आम लेने आते हैं खाने के लिए एवं अचार लगते हैं एवं अन्य कामों में प्रयोग करते हैं जदू सिंह के चार पुत्र हैं सभी व्यक्ति खेती किसानी करते हैं घर पर ही आम को पक्कार अपने से बेचते है और अच्छा दाम मिलता है और पूरा परिवार इसी से भरण पोषण कर लेते हैं हर साल मेहनत करते हैं और सीजन के समय आम अच्छा फल लगता है और उसे बेचकर परिवार के गुजर बसर करते हैं उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में काफी संख्या में नीलगाय के आतंक के वजह से देखभाल ज्यादा करना पड़ता है न तो सब आम खा जाती है नीलगाय।

खबर का असर, डीसी और पीएचडी विभाग ने लिया संज्ञान

- सरहचिया हरिजन टोला में ठीक हुआ जलमीनार लोगों में हर्ष
- लोगों ने डीसी और पीएचडी विभाग एसडीओ के प्रति जताया आभार

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज प्रखण्ड के डाहा पंचायत अन्तर्गत सरहचिया हरिजन टोला का जलमीनार को पीएचडी विभाग कर्मचारियों ने शुक्रवार को खराब जलमीनार मोटर बदलकर नया लगा दिया है जिससे लोगो में हर्ष है।बता दे की 2 दिन पहले मंगलवार को अख़बार में हरिजन टोला में 6 महीने से खराब पड़े जलमीनार से लोग 1 किलोमीटर दूर से पानी लाने को विवश थे।स्थानीय लोगों ने अख़बार संवाददाता को बताया था कि छः माह से जलमीनार खराब है जिसे ग्रामीणों ने विभाग से जल्द से जल्द जलमीनार को चालू करवाने की मांग कर रहे थे। तमाम बार पीएचडी विभाग के अफसरों और स्थानीय मुखिया से मौखिक शिकायत की गई थी लेकिन पिछले छः माह से यह जलमीनार खराब था जिससे लोगों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा था। लोगों को सभी से उम्मीदे टूट चूंकि थी। इसीलिए लोग 1 किलोमीटर दूर बिहिया गांव से पानी लाकर किसी तरह अपना प्यास बुझा रहे थे। अखबार में ख़बर छपने के बाद पीएचडी विभाग के अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को जलमीनार में नया मोटर बदला गया वही जलमीनार को शुरू करा दिया है। हरिजन टोला के लोगों का कहना है की अखबार की वजह से हमारी समस्या का समाधान होने जा हुआ है। इससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। लोगों ने इसके साथ चतरा डीसी कीर्तिश्री और पीएचडी विभाग एसडीओ फैसल अंसारी के प्रति आभार प्रकट किया है।

संक्षिप्त समाचार

जिला प्रशासन व स्वनिति इनिशिएटीव के बीच डीएमएफटी के पीएमयू गठन करने हेतु हुआ एमओयू

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
जिला प्रशासन पाकुड़ एवं परामर्श एजेंसी स्वनिति इनिशिएटीव के बीच एमओयू हुआ। इस एमओयू के तहत एजेंसी डीएमएफटी के पीएमयू के सलाहकार के रूप में कार्य देखरेख करने होंगे जो सभी डीएमएफटी योजना की कार्यान्वयन और निगरानी का कार्य करेगी।

ग्रामीणों ने माइंस का क्या घेरा माइंस के कर्मचारियों के साथ हुई हाथापाई

अमडिहा पंचातय प्रखंड देवीपुर जिला देवघर
राजा कुमार का रिपोर्ट
ग्रामीणों ने माइंस का क्या घेरा माइंस के कर्मचारियों के साथ हुई हाथापाई। ग्रामीणों का आक्रोश इतना था कि माइंस का जो गेट है, तोड़कर के ग्रामीणों ने अंदर जाकर के पूरा हंगामा मचाया हंगामा में माइनस को बंद करवाया जितने भी माइंस में काम कर रहें थे सभी को ग्रामीणों ने बंद करवा, ग्रामीणों ने बताया कि खनन में जब भी ब्लास्ट किया जाता है वहा पे जीतना भी 500 मीटर में घर आता है वहा पर सब में दरार पर जाति है, साथ मे पानी भी वहा के गावो में खतम हो गया है, पानी का भी बहुत दिक्कत होता है ग्रामीणों का कहना है कि आवेद खनन को बंद करे ताकि हमलोग यहां पर आराम से रह सके, ये मामला 2018 से चलता आ रहा है, तब से अभि तक झारखंड सरकार को राजपाल को देवघर के सभी पदाधिकारी को हमलोग ने कितने आवेदन लिखे है मगर सरकार कुछ नही करती है, सब के सब कान में तेल डाल कर सो रहे है बीच में खनन कम्पनी को तीन साल बंद था, पर वो अब फिर से चालू हो गया है, जब भी ग्रामीण पुलिस प्रशासन को बोलती है, पर कोई नहीं आता है, अगर आते है तो पैसा खा कर चले जाते है, और कोई काम नहीं करते है, घुमा के हमलोग को धमका के चले जाते है,साथ में माइनस के लोग बोलते है हमलोग यहां मिनी पाकिस्तान बना देन गै देखते है क्या कर सकता है तुमलोग, आज जब ग्रामीणों ने खनन कम्पनी बंद कराने आए तो गेट बंद था जब ग्रामीणों ने गेट खोलने के लिए बोला तो अनलोगो ने नही खोला तो ग्रामीणों ने गुस्सा में आ कर गेट का ताला तोड़ के अन्दर परेश कर गए, वहा के जो कर्मचारी है उनके अलावा फैजल कंपनी का का ठेकेदार के साथ हाथा पाए किया गया जिनमे उनको हल्की चोट लगी हुई है, उनके बाद जब देवीपुर के जिला प्रशासन आते हैं और ग्रामीणों को समझ के वहां से जाम हटाया और आपस में बात करने के लिए कहा गया, तब जिला प्रशासन ने बोला कि दोनों का पक्ष रखा गया है, पर यह कोई सुनवाई नहीं हो रही है तब, वहा के ग्रामीणों ने बोला की कल डीसी सर के ऑफिस क्या घेरावो करेंगे जो भी करना होगा वो डीसी साहब करे गै और हम लोग उनके पक्ष में यह बात रखेंगे तक उनका निदान वही करे गै.

कुड़मी आदिम जनजातीय समाज के लोगों द्वारा किया गया एक विशाल आयोजन

● कुड़मालि भाखि चारि अखाड़ा के बैनर तले कुड़मी समाज का हुआ महाजुटान

देवघर से कृष्णा गोस्वामी की रिपोर्ट
देवघर जिले के पालोजोरी प्रखंड अंतर्गत हड़तोपा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की प्रांगण में शनिवार को कुड़मालि भाखि चारि अखाड़ा के बैनर तले कुड़मी समाज का महाजुटान देखने को मिला। जबकि कुड़माली समाज के लोगों ने अपनी भागीदारी दिखाते हुए देखे गए। वहीं इस मौके पर कुड़मी समाज के संथाल परगना प्रमंडल अध्यक्ष दीपक कुमार महतो ने कहा कि आज हमारे समाज केवल झारखंड में वोट देने के लिए है। जबकि हमारे समाज की आबादी सभी जाति वर्गों से अत्यधिक होने के बावजूद भी आज कुड़माली समाज के जाति बोली भाषा झारखंड से विलुप्त होने की कगार में है जिसको लेकर आज कुड़माली समाज के लोगों द्वारा जागरण मंच के माध्यम से अपना हक़ अधिकार को लेकर सरकार पर कई गंभीर सवाल खड़े किए। साथ ही उन्होंने कहा कि आज हमारे समाज के लोगों के साथ सरकार भेदभाव करते हुए आ रही है। जबकि ब्रिटिश सरकार ने जातिगत आधार पर जनगणना करवाई गई थी। उसी दस्तावेज में हमारी जाति से छेड़छाड़ करने की बात कही गई। जिससे आज भी उसका दंश समाज के लोगों को झेलना पड़ रहा है। कुड़मी समाज प्राकृतिक चिजों पर आस्था विश्वास रखते हैं साथ ही उनकी महत्वपूर्ण पर्वों में से हैं करमा,सोहराय, टुसू प्रकृति धर्म सरना को मानते आ रहें। वहीं इस जाति की विशेषता काफी प्राचीन काल से बताई जा रही है।
वहीं इसी कड़ी में झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए समाज के गणमान्य लोग उपस्थित हुवे और कुड़माली समाज के उत्थान के साथ साथ शीर्ष तक पहुंचाने की बात कही गई। साथ ही समाज को लेकर भिन्न भिन्न चर्चाएं की गई। वहीं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भूदेव महतो ने कहा की मेरे समाज ही मेरे लिए सर्वोपरि है, जिसको लेकर उन्होंने कहा की आज कुड़मी समाज को सरकार ठगने का काम कर रहे हैं। वहीं इस मौके हरिश महतो, अरूण महतो, मोहन विनय महतो सहित कई महिला पुरुष मौजूद रहे।

देश विदेश में समाजसेवा के लिए अलग -अलग सम्मानों से सम्मानित लुत्फ़ुल हक़ ने गरीबों के साथ मनाई बकरीद

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़- पिछले दो वर्षों से प्रतिदिन स्टेशन परिसर में दो सौ से ज्यादा लोगों को निशुल्क भोजन कराने वाले लुत्फ़ुल हक़ ने ईद की रात त्यौहार के अनुसार अलग तरह का भोजन स्वयं गरीबों की थाली में परोसा बल्कि उनके साथ स्वयं भी भोजन का लुत्फ उठाया।
ईद की खुशियों के बीच लुत्फुल हक ने गरीबों की थाली में मटन, मिठाई, खीर, शाकाहारियों के लिए मिक्स भेजटेबुल आदि रोज खाने की मेन्यू के साथ परोसा। हँलांकि हर दिन खाने की शुद्धता और अलग मेन्यू का खयाल रखा जाता है, लेकिन त्यौहार चाहे कोई भी हो उसके अनुसार भोजन की भिन्नता और खाश व्यंजनों का खयाल उनके जैसे व्यस्त व्यक्ति के लिए उन्हें और ज्यादा खाश बनाता है। उनका मानना है कि त्यौहार किसी मजहब का नहीं होता, बल्कि पूरे समाज और आवाम का होता है। सिर्फ ईद या बक़रीद में नहीं बल्कि लुत्फ़ुल हक़ रोज बाँटने वाले भोजन में होली, दुर्गापूजा और दीवाली के साथ- साथ अन्य त्यौहारों का भी ख्याल रख खाना तैयार करवाते हैं। इन विशेष मौकों पर वे स्वयं भी उपस्थित रह खाना परोसते हैं और साथ ही खाते हैं.ईद की शाम भी इसी खाशियत का दीदार हुआ। यही खास बात उनके समाजसेवा को असाधारण और खाश बनाता है।उनके विषय में लिखने में शब्द कम पड़ जाते हैं।अगर कुछ ज़्यादा गहराई से उनकी खाशियत और मानवीय संवेदनाओं को पढ़ना हो तो कोई भी किसी शाम पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर गरीबों की थाली तथा हाथ मे थाली पकड़े व्यक्ति की चेहरों पर उभरी खुशियों की झुर्रियों को पढ़ सकता है। कहते भी हैं कि किताबों से कहीं ज्यादा चेहरों पर संवाद लिखे होते हैं। मैं तो सिर्फ़ इतना कह सकता हूँ कि- मुझे अच्छा नहीं लगता कोई हमनाम तेरा ,कोई तुझसा हो तो तुझसा नाम भी रखे। सचमुच ईद पर लुत्फुल की गरीबों के नाम की थाली से ईदी की खुशियाँ मानो छलक रही थी। और संवेदनशील व्यक्तियों की ये देख कर आँखें भी।

दो वर्षो से निरंतर जारी है निःशुल्क भोजन....

समाजसेवी लुतफ़ल हक के सौजन्य से रेलवे स्टेशन पर पिछले दो सालों से संध्या का भोजन मुफ्त में परोसी जाती है. रात्रि में गरीब भूखा पेट न सोये इस के लिए भोजन की व्यवस्था कराई गई.लुतफ़ल हक ने बताया की पाकुड़ एक छोटा शहर है. दूर दराज से जरूरतमंद गरीब व्यक्ति को भोजन नहीं मिल पाता है. इसी उद्देश्य से निःशुल्क भोजन की व्यवस्था कराई गई है. उन्होंने कहा कभी हम भी इसी स्टेशन पर भूखे पेट सोया करते थे. ईश्वर ने जो हमें दिया है उसे गरीबों में बांट सकूं.इसी लिए भोजन वितरण किया जा रहा है.

मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मनाया बकरीद का त्यौहार

सौरभ भगत
आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
अमडापाडा- प्रखंड में शनिवार को बकरीद का त्यौहार बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।इस दिन मुस्लिम समुदाय के लोग बकरे की कुर्बानी देने के साथ ईदगाहों या मस्जिदों में एक साथ ईद उल जोहा की नमाज अदा कर अमन चैन की दुआ मांगी गई।सुबह से ही लोग नए-नए कपड़े पहन कर नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों में जुटने लगे।नमाज अदा करने के पश्चात समुदाय के लोगों ने एक दूसरे को गला लगाकर बकरीद की बधाई दी।बकरीद के त्योहार को कुर्बानी के दिन के रूप में भी याद किया जाता है।इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक रमजान के दो महीने बाद कुर्बानी का त्योहार बकरीद आता है।बकरीद पर्व को लेकर बाजारों में भी रौनक देखी गई।नमाज अदा करने के पश्चात कुर्बानी देने का कार्य प्रारंभ हो गया।प्रखंड क्षेत्र के सभी मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई। मस्जिदों में दंडाधिकारी और पुलिस दल-बल बल की तैनाती देखीं गई।

कैसे मानते हैं बकरीद का त्योहार
इस दिन मुस्लिम समुदाय के लोग ईदगाहों और मस्जिदों में जमात के साथ नमाज अदा करते हैं. त्योहार की शुरुआत सुबह नमाज अदा करने के साथ होती है.लोग अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के घर भी जाते हैं और एक दूसरे को बधाई देते हैं. इसके अलावा इस दिन घर में एक से बढ़कर एक लजीज व्यंजन बनाए जाते हैं.

तीन भागों में बांटा जाता कुर्बानी का मांस
बकरे की कुर्बानी देने के बाद से इसे तीन भागो में बांटा जाता है,पहला भाग रिश्तेदारों, दोस्तों व आस-पास के करीबियों को दिया जाता है.दूसरा हिस्सा गरीब और जरूरतमंदो को दिया जाता है और तीसरा हिस्सा परिवार के लोगों के लिए होता है.

जानिए क्या है इसके पीछे का रहस्य
इस्लाम धर्म की मान्यता अनुसार पैगंबर हजरत इब्राहिम ने कुर्बानी देने की प्रथा की शुरुआत की थी.ऐसी मान्यता है कि एक बार अल्लाह ने पैगंबर इब्राहिम से अपने प्यार को साबित करने के लिए अपनी सबसे प्यारी चीज का त्याग करने के लिए कहा था,जिस पर पैगंबर इब्राहिम ने अपने इकलौटे बेटे की कुर्बानी देने का फैसला लिया. पैगंबर इब्राहिम अपने बेटे को मारने जा रहे थे, उसी वक्त अल्लाह पैगंबर इब्राहिम के बेटे को बकरे के रुप में बदल दिया. उसी समय से मुस्लिम समुदाय के लोग हर वर्ष पवित्र महीना रमजान खत्म होने के 70 दिन बाद बकरीद का त्यौहार मनाते हैं।

बकरीद के मध्यनजर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद
बकरीद को लेकर विधि व्यवस्था के मध्यनजर जगह-जगह पुलिस अधिकारीयों और सुरक्षा बल की तैनाती की गई थी।मुख्य बाजार मस्जिद एसआई पप्पू कुमार, बासमती मार्दश एसआई सनी सुप्रभात पोखरिया रोड मस्जिद गेब्रियल आइन,चांदपुर मस्जिद कविंद्र मिश्रा सहित अन्य पुलिस दल-बल मौजूद थे।

समेकित कृषि प्रणाली बना मोरसलीम शेख के नियमित आय का आधार

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़- मोरसलीम शेख एक प्रगतिशील किसान हैं जो पाकुड़ जिले के पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत सितेशनगर गांव के रहने वाले हैं। वे लगभग 35 वर्षों से कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों से जुड़े हुए हैं।पहले मोरसलीम शेख पारंपरिक तरीके से खेती करते थे जिसके कारण उनके लिए परिवार का अच्छे से भरण-पोषण कर पाना भी मुश्किल होता था। लेकिन वर्ष 2011 में कृषि एवं आत्मा कार्यालय पाकुड़ से जुड़ाव ने उनका जीवन परिवर्तित कर दिया। कृषि एवं आत्मा कार्यालय, पाकुड़ के द्वारा उन्हें कृषि , बागवानी तथा जैविक खेती पर तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही कृषि एवं आत्मा की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन्हें गेहूं, मक्का , सरसों, सूरजमुखी आदि की उच्च उपज देने वाले किस्मों के बीज उपलब्ध कराए गए। मोरसलीम शेख के वैज्ञानिक खेती के प्रति रुझान को देखते हुए उन्हें समेकित कृषि प्रणाली अपनाने की सलाह दी गई जिसमें किसान कृषि में फसल उत्पादन के साथ कृषि के अन्य घटक जैसे बागवानी , पशुपालन, मत्स्यपालन, वानिकी जैसे अवयवों का समायोजन करते हैं ताकि सभी अवयव एक दूसरे के पूरक बन सकें। समेकित कृषि प्रणाली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मोरसलीम शेख को आत्मा, पाकुड़ द्वारा जीवामृत ड्रम एवं वर्मी कम्पोस्ट इकाई प्रदान किया गया।
आज मोरसलीम शेख की गिनती पाकुड़ जिले के प्रगतिशील किसानों में होती है तथा उन्हें जिला एवं प्रमंडल स्तर पर कई बार अलग-अलग मौकों पर प्रगतिशील किसान के रूप में सम्मानित किया जा चुका है।

कुश्ती - हॉकी संघ ने किया नए उपायुक्त का स्वागत- अभिनंदन

राजा कुमार का रिपोर्ट
देवघर एवं गोड्डा जिला कुश्ती – हॉकी संघ ने उपायुक्त देवघर के पद पर नए पदस्थापित भारतीय प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा का शुक्रवार शाम समाहरणालय स्थित उनके कार्यालय में संयुक्त रूप में गर्मजोश पुष्प एवं अंग वस्त्र - अभिनंदन किया। अभिनंदन - भेंट में देवघर से जहां संघ द्वय एवं सनातन फाउंडेशन के अध्यक्ष विजय प्रताप सनातन एवं सचिव संजीव कुमार झा थे वहीं गोड्डा से हॉकी गोड्डा के अध्यक्ष मनोज कुमार पप्पु, गोड्डा जिला कुश्ती संघ एवं हॉकी गोड्डा के सचिव सुरजीत झा, कोषाध्यक्ष सह झारखंड राज्य दिव्यांग क्रिकेट संघ के महासचिव मनीष कुमार सिंह एवं उपाध्यक्ष आशुतोष झा शामिल थे। संताल परगना की पावन धरती एवं आस्था की नगरी में स्वागत करते हुए अपने स्वागत संबोधन में सुरजीत झा ने कहा कि अपनी ऊर्जा, सोच एवं कुशल कार्य शैली से एक डायनामिक आईएएस के रूप में जाने जानेवाले तथा कॉलेज लाइफ में 100 मीटर दौड़ के यूनिवर्सिटी चैंपियन रहे उपायुक्त श्री लकड़ा की एसडीएम के पद पर पहली पोस्टिंग गोड्डा थी, जहां उन्होंने खेल एवं कला - संस्कृति को नई ऊंचाई प्रदान करने के साथ - साथ, ब्लड बैंक की स्थापना तथा रेडक्रॉस सोसायटी को मजबूत करने जैसा अविस्मरणीय कार्य किया है। उपायुक्त श्री लकड़ा ने भी अपने संबोधन में धन्यवाद देते हुए श्रावणी मेला के पश्चात सभी के सुझाव से एक ब्लूप्रिंट तैयार कर हर सभी खेल के हर क्षेत्र में अपेक्षित प्रशासनिक सहयोग की बात कही। धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विजय प्रताप सनातन ने कहा की उनके पदस्थापन से देवघर खेल जगत में एक नई उम्मीद एवं उत्साह का संचार हुआ है।

कंचन देवी की लगन और मेहनत ने बदली किस्मत, सरकार की बिरसा हरित ग्राम योजना से जीवन में आया बदलाव

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
कंचन देवी के जमीन पर बिरसा हरित ग्राम योजना वित्तीय वर्ष 2021-22 में ग्राम सभा के माध्यम से योजना स्वीकृत किया गया। मनरेगा की इस योजना में लाभुक कंचन देवी ने अथक परिश्रम कर एक मिशाल पेश किया है। योजना का आकार एक एकड़ का है। बिरसा हरित ग्राम योजना बनाने से लाभुक आम के ऊपज से आजीविका का श्रोत निर्माण करने तथा अन्तरफसल की खेती कर अपने आय का स्त्रोत बढ़ाने में सफल हुई हैं। योजना के क्रियान्वयन में गांव के मजदूरो को 1116 मानव दिवस का कार्य प्राप्त हुआ।

लाभार्थी की पृष्ठभूमि-
योजना के लाभार्थी कंचन देवी, पति-जयराम भंडारी, ग्राम जामबाद अपने जमीन पर कठिन से कठिन परिश्रम कर एक फसल उपजाते थे। किसी-किसी वर्ष उन्हे एक फसल भी नसीब नहीं होता था जिस कारण दो पूत्र तथा एक पूत्री के साथ गुजर-बसर कठिन हो गया था। मजबूरी में लाभुक कंचन देवी एवं उसके पति को मजदूरी कार्य कर पारिवारिक जरूरतों को पूरा करना पड़ता था।

क्रियान्वयन प्रक्रिया-
ग्राम सभा में कंचन देवी ने जे0एस0एल0पी0एस0 के सहयोग से अपने जमीन पर बिरसा हरित ग्राम योजना बनाने की बात रखी जिसके बाद कार्याकारणी से उक्त योजना को पारित किया गया और वार्षिक कार्य योजना में संकलित कर तकनीकि स्वीकृति एवं प्रशासनिक स्वीकृति के उपरान्त मनरेगा साफ्ट में प्रविष्टि कर जियो टैग किया गया तथा उसके पश्चात योजना में कार्य प्रारंभ कराया गया।

क्रियान्वयन के दौरान आने वाली चुनौतिया-
अपने आवासीय स्थल से कुछ दूरी पर खेत रहने के कारण लाभुक को मवेशी द्वारा पौधा चरने का डर हमेशा लगा रहता था। कंचन देवी और उनके पति ने हौसला रखते हुए निरन्तर अपने बागवानी का देखभाल किया करता था। कंचन देवी अपने आम बागवानी में सब्जी की खेती करना प्रारंभ किया। वर्ष 2021 में बैगन, टमाटर, पालक, सरसों, मूली का उपज कर 1 लाख 5 हजार रूपये का आय किया। इसके बाद प्रत्येक वर्ष अपने आम बागवानी में अन्तरफसल खेती कर आय का मुख्य साधन बनाया।

वार्षिक आय में अपेक्षित वृद्धि-
लाभुक कंचन देवी और उसके पति जयराम भंडारी ने बागवानी में मनरेगा से ही एक सिंचाई कूप का स्वीकृति कराते हुए पानी की उपलब्धता को पूरा किया। जिससे दो वर्ष तक उस बागवानी वाली जमीन पर अन्तरफसल सब्जी की खेती किया तथा लाखों की आय की। तीसरे वर्ष लगभग तीन क्विंटल से अधिक आम की ऊपज कर अपने सालाना आय को दोगुना करने लगा। 40 रूपये प्रति किलो की दर से उसे बेचा। अब कंचन देवी दो लाख से अधिक सालाना कमाने लगी। इसके बाद वह एक ट्रैक्टर लोन में लिया तथा अपने दूसरे खेतों पर भी खेती करने में लग गया। जिससे उनके आय में काफी वृद्धि हुई और उनका रहन-सहन में काफी बदलाव आया।अपनी आय को बढ़ाने एवं सब्जी खेती को सतत रूप से जारी रखने के लिए योजना लाभुक कंचन देवी ने अपने दूसरे खेतों में भी सब्जी खेती करने का लक्ष्य रखा। अब वह अपने दो बेटों और एक बेटी के साथ सकून का जीवन जी रही है। कंचन देवी के प्रयास एवं लगन देखकर उनके आसपास के लोग उन्हें एक रोल मॉडल के रूप में देखने लगे। अब गांव के कई लोग बिरसा हरित ग्राम आम बागवानी को अपना आय का श्रोत बनाने की राह पर चल पड़े।

साहिबगंज रामपुरहाट सवारी गाड़ी का समय परिवर्तन अब 5 बजे साहिबगंज से रवाना होगी

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़- ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के लगातार प्रयास के उपरांत आखिरकार मुख्य यात्री संचालन प्रबंधक पूर्व रेलवे कोलकाता श्री रोशन कुमार के पत्रांक CPTM/E.Rly.'s LNo/TT.350/2024-25/Pt.II दिनांक 5-6-2025 के आलोक में 63406 डाउन साहिबगंज रामपुरहाट सवारी गाड़ी का खुलने का समय परिवर्तन संशोधित किया गया है।पहले यह गाड़ी संध्या 6:55 पर साहिबगंज से रामपुरहाट के लिए प्रस्थान करती थी, अब यह संशोधित समयानुसार अपराह्न 5:00 बजे साहिबगंज से रामपुरहाट के लिए प्रस्थान करेगी। यह समय सारणी में दिनांक 10 जून 2025 से प्रभावी होगी।
बताते चलें कि दिनांक 26 दिसंबर 2024 को ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के प्रतिनिधिमंडल द्वारा महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे कोलकाता मिलिंद देउस्कर को मुख्य यात्री परिचालन प्रबंधक, पूर्व रेलवे कोलकाता रोशन कुमार तथा उप महाप्रबंध, पूर्व रेलवे कोलकाता श्री वेद प्रकाश की उपस्थिति में दो सूत्री मांगों का ज्ञापन सोंपा गया था। जिसे इस क्षेत्र की जनता के सुविधा को देखते हुए उन्होंने दोनों मांगों को पूरा करने का काम किया है। ईजरप्पा के अध्यक्ष हिसाबी राय ने बताया कि दिनांक 26 दिसंबर 2024 को महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे कोलकाता के कार्यालय कक्ष में 54406 डाउन साहिबगंज रामपुरहाट सवारी गाड़ी के समय परिवर्तन तथा पाकुड़ ग्रामीणों को जाम की समस्याओं से निजात पाने तथा पाकुड़ के आमजनों के आवागमन के सुविधार्थ अर्थ L.C गेट नंबर 39/B/T पश्चिम केविन के समीप रोड ओवर ब्रिज निर्माण हेतु लगातार वार्ता हुई। तदोपरांत दोनों मांगों को पूरा करने की सहमति बनी थी,जिसे महाप्रबंधक ने पूरा किया है। पूर्व रेलवे कोलकाता की ओर से रोड ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य का डीपीआर बनाने की प्रक्रिया तेजी पर है तथा ईसापुर फाटक पर रोड ओवर ब्रिज निर्माण स्थल की मिट्टी जांच हेतु रेलवे द्वारा भेजा गया है।
ईजरप्पा के सचिव राणा शुक्ला ने बताया कि उक्त गाड़ी के समय परिवर्तन से साहिबगंज, तीनपहाड़ राजमहल, बरहरवा, पाकुड़ इत्यादि स्थानों से प्रतिदिन आवागमन करने वाले दैनिक यात्रियों सहित कोर्ट के कार्यों तथा विभिन्न कार्यालय से सारे कार्यों का निपटारा कर आमजनों अपने गन्तव्य स्थानों पर लौटने में सुविधा होगी।
साहिबगंज रामपुरहाट सवारी गाड़ी के समय परिवर्तन पर करने पर नहीं वर्तमान नगर परिषद अध्यक्ष सम्पा साहा, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष बाबुधन मुर्मू, सीताराम सिंह, अनिकेत गोस्वामी, जितेंद्र सिंह, आफताब आलम, संदीप साहा, सुशील साहा, मंजूर आलम, पार्वती देवी, पिंटू हाजरा, अशोक प्रसाद, सादेकुल आलम, रणजीत राम, मोनी सिंह, चंदन प्रसाद, तारा गुप्ता, मोहन मंडल, अरुण चौधरी, सुबोध मंडल आदि ने महाप्रबंधक पूर्व रेलवे कोलकाता तथा मुख्य यात्री संचालन प्रबंधक, पूर्व रेलवे, कोलकाता का आभार व्यक्त किया है?

शांति की बात अब विद्रोह है : युद्धोन्मादी राष्ट्रवाद का मनोविज्ञान

>> विचार

> "लेकिन 1 मई को हालात अचानक बदल गए. जो हिमांशी कल तक सबकी प्रिय थीं, उनके खिलाफ ट्रोलिंग शुरू हो गई और सोशल मीडिया पर उनके प्रति घृणा का वातावरण बन गया. उनके खिलाफ लोग (ट्रोल) जहर उगलने लग गए. दिवंगत अधिकारी की पत्नी के प्रति सहानुभूति अचानक घृणास्पद. हिमांशी की 'गलती' केवल इतनी थी कि उन्होंने 1 मई को करनाल (हरियाणा) में अपने दिवंगत पति के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में अपील की थी कि 'मैं किसी के प्रति कोई नफ़रत नहीं चाहता. यही हो रहा है. लोग मुसलमानों या कश्मीरियों के ख़िलाफ़ जा रहे हैं. हम ऐसा नहीं चाहते. हम शांति चाहते हैं और सिर्फ़ शांति. बेशक, हम न्याय चाहते हैं।

डॉ. विक्रम सिंह

पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट दिखाई दिया. यह किसी भी देश के लिए एक सकारात्मक संकेत है कि वह एकता के साथ आतंक के खिलाफ लड़ने को तैयार है. लेकिन चिंता की बात यह है कि इसके साथ एक अजीब सा युद्ध उन्माद भी देखने को मिला। यह बात दो घटनाओं के उल्लेख से बेहतर समझी जा सकती है. 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया और टीवी चैनलों पर एक तस्वीर सबसे अधिक साझा की जा रही थी, वह थी इस आतंकी हमले में मारे गए नौसेना अधिकारी विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी की. लोग इस तस्वीर को अलग-अलग भावनाओं के साथ साझा कर रहे थे. अधिकतर लोगों ने अपनी सहानुभूति जताई और आतंकवाद से लड़ने की अपील की। लेकिन कुछ लोगों, जिनमें ज्यादातर भाजपा के समर्थक शामिल थे, ने इस तस्वीर का इस्तेमाल सांप्रदायिक टिप्पणियों के लिए किया. कुल मिलाकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि पूरा देश हिमांशी के साथ खड़ा है. लेकिन 1 मई को हालात अचानक बदल गए. जो हिमांशी कल तक सबकी प्रिय थीं, उनके खिलाफ ट्रोलिंग शुरू हो गई और सोशल मीडिया पर उनके प्रति घृणा का वातावरण बन गया. उनके खिलाफ लोग (ट्रोल) जहर उगलने लग गए. दिवंगत अधिकारी की पत्नी के प्रति सहानुभूति अचानक घृणास्पद. हिमांशी की 'गलती' केवल इतनी थी कि उन्होंने 1 मई को करनाल (हरियाणा) में अपने दिवंगत पति के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में अपील की थी कि 'मैं किसी के प्रति कोई नफ़रत नहीं चाहता. यही हो रहा है. लोग मुसलमानों या कश्मीरियों के ख़िलाफ़ जा रहे हैं. हम ऐसा नहीं चाहते. हम शांति चाहते हैं और सिर्फ़ शांति. बेशक, हम न्याय चाहते हैं. बेशक, जिन लोगों ने उसके साथ गलत किया है, उन्हें सज़ा मिलनी चाहिए.'इसी दौरान एक और चेहरा लगभग रोज़ टीवी पर दिखाई देता रहा, एक शांत, संतुलित और नपे-तुले शब्दों में देश को टकराव की स्थिति से अवगत कराता रहा. यह चेहरा था विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री का. वह बिना किसी उत्तेजना या आवेश के असल (सरकार के द्वारा तय की गई) स्थितियों को देश की जनता से साझा कर रहे थे. लेकिन जब उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को रोकने के लिए हुए समझौते की घोषणा मीडिया में की, तो देश का यह नायक भी नफरत फैलाने वाले युद्ध-उन्मादी ट्रोल्स का शिकार हो गए. मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, विक्रम मिस्त्री को सोशल मीडिया पर 'देशद्रोही' तक करार दिया गया. इतना ही नहीं, उनकी बेटियों को भी इस ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, उनकी निजी जानकारियाँ, यहां तक कि फोन नंबर तक सार्वजनिक कर दिए गए. यह कोई स्वतःस्फूर्त होने वाली प्रक्रिया नहीं है कि जिनको देश के हीरो के रूप में प्रचारित किया जा रहा था यकायक वह खलनायक हो गए और जनता विशेषतौर पर आभासीय दुनिया में रहने वाले लोगो के नफरत के शिकार होने लग गए. यह भाजपा और हिंदुत्ववादी ताकतों के पिछले दशन के शासन का नतीजा है.

नफरत की राजनीति ने जनता में नफरत और युद्धोन्माद का मनोविज्ञान पैदा किया है

इस नफरत की राजनीति ने जनता, विशेष तौर पर एक हिस्से में एक ऐसा मनोविज्ञान पैदा किया है जिसका परिणाम नफरत और युद्धोन्माद है. लेकिन इस तरह का वातावरण किसी के नियंत्रण में नहीं रहता है. यह एक खतरनाक स्थिति है. यही वर्तमान में हमारे देश में हो रहा है. भाजपा और आरएसएस ने पिछले कई दशकों से बड़े ही सुनियोजित ढंग से अपने पूरे प्रचार तंत्र के उपयोग करते हुए समाज को यह शक्ल देने की कोशिश की है.जब सत्ता हाथ में आ गई तो अपने राजनीतिक उद्देश्य को पूरा करने के लिए राज्य के तंत्र का प्रयोग करते हुए नफरत, हिंसा और युद्धोन्माद पैदा किया गया. लेकिन नफरत की राजनीति करना और देश चलना दो अलग अलग क्षेत्र है. पहलगाम आतंकी घटना के बाद सैन्य टकराव के चार दिन के बाद जब देश की जनता के लिए बहुत जरुरी युद्धविराम की घोषणा विविन्न कारणों से सरकार को करनी पड़ी तो उन्मादी समूहों द्वारा इसकी भी तीखी आलोचना हुई और युद्ध के पक्ष में वाकायदा अभियान चलाया गया. सरकारी पक्ष और मीडिया ने जो वातावरण तैयार किया था उसका नतीजा यही था कि युद्धविराम को देश की कमजोरी करार दिया जाने लगा. फ़िज़ा में एक ऐसा एहसास था जहां मानों मानवता थी ही नहीं था तो केवल युद्धोन्माद. लोग अपने फोन और कंप्यूटर के सामने बैठे वीरता दिखा रहें थे लेकिन युद्ध पीड़ितों के लिए कोई संवेदनाएं नहीं थी. हालांकि, इस संकट की स्थिति में भी देश में धर्म के आधार पर नफरत फैलाई गई. वैसे तो भाजपा और आरएसएस के संगठनों ने सेना के नाम पर राजनीति का जैसे ठेका ले रखा है लेकिन अपने देश के बहादुर फौजी अफसरों को उनके धर्म के कारण भाजपा के एक मंत्री ने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंवादियो की बहन तक कह दिया, जिसका संज्ञान अदालत को लेना पड़ा.इस घटना में भी भाजपा और सरकार बेशर्मी से आरोपी मंत्री को बचाने में लगी है. लेकिन यहां हम इस पहलू पर चर्चा नहीं कर रहें है. हम समझने की कोशिश कर रहे है कि देश में कैसा घातक युद्धोन्मादी फैला हुआ है और युद्धोन्मादी भीड़, ने इस सोच की जनक भाजपा को भी नहीं छोड़ा. स्थिति इतनी भयानक हो गई है कि आम जनता तो छोड़ दीजिये तथागथित प्रगतिशील भद्रजन भी युद्ध के खिलाफ सैद्धांतिक रुख नहीं ले रहे थे. हमारे देश में युद्ध के खिलाफ सैद्धांतिक आवाज उठाने की एक स्वस्थ परंपरा रही. देश का छात्र और युवा आंदोलन तो विशेष तौर पर युद्ध के मानवीय संकट को लेकर मुखर रहा है. लेकिन इस मर्तबा देश का युवा और छात्र तो युद्ध के लिए उन्मादी हो रहा था. ऐसा वातावरण बनाया गया कि युद्ध के साथ खड़ा होना ही देश प्रेम की कसौटी बन गया है. इसका बड़ा कारण हिंदुत्ववादी ताकतों द्वारा निर्मित वातावरण है तो साथ ही इन्ही ताकतों की हिंसा और नफरती अभियानों का डर भी निर्णायक भूमिका में है. यहां यह स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है कि आतंकवाद के खिलाड़ लड़ाई बहुत महत्वपूर्ण है और हम इसके साथ खड़े है. आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता, वह किसी भी धर्म के हो सकते है. दहशतगर्द न तो इंसान होते है और न किसी देश के, वह सब देशो में हो सकते है. पहलगाम में किये गए हमले के आंतकवादी भी इसी श्रेणी में आते हैं. लेकिन चाहे वह किसी भी देश से आ रहे हो हम उनके खिलाफ है, उनके खिलाफ मज़बूती के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी. देश की जनता एक एकजुटता और देश की सुरक्षा इसमें देश की जनता एक एकजुटता बहुत महत्वपूर्ण है. पहलगाम और कश्मीर के स्थानीय लोगो ने भी अपनी तरफ से आंतकवाद के मक़सद को हरा दिया. उन्होंने अपनी इंसानियत से जिस तरह हमले के पीड़ितों की मदद की वह आंतकवाद को बड़ा झटका था, साथ ही सन्देश था सांप्रदायिक नफरती गैंग को कि हमला चाहे देश के किसी भी नागरिक पर हो, दर्द पूरे देश को होता है. आंतकवाद के खिलाफ लड़ाई का दूसरा पक्ष है देश की सुरक्षा का. इसमें देश की तमाम रक्षा, पुलिस और खुफ़िया एजेंसियों को समन्वय के साथ काम करना जरुरी है. इसमें खुफिया एजेंसियां की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है. एक छोटी सी चूक से भी बड़ी आतंकी घटनाएं हो सकती हैं. आतंक के खिलाफ जंग में राजनीतिक मंशा और वार्तालाप भी बहुत महत्वपूर्ण है.अब चर्चा तो यह भी होनी चाहिए थी कि पहलगाम हमले में हमारी खुफिया एजेंसियों की मुस्तैदी में तो कोई चूक नहीं हो गई, लेकिन वर्तमान समय में इस पर बात करना भी देशद्रोह की श्रेणी में आ जाता है.महत्वपूर्ण बात जिसे बार-बार दोहराने की जरुरत है वह है कि युद्ध रोकना बहुत ही जरुरी था, इसके लिए तमाम प्रयास किये जाने चाहिए थे लेकिन इसके लिए अमरीकी साम्राज्यवाद की मध्यस्थता कतई गवारा नहीं. हमारे देश की जनता जिसका साम्राज्यवाद के खिलाड़ संघर्ष की एक गौरवशाली इतिहास है, ने अमरीका की मध्यस्थ की इजाज़त नहीं दी थी. हमारे देश की जनता के अपने अनुभव है साम्राज्यवाद के शोषण और उसके खिलाफ कुर्बानियों के, इसलिए हमारे देश के राष्ट्रप्रेम का एक एक अभिन्न हिस्सा साम्राज्यवाद का विरोध रहा है. डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार नहीं कई बार इस बात का दावा किया लेकिन हमारे देश की सरकार द्वारा इसका पुरजोर खंडन न करना, कई चिंताएं पैदा करता है. यह एक राजनीतिक हार भी है क्योंकि अभी तक हमारे देश ने कश्मीर के मुद्दे पर अमरीका सहित किसी भी देश की मध्यस्ता स्वीकार नहीं की है. यहां यह भी उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि अमरीका पूरे विश्व में संप्रुभ देशो के खिलाफ अन्यायपूर्ण सैनिक कार्यवाहियों और युद्धों के लिए कुख्यात है. वर्तमान समय में इसराइली युद्ध में फिलिस्तीन की जनता के नरसंहार में अमरीका की सक्रिय और बराबर की जिम्मेवारी है. शासक वर्ग युद्ध का हमेशा अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करता हैहमारा मानना है कि हर युद्ध का एक वर्गीय चरित्र होता है और उसका प्रभाव समाज के विभिन्न वर्गों पर अलग-अलग पड़ता है. मूल बात यह है कि शासक वर्ग युद्ध का हमेशा अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करता है. इतिहास में यह एक स्थापित तथ्य है कि शासक वर्ग ने आर्थिक संकटों से उबरने के लिए अक्सर युद्ध का सहारा लिया है. हथियारों की बिक्री के माध्यम से उन्होंने भारी मुनाफा कमाया है.युद्ध, जो मानवता के लिए एक गंभीर संकट होता है, कॉर्पोरेट जगत के लिए एक अवसर बन जाता है. इस विषय पर कई उच्च गुणवत्ता वाले शोध उपलब्ध हैं. वर्तमान सैन्य टकराव में भी हमने देखा है कि किस प्रकार हथियार निर्माण से जुड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों, जिनमें से अधिकांश पश्चिमी देशों की हैं, के शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है.हमारा मानना है कि शासक वर्ग मुनाफे के लिए युद्ध करवाता भी है लेकिन अगर जरुरत पड़े तो मुनाफे के लिए युद्ध रुकवा भी सकता है. यही कारण है कि एशिया के इस हिस्से में अमरीका युद्ध रुकवाने की घोषणा कर रहा है लेकिन फिलिस्तीन के खिलाफ इसराइल के अन्यायकारी युद्ध में फिलिस्तीन जनता की नस्ल को ख़त्म करने की भी घोषणा कर रहा है. दूसरी तरफ जनता को युद्ध में दर्द और तकलीफो के सिवाय कुछ नहीं मिलता. युद्ध में मरने वाले सैनिकों के परिवार समझ सकते है कि युद्ध की क्या कीमत होती है. युद्ध में विस्थापित होने वाले परिवारों के जीवन कई वषी तक पटरी पर वापिस नहीं लौटता. मेहनतकशों का रोजगार चिंता है वो अलग. इस सब के ऊपर जनता के मुद्दे वषों तक राजनैतिक चर्चा से गायब हो जाते है. मीडिया तो वैसे ही जनता के मुद्दों को बेमानी समझती है. *युद्धोन्माद को इस कदर बढ़ा दिया है कि प्रगतिशील तबका भी शांति की बात करने से डर रहा है।

('वायर' से साभार।)

संपादकीय

न्यायपालिका के साख पर सवाल

लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में शुचिता और पारदर्शिता प्राथमिक शर्त है। मगर राजनीतिक नफे-नुकसान के गणित में सरकारों ने सबसे अधिक कमजोर इन्हीं संस्थाओं को किया है। शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची है, जो भ्रष्टाचार और कदाचार की जकड़बंदी से मुक्त हो। फिर भी जब इन संस्थाओं के भीतर से ही शुचिता लाने के संकल्प उभरते हैं, तो स्वाभाविक रूप से बेहतरी की उम्मीद बनती है। देश की न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। निचली अदालतों पर तो ऐसे आरोप आम रहे हैं, पर ऊपरी अदालतों में भी पिछले कुछ वर्षों से ऐसे मामले सामने आए हैं, जिससे न्यायपालिका की साख पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने इस समस्या को साफगोई से स्वीकार किया और इसे दूर करने का संकल्प दोहराया है, तो सकारात्मक नतीजों का भरोसा बना है। ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय में आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और कदाचार की घटनाओं से जनता का भरोसा टूटता है। दुख की बात है कि न्यायपालिका के भीतर भी भ्रष्टाचार और कदाचार के मामले सामने आए हैं। यह बात उन्होंने दिल्ली में न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से बरामद जली नगदी नोटों के संदर्भ में कही। प्रधान न्यायाधीश ने भारतीय न्यायपालिका के भीतर जड़ें जमा रही या जमा चुकी उन सभी समस्याओं को बड़े साफ शब्दों में स्वीकार किया, जिन्हें लेकर अंगुलियां उठती रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में उच्चतम न्यायालय और कुछ उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के राजनीतिक दबाव में या निजी स्वार्थ साधने के मकसद से फैसले सुनाने को लेकर काफी असंतोष जाहिर किया जाता रहा है। कुछ न्यायाधीशों ने सेवामुक्त होने के तुरंत बाद सरकारी पद स्वीकार कर लिया, तो कुछ चुनावी मैदान में उतर गए। इसे किसी भी रूप में नैतिक नहीं माना गया। हालांकि अब उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों ने संयुक्त रूप से संकल्प लिया है कि वे सेवानिवृत्ति के बाद कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे, न इस्तीफा देकर चुनाव लड़ेंगे। इससे यह उम्मीद तो बनी है कि शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश सत्ता के किसी दबाव में आकर कोई फैसला सुनाने से बच सकेंगे। राजनीतिक लोभ और दबाव से मुक्त हुए बिना न्यायपालिका सही अर्थों में अपने दायित्व का निर्वाह नहीं कर सकती। इसलिए प्रधान न्यायाधीश का इस दिशा में प्रयास सराहनीय है। लोकतंत्र में न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा इसलिए भी बने रहना बहुत जरूरी है कि यही एक स्तंभ है, जिस पर संविधान की रक्षा का दायित्व और राजनीतिक तथा व्यवस्थागत कदाचार पर नकेल कसने का अकूत अधिकार है। यह भी अनुभव जगजाहिर है कि जब भी न्यायपालिका कमजोर दिखती है, तो सत्ता पक्ष की मनमानियां बढ़ती जाती हैं। इसीलिए न्यायाधीशों का व्यक्तिगत आचरण बहुत मायने रखता है। मगर पिछले कुछ वर्षों में इस तकाजे को जैसे भुला दिया गया है। कुछ न्यायाधीशों के सुर्खियां बटोरने के लोभ की वजह से न्यायिक सक्रियता का सवाल भी उठना शुरू हुआ था। कालेजियम प्रणाली और न्यायाधीशों की नियुक्ति में पक्षपात आदि के आरोप भी सुगबुगाते रहे हैं। इन सभी पहलुओं पर प्रधान न्यायाधीश ने बड़ी बेबाकी से बात की और उन्हें दुरुस्त करने का भरोसा दिलाया है। निस्संदेह इससे बहुत सारे लोगों की उम्मीदें बलवती होंगी। पर देखने की बात होगी कि ये संकल्प जमीन पर कितना उतर पाते हैं।

कैंसर पर जीत के बाद विश्व सुंदरी का खिताब

अरुण नैथानी

पिछले दिनों भारत में आयोजित मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारतीय प्रतिनिधि नंदिनी गुप्ता की दावेदारी भले ही शीर्ष बीस तक सिमट कर रह गई हो, लेकिन थाईलैंड की सुंदरी ओपल सुचाता ने विश्व सुंदरी का खिताब जीतकर खूब सुर्खियां बटोरीं। उल्लेखनीय है कि थाईलैंड में भारतीय संस्कृति का व्यापक प्रभाव रहा है, उनके नाम का उच्चारण भी कुछ-कुछ भारतीय-सा लगता, फलतः उनके नाम ने भी भारतीयों का ध्यान खींचा। जिसे भारतीय फिल्मों के प्रति उनकी दीवानगी ने और पुख्ता भी किया। मई महीने में भारतीय दुनियाभर से आई सुंदरियों की चहल-पहल लगातार सौंदर्य प्रतियोगिता से जुड़े विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों के जरिये महसूस करते रहे थे। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित हाईटेक्स में संपन्न ग्रैंड फिनाले में आखिरकार ओपल सुचाता के सिर विश्व सुंदरी का ताज सजा। दरअसल, इस खिताब को जीतकर ओपल सुचाता ने थाईलैंड के 72 साल से मिस वर्ल्ड के ताज के इंतजार को खत्म किया। सुचाता एक साधारण पृष्ठभूमि से आती हैं और विश्व स्तरीय सौंदर्य स्पर्धा के शिखर तक पहुंचती हैं। हालांकि, यह हकीकत है कि सौंदर्य प्रतियोगिता के मानक व उद्देश्य सौंदर्य प्रसाधन बाजार को विस्तार देने का ही एक उपक्रम है। बहुत संभव है हमारे आसपास व दूरदराज के इलाकों में जो वास्तविक विश्व स्तरीय सौंदर्य हो, वो इस प्रतियोगिता के कायदे-कानूनों द्वारा नकार दिया जाएगा। बहरहाल, बहते वक्त की धारा में आज ओपल सुचाता विश्व सुंदरी हैं। उनकी कामयाबी इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि वे एक कैंसर सर्वाइवर हैं। साथ ही लगातार महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक कर रही हैं। मिस वर्ल्ड के 72वें संस्करण में मिस वर्ल्ड चुनी गई ओपल सुचाता चुआंगश्री ने खिताब हासिल करने के बाद कहा कि उनका ताज सिर्फ थाईलैंड का ही प्रतिनिधित्व नहीं करता बल्कि वह उन करोड़ों महिलाओं की आवाज भी है, जिन्हें अनसुना किया गया। वे उनके हक के लिये खड़ी होंगी। दरअसल, ओपल ने अट्ठारह वर्ष की उम्र से सौंदर्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू किया। उनका मानना था कि उनका सौंदर्य स्पर्धाओं में भाग लेना नेम-फेम कमाना ही नहीं था, बल्कि इस उपलब्धि को उद्देश्यपूर्ण बनाना ही मुख्य लक्ष्य था। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर थाईलैंड की संस्कृति को भी सम्मान दिलाना एक मकसद था। उल्लेखनीय है कि ओपल वर्ष 2024 में मिस यूनिवर्स स्पर्धा में थाईलैंड का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। तब वह तीसरे स्थान पर आई थीं। मिस वर्ल्ड स्पर्धा के लिये उन्होंने वह खिताब छोड़ दिया। उनका मानना है कि इस खिताब को हासिल करने का उनका मुख्य मकसद यह है कि वे सामाजिक बदलाव की वाहक बन सकें। ओपल का मानना है कि यह खिताब सिर्फ सौंदर्य मानकों पर खरा उतरना मात्र नहीं है। ओपल मानती हैं कि यह लोगों के लिये सुंदर काम करने के लिये दिया गया खिताब है। वे उस भारतीय दर्शन की हामी हैं कि दैहिक सौंदर्य अल्पकालिक होता है, लेकिन सुंदर उद्देश्य सार्वकालिक होता है। उनका एक सपना यह भी है कि वे एक दिन राजदूत बनें। दरअसल, 21 वर्षीय ओपल वर्षों से ब्रेस्ट कैंसर से जुड़ी महिलाओं के लिये काम कर रही हैं। वैसे तो हर विश्व सुंदरी अपनी जीत के बाद समाज सेवा और करुणा के प्रति प्रतिबद्धता जताने में पीछे नहीं रहती, लेकिन कैंसर ओपल का भोगा यथार्थ है। वे उस त्रासदी से गुजरी हैं और कैंसर पीड़ितों के दर्द को करीब से महसूस करती हैं। यही वजह है कि उन्होंने ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता का प्रसार करने वाले कई सामाजिक संगठनों के साथ सक्रिय भागेदारी की है। उनका मानना है कि वे नई जिम्मेदारियों के बावजूद ब्रेस्ट कैंसर पीड़ितों के लिए काम करती रहेंगी। उनका कहना है कि महिलाओं को रूटीन चेकअप करते रहना चाहिए। उन्हें डॉक्टर के पास जाने में संकोच नहीं करना चाहिए। यदि इस महामारी का समय रहते पता चल जाए तो इससे बचाव संभव हो सकता है। उनका कहना है कि मैं इस मुद्दे पर लगातार महिलाओं से बात करती रहना चाहूंगी। ओपल बौद्धिक रूप से समृद्ध हैं और अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मनोविज्ञान व मानव से जुड़े विज्ञान में उनकी गहरी रुचि भी है। इतना ही नहीं वे जीव-जंतुओं के प्रति गहरी संवेदना रखती हैं। उनका पशु प्रेम इस बात से झलकता है कि उनके घर में दर्जन से अधिक बिल्लियां व करीब आधा दर्जन कुत्ते पलते हैं। बहरहाल, विश्व सुंदरी के खिताब से मिली प्रतिष्ठा के साथ ओपल आर्थिक रूप से भी आत्मनिर्भर व समृद्ध हुई हैं। उनकी तमाम योजनाएं अब सिरे चढ़ने वाली हैं क्योकि इस खिताब के साथ-साथ उनके खाते में एक मिलियन डॉलर भी आए हैं। वहीं दूसरी ओर ओपल भारतीय संस्कृति व फिल्मों के प्रति भी खासा लगाव रखती हैं। पिछले दिनों खिताब जीतने के बाद एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि बॉलीवुड की फिल्में उन्हें आकर्षित करती हैं। उन्होंने गंगुबाई फिल्म देखी। यदि मुझे बॉलीवुड में काम करने का मौका मिला तो मैं आलिया भट्ट के साथ काम करना पसंद करूंगी।

गणित के राजकुमार फ्रेडरिक गॉस

विजय गर्ग

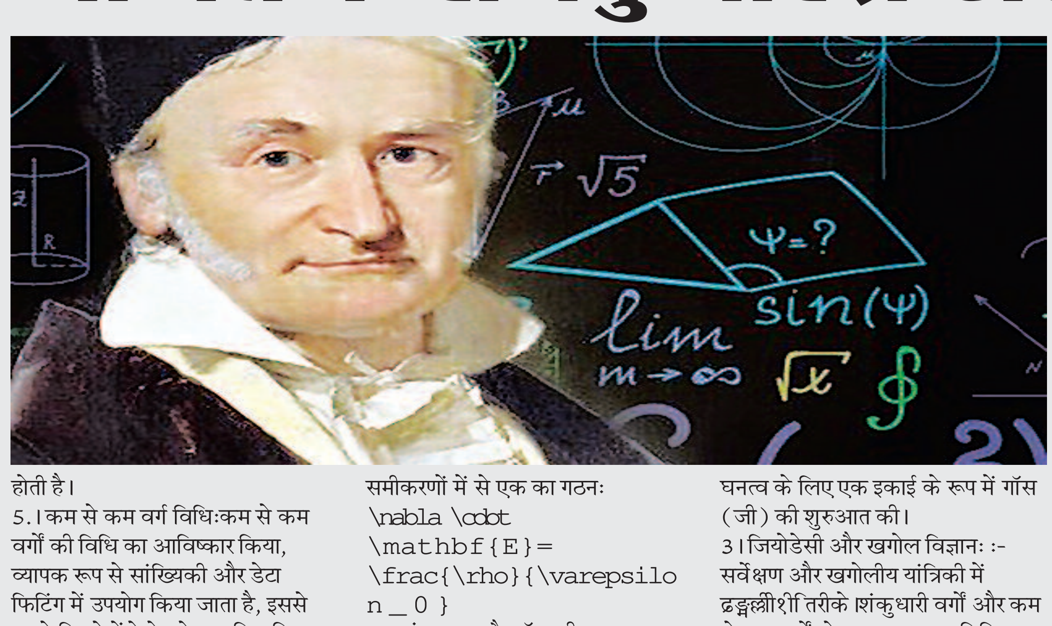

कार्ल फ्रेडरिक गॉस (1777-1855), जिन्हें अक्सर गणित का राजकुमार कहा जाता है, ने गणित और विज्ञान दोनों में स्मारकीय योगदान दिया। यहां उनके कुछ प्रमुख योगदान दिए गए हैं:

गणित में योगदानः

1.।संख्या सिद्धांतःसंख्या सिद्धांत में एक मूलभूत पाठ अरिथमेटिके (1801) को लिखा।द्विघात पुनर्जीवन के नियम को साबित किया, मॉड्यूलर अंकगणित में एक गहरा परिणाम।दिखाया गया है कि कम्पास और स्ट्रेटेज के साथ एक नियमित 17-गॉन का निर्माण किया जाता है - एक अप्रत्याशित परिणाम जो ज्यामिति और संख्या सिद्धांत को जोड़ता है।

2.।गॉसियन इंटेगरः:-संख्या सिद्धांत में रूप में जटिल संख्याओं का परिचय दिया, जिससे गॉसियन पूर्णांक की अंगूठी को परिभाषित करने में मदद मिली।

3।गौसियन वितरणः-सामान्य वितरण को विकसित किया, जिसे अक्सर गॉसियन वितरण कहा जाता है, संभावना और आंकड़ों में मौलिक।

4।बीजगणित का मौलिक सिद्धांतःपहला कठोर प्रमाण दिया कि प्रत्येक गैर-निरंतर बहुपद में कम से कम एक जटिल जड़ होती है।

5.।कम से कम वर्ग विधिःकम से कम वर्गों की विधि का आविष्कार किया, व्यापक रूप से सांख्यिकी और डेटा फिटिंग में उपयोग किया जाता है, इससे पहले कि लेजेंड्रे ने इसे प्रकाशित किया।

विज्ञान में योगदानः :-1.।गॉस का नियम (इलेक्ट्रोस्टैटिक्स):-मैक्सवेल के समीकरणों में से एक का गठनः
$\nabla \cdot \mathbf{E}= \frac{\rho}{\varepsilon_0}$

2.।चुंबकत्व और गॉस की इकाई::चुंबकीय क्षेत्रों को मापने के लिए विकसित उपकरण और चुंबकीय प्रवाह घनत्व के लिए एक इकाई के रूप में गॉस (जी) की शुरुआत की।

3।जियोडेसी और खगोल विज्ञानः :-सर्वेक्षण और खगोलीय यांत्रिकी में द्धङ्खल्लीशी तरीके।शंकुधारी वर्गों और कम से कम वर्गों के आधार पर एक विधि का उपयोग करके क्षुद्रग्रह सेरेस की स्थिति की भविष्यवाणी की।

4।गौसियन सतह और फ्लक्सः :इलेक्ट्रोमैग्नेटिज़्म और द्रव की गतिशीलता के लिए वेक्टर कैलकुलस केंद्रीय में अवधारणाओं का परिचय दिया।गॉस को गणित का राजकुमार क्यों कहा जाता है? बचपन से प्रतिभाः 7 साल की उम्र में, उन्होंने सूत्र का उपयोग करके जल्दी से 100 के माध्यम से संख्या 1 को अभिव्यक्त किया।ब्रॉड स्कोपः अपने समय में ज्ञात गणित के लगभग हर प्रमुख क्षेत्र में महारत हासिल और योगदान दिया।लालित्य और कठोरताः कठोर सबूतों और गणितीय लालित्य पर जोर देने के लिए जाना जाता है।स्थायी प्रभावः उनके विचार आधुनिक गणित, भौतिकी और इंजीनियरिंग को आकार देना जारी रखते हैं। गॉस ने केवल समस्याओं को हल नहीं किया - उन्होंने आधुनिक विज्ञान की पूरी शाखाओं के लिए आधारशिला रखी। उनकी विरासत उन्हें दिए गए शाही खिताब को सही ठहराती है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाविद् स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

एक घर में पत्नी की हत्या के आरोपी के घर में पुलिस ने इश्तहार चिपकाया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार के नेतृत्व में रविवार को बरहेट दक्षिणी स्थित एक घर में पत्नी की हत्या के आरोपी के घर में पुलिस ने इश्तहार चिपकाया। थाना प्रभारी पवन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि बरहेट दक्षिणी गांव निवासी अब्बास अंसारी पिता शरीफ अंसारी, ससुर शरीफ अंसारी, सास मुनीरा बीबी, ननद नजमुन बीबी, के विरुद्ध 64/24 कांड संख्या प्राथमिकी दर्ज हुई थी। वही साहिबगंज न्यायालय के आदेश पर आरोपी के घर पर इश्तहार चिपकाया गया। आगे कहा कि पत्नी की हत्या कर चारों फरार चल रहे हैं। वहीं ढोल नगाड़े बजाकर आरोपी को एक सप्ताह के अंदर आत्मसमर्पण कर दे अन्यथा कुर्की जब्ती कर कार्रवाई की जाएगी। मौके पर एसआई पवन सिंह, असीम कुजूर, महानंद ओझा, अशोक सिंह के अलावा अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

बिहार राज्य महिला आयोग के सदस्य ने कार्यकर्ता से की मुलाकात

सं सू पंकज कुमार ठाकुर।
चांदन (बांका) बिहार राज्य महिला आयोग की नव मनोनीत सदस्य शीला टुडू का आगमन जिला उपाध्यक्ष चन्दन सिन्हा के आवास नावाडीह पर हुआ। बड़े ही हर्ष के साथ परिवार के सदस्यों एवं पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। शीला टुडू ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हैं कि मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेवारी दिये हैउनके पति सोनेलाल टुडू ने कहा कि चन्दन सिन्हा मेरे बचपन के मित्र हैं और आज उनके आवास पर मिलने के लिए आये हैं। मान-सम्मान पाकर अभिभूत हूँ। मौके पर राकेश सिन्हा, टीकाराम सोरेन, पाण्डव शर्मा, मनोज हेम्ब्रम, बेचन महतो, दिपक मंजर्व, रेणु सिन्हा, आरती सिन्हा, पूजा सिन्हा, मकबुल अंसारी, अमित गौरव, अंशु सिन्हा, शुभम कुमार, शिवम कुमार मुख्य रूप मौजूद थे।

बर्मन कॉलोनी वार्ड नंबर 5 में अज्ञात चोरों द्वारा एक बंद पड़े घर में चोरी की घटना का अंजाम दिया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र में नगर पंचायत के अंतर्गत बर्मन कॉलोनी वार्ड नंबर 5 में अज्ञात चोरों द्वारा एक बंद पड़े घर में चोरी की घटना का अंजाम दिया गया। चोरी की घटना का पता तब चला जब रविवार की सुबह घर के मालिक अपने घर पहुंचे। इस संबंध में व्यवहार न्यायालय में कार्यरत बर्मन कालोनी निवासी राजीव रंजन ने राजमहल थाना में दिए आवेदन में उल्लेख किया है कि वे अपने परिवार के साथ बीते तीन जून को गर्मी छुट्टी मनाने अपने पैतृक गांव बिहार शरीफ गए हुए थे, घर पूरी तरह बंद था। जब वहां से 8 जून रविवार की सुबह अपना घर पहुंचा और घर का मुख्य दरवाजा का ताला खोल कर अंदर गया तो देखा कि दो कमरे का ताला टूटा है और घर पूरी तरह बिखरा पड़ा है। चोरों द्वारा घर के अंदर रखा गोदरेज (अलमारी), बक्सा, बॉक्स पलंग सभी को तोड़कर अलमारी में रखा 15 भरी चांदी का गहना (कीमत लगभग 15 हजार) और करीब 8 आना सोने का गहना व पांच-छः हजार रूपए नगद चोरी कर लिया गया है। उन्होंने आशंका व्यक्त किया की घर के सामने बगीचे में अक्सर कुछ नशेड़ी किस्म के लोगों द्वारा नशा किया जाता है और जुआ खेला जाता है उन्हीं लोगों द्वारा घर के बगल में लगे मिट्टी के ढेर के सहारे घर के छत पर चढ़े और छत पर बने सीढ़ी एल्बेस्टर को तोड़कर अंदर दाखिल हुए, और चोरी की घटना अंजाम दिया है। चोरी की घटना के सूचना पर राजमहल थाना पुलिस पहुंचकर छानबीन किया।इधर नप क्षेत्र के कासीमबाजार स्थित प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय में भी बीते रात्रि असामाजिक तत्वों द्वारा मुख्य गेट का ताला तोड़कर गेट को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है ,इस संबंध में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापिका रीमा साहा ने भी राजमहल थाना में आवेदन देकर सनहा दर्ज करने की मांग की है। इस संबंध में राजमहल थाना प्रभारी गुलाम सरवर ने कहा कि दोनों घटना के संबंध में आवेदन मिला है जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पांच युवकों में से एक युवक डूब गया और अचानक लापता हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत फेरी घाट में रविवार के दोपहर गंगा में स्नान करने आए पांच युवकों में से एक युवक डूब गया और अचानक लापता हो गया। घटना की सूचना मिलती ही नगर थाना व गंगा थाना कि पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से खोजबीन करते दिखे। घटना की सूचना आग की तरह फैल गया और स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। घाट पर मौजूद लापता युवक के बहनोई विशाल कुमार ने बताया कि गंगा में डूबे युवक का नाम हर्ष सोनी है, वो बिहार के बरौनी के रहने वाले हैं जहां राजमहल नया बाजार में उसकी नानी व मौसा का घर है, जहां सभी लोग घूमने आए थे। बताया गया कि रविवार के सुबह हम सभी महाराजपुर के मोती झरना घूमने के

लिए गए थे,वहां गंदा पानी होने के कारण साहिबगंज ओझा टोली गंगा घाट स्नान करने पहुंच गए, वही हमारा साला हर्ष सोनी ने जैसे ही गंगा में छलांग लगाया वह गंगा नदी से बाहर नहीं आया और उसी समय से लापता है। आगे बताया कि हर्ष के डूबने के आधे घंटे के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई लेकिन घाट में कोई सुविधा नहीं होने के कारण कोई खोज बिन नहीं किया गया। लोगों ने बाद में बताया कि जहां हर्ष डूबा है वहां पानी की गहराई अधिक है। बता दे की बीते एक दो वर्षों में गंगा में कई घटनाएं हुई जिसमें किशोर से लेकर बुजुर्ग तक की मौत गंगा में डूबने से हो गई हर घटना के बाद जनप्रतिनिधि द्वारा एनडीआरएफ की एक यूनिट की मांग साहिबगंज में स्थापित करने की होती रही लेकिन जिला प्रशासन द्वारा एनडीआरएफ की टीम साहिबगंज में स्थापित करने की के लिए, कई बार समर्थ पत्र भेजने के बावजूद आज तक एनडीआरएफ की एक यूनिट की स्थापना साहिबगंज में नहीं हो सका और आज पुरानी साहिबगंज गंगा तट पर बीकॉम के फाइनल ईयर के एक छात्र गंगा में स्नान करने के क्रम में डूब कर लापता हो गया। एक बार फिर से हो गई गंगा में लापता युवक हर्ष सोनी बिहार के बरौनी का रहने वाला था जो कल शनिवार को राजमहल अपने ननिहाल आया था और अपने मौसी के यहां मांगलिक कार्य में परिवार के लोगों के साथ-साथ हुआ था। आज रविवार को हुए अपने भाई अनुराग कुमार और बहनोई विशाल कुमार सहित तीन अन्य परिजन के साथ मोती झरना घूमने आए और वहां पर स्नान करने का विचार किया कहा कि वहां का पानी उतना साफ नहीं था फिर अचानक से विचार आया कि साहिबगंज गंगा में आकर का स्नान किया जाए और पुरानी साहिबगंज ओझा टोली लंच घाट में स्नान करने के क्रम में अचानक से गंगा में समा गया। बताया गया की घुटनों पर पानी में ही वह गया था और हम लोग अंजान थे किसी लोगों ने नहीं बताया कि पानी की गहराई अधिक है कुछ ही कदम के बाद खाई है और वह हर्ष सोनी को तैरना भी नहीं आता था वह एक कदम बढ़ाया और अचानक से वह पानी में डूबता ही चला गया, हम लोगों ने हल्ला किया लेकिन कोई लोग नहीं थे जो एक थे वह उसको पकड़ नहीं पाया और वह गंगा के गहराई में लापता हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसकी खोजबीन की गई कि प्रशासन के लोग भी गंगा रिवर थाना के पुलिस पदाधिकारी भी आए शुरू की गई खबर लिखे जाने तक लापता युवक की खोज भी जारी थी। अगर यहां पर एनडीआरफ की टीम रहती तो शायद उसके साला की जान बच सकती थी स्थानीय लोगों ने भी इस मुद्दे को लेकर के प्रशासन व सरकार के प्रति एक तरह से दुख प्रकट करते हुए कहा कि कई बार मांग की जाती रही जब-जब घटना दुर्घटना होती है एक बार फिर से याद किया जाता है। वहीं सूत्रों की माने तो जिला प्रशासन द्वारा एनडीआरफ की एक यूनिट स्थापित करने को लेकर विभागीय पदाधिकारी के साथ पत्राचार किया गया है। पुलिस सूत्रों की माने तो गंगा रिवर थाना द्वारा भी एनडीआरएफ की टीम स्थापित करने को लेकर पत्रक के माध्यम प्रशासन को दिया गया।

साहिबगंज जिले में पूरे धूमधाम से ईद-उल-अजहा बकरीद पर्व मनाया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। जिले में पूरे धूमधाम से बकरीद पर्व को मनाया गया। जहां सुबह 7:15 बजे स्टेडियम रोड स्थित कब्रिस्तान में ईद उल अजहा का नवाज अदा किया गया। मौलाना बताते हैं कि ईद अल-अधा, जुलहिज्जा के 10वें दिन और इस्लामी कैलेंडर के 12वें महीने में मनाया जाता है। इस मौके पर ईदगाह या मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की जाती है। इस पर्व पर इस्लाम धर्म के लोग साफ-पाक होकर नए कपड़े पहनकर नमाज पढ़ते हैं और उसके बाद कुर्बानी देते हैं। पूरे साहिबगंज जिले में बकरीद का त्योहार बहुत ही

धूमधाम से मनाया गया। बकरीद को ईद-उल-अजहा, ईद उल जुहा, अथवा ईद उल बकरा के नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार त्याग और इंसानियत का प्रतीक माना जाता है। इस्लाम धर्म में इसे यानी कुर्बानी का त्योहार भी कहा जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक, हर साल की ईद की तारीख चांद की स्थिति पर आधारित होती है। जुलहिज्जा की 10वीं तारीख को ईद-उल-अजहा मनाई जाती है, जो कि रमजान खत्म होने के 70 दिन बाद आता है। वहीं पूरे जिले के ईदगाह में नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे को गले लगा कर ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर्व का बधाई दिया। जहां पुलिस प्रशासन की ओर से ईदगाह, मस्जिद, चौक चौराहे, गली, मोहल्ले, अन्य जगहों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 11 साल बेमिसाल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण पर चर्चा हुई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल की अध्यक्षता में तीनपहाड़ पंचायत के बाबूपाडा में 11 साल बेमिसाल के तहत एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया। जिसमें देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 11 साल बेमिसाल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण पर चर्चा हुई। जिसमें पंचायत से लेकर मंडल स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मार्गदर्शन दिया गया।केन्द्र सरकार के द्वारा महत्वकांक्षी योजना जो गरीब कल्याण के लिए है बिस्तार पूर्ण

जानकारी दी गई। साथ ही साथ जून महीने में भाजपा के द्वारा किया जाने वाला कार्यक्रम की भी जानकारी दी गई। सभी सम्मानित कार्यकर्ता को एक पेड़ मा के नाम पर वृक्षारोपण करने, श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुन्य तिथि मनाने, मंडल स्तर पर योग दिवस कार्यक्रम करना, झारखंड सरकार के विरूद्ध में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक सह जिला महामंत्री गौतम यादव एवं जिला अध्यक्ष सभी सम्मानित मंच ने अपनी बातों को बिस्तर पूर्ण बताया। मौके पर जिला उपाध्यक्ष चन्द्रभान शर्मा, जिला उपाध्यक्ष राजेश मंडल, जिला महामंत्री कुशमाकर तिवारी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष गरिमा साह, पूर्व जिलाध्यक्ष रंधीर सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कमल कृष्ण भगत, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धर्मेंद्र कुमार, जिला मीडिया प्रभारी सोने लाल ठाकुर, जिला मंत्री चांदनी देवी, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, राष्ट्रीय मंत्री ओबीसी मोर्चा कृष्णा महतो, श्रीकांत मंडल, आकाश साह, सुजीत कुमार सभी सम्मानित मंडल अध्यक्ष, इस अभियान की सभी मंडल एवं कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे।

एसपी के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी किशोर तिर्की के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। अनुमंडल पुलिस कार्यालय कक्ष में रविवार 8 जून 2025 को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी किशोर तिर्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी की दिनांक 07 जून 2025 को पुलिस अधीक्षक साहेबगंज अमित कुमार सिंह को संध्या में 07ः00 बजे के करीब गुप्त सुचना प्राप्त हुई की लोहंडा बंद क्रेशर के आसपास कोई व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहा है। युक्त सूचना के आलोक में एसपी के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी किशोर तिर्की के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया। छापामारी टीम के

द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए लोहंडा बंद क्रेशर के पास से एक युवक मनेश्वर मंडल, उम्र 25 वर्ष, पिता- कोशी मंडल, पता- सोती चौकी खुटहरी, थाना- जिरवाबाड़ी,को एक देशी काले रंग का लोहे का डबल बैरल बंदूक जिसका चैंबर सहित बैरल की लंबाई 44 सेंटीमीटर, एवं बट की लंबाई 27 सेंटीमीटर, बंदूक की कुल लंबाई 62 सेंटीमीटर, दोनाली बन्दुक के साथ गिरफ्तार किया गया। इसमें गिरफ्तार युवक मनेश्वर मंडल के द्वारा अन्य लोग के बारे में भी संलिप्तता बताई गयी है जिसमें आगे अनुसंधान की जा रही है एवं अन्य बिन्दुओं पर जाँच पड़ताल की जा रही है। मौके पर छापामारी दल में शशी सिंह पुअनि थाना प्रभारी जिरवाबाड़ी थाना, पुअनि रोहित कुमार जिरवाबाड़ी थाना, पुअनि बिरसा उरांव जिरवाबाड़ी थाना, सअनि मनोज शर्मा जिरवाबाड़ी थाना, हवलदार रविन्द्र ठाकुर जिरवाबाड़ी थाना, आरक्षी धर्मवीर सिंह, जिरवाबाड़ी थाना, शामिल थे।

ईद उल अजहा पर रब की रजा के लिए दी गई कुर्बानी, ईदगाह व मस्जिदों में अदा की गई नमाज

● **लोगों ने मांगी अमन-चैन और देश की तरक्की की दुआ**

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। मुस्लिम धर्मावलंबियों ने शनिवार को ज़िल हिज्जा माह की 10वीं तारीख को ईद उल अजहा का पर्व मनाया। इस दौरान रब की रजा के लिए कुर्बानी दी गई। इसके पूर्व ज़िले भर की मस्जिदों व ईदगाह में ईद उल अजहा की विशेष नमाज अदा की गई। ईद उल अजहा का त्योहार हज़रत इब्राहिम व उनके पुत्र हज़रत इस्माइल और उनके साथ हुए वाकये को याद कर मनाया जाता है। दरअसल पैगंबर हजरत इस्माइल अलैहिस्सलाम को कई बार अपनी प्यारी चीज कुर्बान करने का ख्वाब आया। उन्होंने हर बार अपनी प्यारी चीज कुर्बान की। लेकिन अंत में उन्होंने रब की रजा के लिए अपने पुत्र पैगंबर हजरत इस्माइल अलैहिस्सलाम की कुर्बानी का फैसला किया। इसका जिक्र उन्होंने अपने पुत्र से किया तो हजरत इस्माइल सहर्ष तैयार हो गए। फिर एक खास मुकाम पर हजरत इब्राहिम अपने पुत्र को कुर्बान करने ही वाले थे कि उनके पुत्र की जगह एक दुम्बा आ गया। रब और उनके पैगम्बरों के बीच मोहब्बत का ये वाकया तब से ईद उल अजहा के तौर पर मनाया जाता है। इधर मुख्यालय स्थित ईदगाह में जमा मस्जिद के पेश इमाम मुफ्ती अंजर हुसैन कासमी ने नमाज पढ़ाई। इसके पूर्व उन्होंने अपनी तकरीर में कहा कि दुनिया की मोहब्बत रब की मोहब्बत से बड़ी नहीं होनी चाहिए। कुर्बानी हमें इसकी सीख देता है। कुर्बानी सीख देती है कि सांसारिक संपत्ति और रिश्तों को महत्व रब की मोहब्बत से बड़ी नहीं होनी चाहिए। वहीं दुनिया में अपनी जिम्मेदारियों का सबक भी सिखाती है। वहीं कुलीपाड़ा मस्जिद के पेश इमाम हाफिज अबरार हुसैन व मस्जिद ए मुस्तफा के पेश इमाम हाफ़िज़ महमूद आलम व अन्य मस्जिदों में वहां के पेश इमाम ने नमाज पढ़ाई। हबीबपुर मस्जिद के पेश इमाम हाफ़िज़ अब्दुल बारी ने नमाज पढ़ाई। नमाज के उपरांत लोगों ने अमन-चैन व देश की तरक्की की दुआ मांगी। राजमहल संवाददाता के अनुसार प्रखंड क्षेत्र में ईद-उल-अजहा का पर्व शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अहले सुबह से ही ईदगाह में नमाजियों की भीड़ उमड़ने लगी थी। शहर के नयाबाजार मोगलानी चक ईदगाह, फुलवरिया ईदगाह, अकबरी मस्जिद, कासिम बाजार, जामी मस्जिद, कसाई मोहल्ला, पुन्नी टोला, महाजन टोली, रजवाड़ा, नवाब ड्योढ़ी आदि एवं प्रखंड क्षेत्र के लखीपुर, बेगमपुर, बेंगाडुब्बी, मनसिंघा, जामनगर, कोयला बाजार, जामनगर, मुगीटोला मनसिंघा, करबला, बरबन्ना, झुमरदी टोला, आलमपुरा आदि विभिन्न गांव के ईदगाह और मस्जिद में लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर नमाज अदा की और अमन चैन की दुआ मांगी। नमाज से पहले तकरीर में काजी ने भाईचारे एवं सद्भाव का पैगाम दिया और बुराइयों से दूर रहकर नेकी की राह पर चलने की सीख दी। इधर ऐतिहासिक पर्यटक स्थलों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने सिंघीदलान स्वर्ण जयंती पार्क, जामी मस्जिद, बारहद्वारी व अन्य धरोहरों का दीदार किया। बरहरवा संवाददाता के अनुसार मुस्लिम समुदाय का पर्व ईद उल अजहा बरहरवा, पतना व आस-पास के इलकों में सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। बरहरवा मस्जिद चौक में मौलाना हयातूर रहमान ने बकरीद की नमाज अदा कराई। नमाज के बाद लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी। इधर कोटालपोखर स्थीत मस्जिद, हाटपाड़ा बड़ी मस्जिद सहित सभी मस्जिदों में नमाज अदा की गई। वहीं उधवा, बोरियो, मंडरो, तालझारी, तीनपहाड़, बरहेट में भी पर्व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया।

चाक-चौबंद रही सुरक्षा व्यवस्था

ईद उल अजहा के मौके पर सदर सीओ बासुकीनाथ टूडू, एसडीपीओ किशोर तिर्की, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, मुफस्सिल थाना प्रभारी मदन कुमार सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। राजमहल में एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में शहर सहित प्रखंड के विभिन्न मस्जिदों व ईदगाह में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस बल सहित पदाधिकारी गण मुस्तैदी से मौजूद थे। साथ ही थाना प्रभारी गुलाम सरवर भी लगातार क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे थे। बरहरवा में थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी व दंडाधिकारी तैनात थे।

जहरीले सांप के काटने से वह मूर्छित हो गई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के कोटालपोखर पंचायत अंतर्गत चौरा आदिवासी टोला की मंगली किस्कू 17 वर्षीया के पैर में जहरीले सांप के काटने से वह मूर्छित हो गई। जिससे उसकी हालत नाजुक बन गई। मिली जानकारी के अनुसार मंगली किस्कू अहले सुबह बहियार शौच करने गई थी और वापसी के दौरान किसी जहरीले सांप ने उसके दाएं पैर के उंगली में काट लिया। घर आकर उसने अपनी मां को बताया। इसी दौरान वह मूर्छित होने लगी तो परिजनों ने आनन-फानन में इलाज के लिए हिरणपुर अस्पताल ले गए। जहां उसका चिकित्सकों के देखरेख में इलाज चल रहा है।

आपसी विवाद में हुई मारपीट में दो लोग घायल हो गए

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। उधवा राधानगर थाना क्षेत्र के चांद शहर गांव में आपसी विवाद में हुई मारपीट में दो लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार असीम शेख के पुत्र दावत इस्लाम शेख व कासिम शेख का पड़ोसी के साथ किसी बात को लेकर कहा सुनी होते-होते बात मारपीट तक पहुंच गया। जिसमें दोनों भाई घायल हो गया। जिसे परिजनों की मदद से इलाज के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने घायल दोनों भाई का इलाज किया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

खेल का उद्घाटन प्रखंड अध्यक्ष अशोक दास ने किया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। रविवार को बरहरवा प्रखंड अंतर्गत सिरासिन गांव में दो दिवसीय प्रो कबड्डी लीग सीजन 14 का आयोजन किया गया इस खेल का उद्घाटन प्रखंड अध्यक्ष अशोक दास ने किया। प्रो कबड्डी लीग में कुल 8 टीमों ने भाग लिया। कबड्डी लीग का पहला मैच अबराटोला बनाम सिरासिन के बीच खेला गया। इस

मैच में 50 मिनट का खेल में किसी भी टीम को कामयाबी हासिल नहीं हुई अंततः कमेटी की ओर से यह निर्णय लिया गया कि टॉस जीतने पर एक पॉइंट मिलेंगे साथ ही अतिरिक्त खेल 10 मिनट का और समय दोनों टीमों को दिया गया, एवं जो टॉस हारेगा पहले उस टीम के खिलाड़ी को रेड करने जाना पड़ेगा यह निर्णय लेने के बाद दोनों टीमों के बीच टॉस कराया गया टॉस में सिरासिन टीम की जीत हुई। 10 मिनट का पॉइंट का खेल मे सिरासिन टीम को रेड करके तीन अंक मिला इस प्रकार सिरासिन टीम को टॉस में एक अंक और रेड मारके तीन अंक कुल सिरासिन टीम को चार अंक मिला। इस तरह से सिरासिन टीम को चार अंक के साथ विजय घोषित किया गया। इस मैच को देखने के लिए दूर-दराज से हजारों लोग उपस्थित हुए। फाइनल मैच जीतने पर विजेता टीम को 207 लीटर का फ्रिज साथी ही एक मेडल से पुरस्कृत किया जाएगा एवं उपविजेता टीम को 192 लीटर का फ्रिज साथी ही एक मेडल से पुरस्कृत किया जाएगा। खेल के संचालन में सिरासिन युवा कमेटी के वासिम शेख, मालेक शेख, वसीम अकरम, जमरूल शेख मुख्य रूप से सहयोग दिया।

एनएचआई व एसडीओ के साथ जल जमाव की समस्या का विधायक ने लिया जायजा, बरसात से पूर्व राजमहल- उधवा सड़क किनारे जल निकासी का होगा स्थाई समाधान - विधायक

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। राजमहल फुलवरिया चौक से उधवा चौक के बीच एनएचआई सड़क के किनारे हो रहा है जल जमाव की समस्या से निजात दिलाने के लिए एनएचआई के पदाधिकारी , अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, सीओ जयंत तिवारी के साथ राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने स्थलों का जायजा लिया। बीते दिनों हुई बारिश में उधवा चौक के आसपास जल जमा होने से कई घरों में पानी प्रवेश कर गया था जिससे लोगों की आम जनजीवन प्रभावित हो गई थी। जल निकासी की स्थाई समाधान को लेकर पदाधिकारी को विधायक ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अभियंताओं की टीम ने जल निकासी का व्यवस्था पर तकनीकी सुझाव दिया। विधायक ने कहा कि लोगों का आम जनजीवन जल जमाव के कारण नहीं प्रभावित हो इसका ध्यान रखते हुए बरसात से पूर्व समाधान निकाले। वहीं मुख्य सड़क के किनारे विद्युतीकरण से जुड़ी समस्या पर भी विभागीय अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए कि इसका त्वरित समाधान हो। मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड एवं पंचायत के पदाधिकारी व स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

रात के अंधेरे में चोरों ने वेन से उड़ाई डीजे की सामग्री

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ प्रखंड अंतर्गत धर्मपुर पंचायत के पाराखारों गांव में चोरों ने एक वेन से डीजे की कीमती सामग्री चुरा ली। घटना उस समय हुई जब पीड़ित नीलेश कुमार ने अपनी गाड़ी में डीजे समेत अन्य सामान रखकर उसे तिरपाल से ढंक दिया और सोने चले गए। सुबह उठने पर उन्होंने देखा कि गाड़ी की रस्सी कटी हुई है और डीजे का सारा सामान गायब है। चोरी गए सामानों में दो मशीनें, मिक्सर मशीन सहित करीब दो लाख रुपये मूल्य के उपकरण शामिल हैं। इस संबंध में पीड़ित ने जमुआ प्रशासन को आवेदन सौंपकर जांच और कार्रवाई की मांग की है। घटना को लेकर जमुआ साउंड संगठन के सक्रिय सदस्य किशोर वर्मा ने प्रशासन से शीघ्र टीम गठित कर मामले के उद्भेदन की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी समाज सेवा व स्वास्थ्य जागरुकता को लेकर चलाया अभियान

● एसोसिएशन के तहत गरीब बच्चों कि मदद करना उद्देश्य

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग में पुलिस के बिभिन्न पदो से सुशोभित करने के पश्चात सेवानिवृत्त कर्मीयों की एक बैठकशिव प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में हुई।सेवानिवृत्त कर्मी एक स्वर में कहा गया हम सभी ने सेवा काल में समाज से जुड़ा कार्य करते रहे हैं और आगे भी सेवा करना जारी रखने से लोगों को मदद भी मिलेगा और कार्य करते रहने से स्वास्थ्य सुदृढ़ रहेगा।एक स्थान पर पहुंचकर एक साथ जुड़कर कार्य करना आपसी सहयोग से ही संभव है।गरीब,बिरहोर बच्चों को शिक्षा सामग्री,खाद्य सामग्री आर्थिक मदद देकर शिक्षा के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक छोटा प्रयास होगा।सेवा निवृत कर्मी घर,परिवार,बच्चों की तय जवाबदेही से मुक्त तो हो जाता है किन्तु स्वास्थ्य को लेकर सजग नहीं रह पाता।स्वास्थ्य पर विचार एक दूसरे को सहयोगी बनने की दिशा में एक पहल है।मुख्यतः सेवा भावना जागृत बनाये रखना मुख्य उद्देश्य है।संगठन का पंजीकरण होगा और एसोसिएशन में शामिल सबों का हेल्थ इन्शोरेन्श कराना आवश्यक हैं।

चतरा उपायुक्त कृतिश्री ने माता भद्रकाली मंदिर में की पूजा अर्चना

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा) जिला उपायुक्त कृति श्री जी रविवार को जिले के ऐतिहासिक पावन धर्मस्थली भद्रकाली मंदिर पहुंचकर जग जननी मां भद्रकाली की पूजा अर्चना की । इस मौके पर उन्होंने माता भद्रकाली के अलावे मंदिर परिसर अवस्थित सहस्त्र शिवलिंग महादेव मंदिर , राम जानकी मंदिर , कोटेश्वर नाथ मंदिर , समेत अन्य देवालयों में भी पूजा अर्चना की । उन्होंने माता भद्रकाली की पूजा अर्चना के पश्चात जैन मंदिर पहुंची वहां भी पूजा अर्चना की । मौके पर मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों ने उपायुक्त को माता भद्रकाली का स्मृति चिह्न भेंट किया। इस मौके पर उनके साथ उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा , खेल पदाधिकारी तुषार राय , प्रखंड विकास पदाधिकारी इटखोरी सोमनाथ बांकिरा, डॉ. मृत्युंजय सिंह ,एसआई दिलबाग सिंह,सुरेंद्र कुमार सिंह,नागेश्वर यादव ,दीपक गिरी हिंदुस्तानी समेत अन्य उपस्थित थे।

वाहनों की सेफ्टी बढ़ाने में काम आएगी एम्प्री के वैज्ञानिक डॉ. दिपेन की रिसर्च

● मैग्नीशियम, जिंक और एलुमिनियम से बने फोम मेटल से हल्की व मजबूत बन सकेगी कार की बॉडी

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
प्रिंस मिश्रा
वैसे तो डिफेंस और कार से जुड़े उपकरण बनाने के लिए कई तरह की धातुओं का इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ और प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री) के वैज्ञानिक ने मैग्नीशियम, जिंक और एलुमिनियम का इस्तेमाल कर एक ऐसा मेटल फोम तैयार किया है, जो वाहनों की मजबूत बॉडी बनाने में मददगार साबित होगा

सं स्थान के निदेशक डॉ. बल्लाडा भास्कर ने बताया कि एम्पी में अलग तरह का मेटल फोम तैयार किया गया है। एक बहुत ही हल्का और मैग्नीशियम एलॉय बेस्ड क्लोस्ड सेल मेटल फोम है। इस धातु को मैग्नीशियम, जिंक और एलुमिनियम

के मिश्रण से बनाया है। औद्योगिक स्तर पर भी इसका बड़े स्तर पर उत्पादन किया जा सकता है। इस मेटल की खास बात है कि यह हल्का और अत्यधिक मजबूत है। इस धातु को संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. दिपेन कुमार रजक ने बनाया है। यह स्वदेशी मेटल विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण खोज साबित होगी।

लिक्विड मेट्रोलॉजी तकनीक से तैयार किया मेटल फोम

डॉ. रजक ने बताया कि मेटल फोम एक स्ट्रक्चरल बेस मेटल है। इस मेटल का इस्तेमाल खासतौर से किरारी भी चीज का डांचा बनाने के लिए किया जाता है। यह ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस या पानी वाले जहाज के इंटीरियर को बनाने में काम आ सकता है। इसे बनाने में सबसे कम कंपाउंड वाले मैग्नीशियम का इस्तेमाल किया जाता है। यह अन्य मेटल की तुलना में सबसे हल्का होता है। इसे फोम स्ट्रक्चर में बनाया गया है, जिसे हाइड्राइड कैमिकल के जरिए तैयार किया जाता है। इस मेटल को एक निश्चित तापमान में बनाया जाता है। इसे पहले निष्क्रिय आर्गन गैस के नियंत्रण में बनाया जाता है, ताकि हवा से मिलकर किसी तरह का रिएक्शन न हो सके। इसका उपयोग न केवल भार को कम करता है. बल्कि ईंधन की खपत में भी कमी लाता है। इस एलीय की सफलता भारत के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह विशेषकर रक्षा तकनीक में एडवांस्ड मेटल साबित होगा।

ईवी कार फ्रेम स्ट्रक्चर में फोम मेटल का हो सकता है इस्तेमाल

डॉ. रजक ने बताया कि मैग्नीशियम से तैयार हुए मेटल फोम का इस्तेमाल खासतौर से इलेक्ट्रिक गाड़ियों में हो सकेगा। आमतौर पर अभी कार का जो स्टुक्यर बनता है, उसमें मौजूद केश बॉक्स लोहे का होता है, लेकिन जब भी किसी कार का एक्सीडेंट होता है तो वह ज्यादा क्षतिग्रस्त ही जाती है। लेकिन मैग्नीशियम मेटल फोम फिल्ड कैश बॉक्स बनाया जाए तो यह गाड़ियों की सुरक्षा के लिहाज से काफी कारगर साबित होगा। एक्सीडेंट दो तरह के होते हैं एक जब आप तेजी से टकराते हैं तो शॉक एनर्जी के रूप में
काम करती जैसे एक फोम करता है। मैग्नीशियम मेटल फोम का इस्तेमाल कार के कैश बॉक्स के साथ करेंगे तो वह मजबूत होगा। मैग्नीशियम से तैयार हुए इस मेटल फोम का काम सिर्फ सेफ्टी ही नहीं है, यह वाइब्रेशन को भी कम करता है। उदाहरण के तौर पर जैसे भारी इक्विपमेंट को माउंट करना हो और जमीन पर भी इसे बिछाया जाए तो यह कंपन को कम करता है। इसे डिफेंस सेक्टर में बंकरों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा इस धातु का फोम बेस्ड स्ट्रक्बर साउंड प्रूफ का भी काम करता है.

विश्व के 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल डॉ. रजक

दिपेन कुमार 2013 से रिसर्च फील्ड में हैं। उन्होंने 2023 में इस एलॉय पर रिसर्च करना शुरू किया। वे सीएसआईआर-एम्पी भोपाल में बतौर वैज्ञानिक कार्यरत हैं। उन्हें साल 2022, 2023 और 2024 में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के सर्वे में विश्व के 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की लिस्ट में शामिल किया गया है.

एनएसएस पर आधारित जितेन्द्र कुमार की पुस्तक का रांची विश्वविद्यालय में लोकार्पण

गिरिडीह, प्रतिनिधि। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) पर आधारित पुस्तक नेशनल सर्विस स्कीम ऑन्स एनएसएस वॉलंटियर इज ऑलवेज एनएसएस वॉलंटियर का भव्य लोकार्पण किया गया। यह पुस्तक बिरनी प्रखंड के झांझ गांव निवासी शिक्षक नागेश्वर प्रसाद के पुत्र जितेन्द्र कुमार द्वारा लिखी गई है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) अजीत कुमार सिन्हा ने पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि एनएसएस युवाओं को समाज के प्रति जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने पुस्तक को एनएसएस की भावना और सेवाभावना के दस्तावेजीकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया। पुस्तक में लेखक ने एनएसएस के साथ अपने जुड़ाव, समाज सेवा में सक्रिय भागीदारी, बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने तथा राष्ट्रीय युवा महोत्सव में तीन बार पदक विजेता बनने तक की यात्रा को आत्मकथात्मक शैली में प्रस्तुत किया है। इसके अतिरिक्त, पुस्तक में एनएसएस की स्थापना से लेकर वर्तमान स्वरूप तक की रूपरेखा और विभिन्न स्वयंसेवकों के अनुभवों को भी संकलित किया गया है। इस अवसर पर छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष डॉ. सुदेश कुमार साहू, राज्य एनएसएस पदाधिकारी एवं विश्वविद्यालय समन्वयक डॉ. ब्रजेश कुमार, अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. पूनम निगम सहाय सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक, स्वयंसेवक एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन में लेखक जितेन्द्र कुमार ने कहा कि यह पुस्तक उनके लिए सिर्फ एक लेखन कार्य नहीं, बल्कि एक सपने के साकार होने जैसा है। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में भी एनएसएस के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में निरंतर सक्रिय रहेंगे।

उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटखोरी का किया औचक निरीक्षण

● बढ़ रहे कोरोना के मरीजो को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारी दुरूस्त करने का निर्देश

● चिकित्सक एवं कर्मी मरीजों के प्रति सहयोगपूर्ण, संवेदनशील एवं मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करें

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त चतरा कीर्तिश्री ने रविवार को इटखोरी प्रखंड क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सुमित कुमार जयसवाल से स्वास्थ्य केंद्र में दी जाने वाली सुविधाओं की स्थिति की जानकारी ली। विशेष रूप से उन्होंने रोस्टर के अनुसार चिकित्सकों की ड्यूटी, जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता, ओपीडी, प्रसव कक्ष, चिकित्सक कक्ष,उपकरणों की क्रियाशीलता,ए.एन.एम की वर्तमान संख्या,स्वास्थ्य केंद्र के भवन की स्थिति,मेडिकल उपकरणों की स्थिति,एक्स रे मशीन की स्थिति आदि का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने कहा प्रतिनियुक्त मानव बल का पूर्ण

उपयोग हो तथा स्वास्थ्य केंद्र में रोस्टर ड्यूटी का सख्ती से पालन हो इसका खाश ख्याल रखें। उन्होंने रात के दौरान ड्यूटी को कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने विशेष रूप से स्वच्छता, दवाइयों की उपलब्धता, डॉक्टरों और कर्मचारियों की उपस्थिति तथा आपातकालीन सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में 30 बेड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 7 मरीज भर्ती थे तथा प्रतिदिन की ओपीडी की संख्या की जानकारी लेते हुए उन्होंने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के कार्यशैली की सराहना की आगे उन्होंने आमजन तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में और भी बेहतर ठोस पहल करने के निर्देश दिए।उपायुक्त ने निर्देशित किया कि सभी चिकित्सक एवं कर्मी मरीजों के प्रति सहयोगपूर्ण, संवेदनशील एवं मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करें ताकि मरीजों की संतुष्टि और अस्पताल में उपस्थिति दोनों में और भी ज्यादा वृद्धि हो सके। साथ ही देश में बढ़ रहे कोरोना के मरीजो को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारी दुरूस्त करने की भी बात कही और सुविधाओं को दुरुस्त करने हेतु आवश्यकताओं का प्रस्ताव बनाकर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिससे इलाज कराने आए मरीजों को बेहतर से बेहतर इलाज सेवाएं मिल सके। निरीक्षक के दौरान उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, प्रखंड विकास पदाधिकारी इटखोरी , प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सुमित कुमार जयसवाल, जिला खेल पदाधिकारी सह जन शिकायत कोषांग के नोडल पदाधिकारी तुषार रॉय समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

दीपक श्रीवास्तव ने किया 63 केवीए का ट्रांसफार्मर उद्घाटन

डुमरी, प्रतिनिधि। प्रखंड के अतकी पंचायत के बंगाली टोला में बीते एक सप्ताह से 25 केवीए ट्रांसफार्मर खराब होने की जानकारी ग्रामीणों द्वारा भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दीपक श्रीवास्तव को देने के बाद भाजपा नेता ने विद्युत विभाग के पदाधिकारी से बात कर 63 केवीए का ट्रांसफार्मर उपलब्ध करवाया जिसका लोकार्पण रविवार को भाजपा नेता ने फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया। इस दौरान अतकी पंचायत के उपमुखिया बासुदेव महतो, लालजीत रजक, तुलसी रजक, गणेश रजक, रामप्रसाद रजक, विनोद रजक, पुनीत महतो, दीपक रजक आदि उपस्थित थे।

पूर्व विधानसभा स्पीकर के करीबी सह युवा समाजसेवी मुन्ना कुमार की आकस्मिक मौत से क्षेत्र में शोक संतप्त

● वहीं इस दौरान हनुमान दूत कहे जाने वाले वानर भी इस दुखद घड़ी में शव के साथ घर से लेकर मरघट तक दिखें...

आदिवासी एक्सप्रेस/कृष्णा गोस्वामी
देवघर। चित्रा थाना अंतर्गत ब्रम्हसोली निवासी मुन्ना कुमार सिंह विगत दिनों से तबियत खराब रहने के कारण उनका इलाज रांची के किसी निजी अस्पताल में कराया जा रहा था। जिसको क्षेत्र के विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह भी पहुंचे थे। जबकि वहीं रविवार को मुन्ना कुमार ने अंतिम सांस ली। बताया जाता है की वहीं उनकी मृदुभाषी व सरल स्वभाव के धनी जाने जाते थे। वहीं पूर्व विधानसभा स्पीकर शशांक शेखर भोक्ता के काफ़ी करीबी माने जाते थे। बताया जाता है की मुन्ना कुमार की अंतिम शव यात्रा निकाली जा रही थी। इसी दौरान रोते बिलखते परिजनों के अलावा हनुमान दूत कहे जाने वाले एक वानर की मौजूदगी देखी गई। जिसके बाद उक्त वानर उस शव के साथ मानों विलाप मुद्रा में देखने को मिलें। वहीं इन सब चीजों को देख परिजन सहित आसपास शुभचिंतक हैरान हैं।
वहीं इस दुखद समाचार सुनकर आसपास सहित क्षेत्र के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। जबकि पूर्व विधायक रणधीर कुमार सिंह के पूर्व विधानसभा स्पीकर शशांक शेखर भोक्ता ने घटना की सूचना पाकर उनके आवास पहुंचे व परिजनों को ढांढस बंधया।

बड़ी हीं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई खुशियों का त्योहार ईदुल अजहा

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
उंटारी रोड, पलामू। जिले के उंटारी रोड प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिंदुआ डेवडर में आज तारीख़ 7/6/ 2025 दिन शनिवार को सुबह 7 बजे से 9 बजे तक पूरे झारखंड समेत पलामू जिले उंटारी रोड प्रखंड अंतर्गत ग्राम बिंदुआ डेवडर में बड़ी हीं हसी खुशी एवं धूम धाम से ईदुल अजहा का त्योहार मनाया गया बिंदुआ डेवडर ईदगाह पर सैकड़ों लोगों ने नमाजे अदा की और सभी लोगों ने एक दूसरे को गले लगाया और खूब मुबारक बाद भी दिए अभी तक कहीं से भी कोई अप्रिय घटना का समाचार नहीं मिला है उंटारी रोड थाना से आए हुए,स्ढ्ढ (ए एस आई) मुन्ना लाल जमुदा अपने दल बल के साथ बिंदुआ डेवडर ईदगाह पर आए यानि पुलिस के जवान के साथ आए और खूब अच्छे अंदाज़ में सभी जवानों ने अपनी ड्यूटी निभाई मौके पर 20 शुत्री अध्यक्ष अशोक सिंह और सभी लोगों को गले लगाया और मुबारक बाद भी दिए इन सभी पुलिस के जवानों ने इतने अच्छे अंदाज़ में अपने आप को पेस किया कि सभी का दिल जीत लिया और,स्ढ्ढ मुन्ना जी ने कहा कि मैने बिंदुआ गांव के जैसा शांति और सुकून से त्योहार मनाते कही नहीं देखा इसलिए यहां के लोगों को मैं फिर से एकबार मुबारक बाद देता हूं.

बारहवीं बोर्ड के बाद की पढ़ाई के लिए जामिया मिलिया द्वारा आयोजित परीक्षा में आदिल पूरे देश में तीसरे स्थान पर

जमुआ, प्रतिनिधि। जामिया मिलिया इस्लामिया विश्विद्यालय दिल्ली की स्नातक में प्रवेश परीक्षा में जमुआ प्रखंड के काजी मघा का मो आदिल आलम देश स्तर पर टॉप टेन में तीसरे स्थान पर रहा। बताते चलें कि सामान्य वर्ग

के कोटे से बिना किसी आरक्षण की बैसाखी के तीसरे स्थान पर रहा आदिल। इधर बारहवीं बोर्ड में अपने स्कूल में भी टॉपर रहा। प्रतिष्ठित संस्थान जामिया मीलिया की राष्ट्रीय स्तर की इंट्रेंस में सफलतम तीसरे स्थान पर सफलता के परचम आदिल द्वारा लहराने से जमुआ में खुशी की लहर है। प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष मो जुनैद,कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष मो निजामुद्दीन, जनता की आवाज के महासचिव अनुज सेठ, विवेक कुमार, उप प्रमुख रब्बुल हसन रब्बानी, सामाजिक कार्यकर्ता मो फरीद आलम, वाज़िद अली ने इस मौके पर आदिल को शुभकामनाएं देते हुए आगे बढ़ने और देश स्तर पर कामयामी के झंडे लहराने को कहा है। इस बाबत आदिल ने बतलाया कि सुनियोजित तैयारी, कॉन्फिडेंस, अभिभावकों और शिक्षकों का मार्गषण और दुआएं कभी बेअसर नहीं होती। कहा कि दुआ करें और भी कामयाबी प्राप्त कर देस का नाम रोशन करें और सबके लिए कुछ न कुछ करें।

मंत्री, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, नगर विकास एवं आवास, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड सुदिव्य कुमार ने 7 करोड़ की लागत से निर्माण होने वाले एवं शहरी विकास से जुड़े 45 योजनाओं का किए शिलान्यास

● मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि इन योजनाओं के निर्माण के बाद शहर के लोगों को जलसंकट से राहत मिलेगी, साथ ही यह योजनाएं शहर के विकास में अहम जिम्मेवारी निभाएंगे ● इन योजनाओं में एचवाईडीटी का अधिष्ठापन, नाली निर्माण, पीसीसी निर्माण, पाइपलाइन आदि योजना शामिल हैं

गिरिडीह, प्रतिनिधि। झंडा मैदान के समीप स्थित विवाह भवन में आयोजित कार्यक्रम में गिरिडीह शहरी विकास से जुड़े एवं शहरी जल समस्या के निदान हेतु 7 करोड़ रुपए के लागत से बनने वाले 45 योजनाओं का शिलान्यास मंत्री, नगर विकास, झारखंड सुदिव्य कुमार एवं गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर एवं नारियल फोड़ कर किया गया। इन योजनाओं में एचवाईडीटी का अधिष्ठापन, नाली निर्माण, पीसीसी निर्माण, पाइपलाइन आदि योजनाएं शामिल हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा

कि वर्तमान में पेयजल आपूर्ति से होने वाली समस्याओं के समाधान हेतु जिले के अलग अलग चयनित स्थानों पर नए प्लांट का स्थापना किया जाएगा, जिसे अलग अलग सेक्टर में बांटते हुए शहर में जलापूर्ति की जाएगी। इसे लेकर रूप रेखा तैयार कर लिया गया है और इसका टेंडर जारी कर जल्द ही काम शुरु किया जाएगा। इससे जुड़े एवं शहरी विकास से जुड़े 45 योजनाओं जो कि 7 करोड़ की लागत से बनने जा रहा है, इसका आज शिलान्यास किया जा रहा है। उन्होंने निगम के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि संवेदक जब तक पेयजल आपूर्ति योजनाओं को पूर्ण नहीं कर लेते हैं और जब तक नल से जल नहीं आ जाता है, तब तक उनका भुगतान नहीं करें। लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचना हमारी प्रथमिकता है। जनता को इसका लाभ मिले इसे आवश्यक रूप से सुनिश्चित किया जाए। इन योजनाओं कार्यान्वयन में संवेदक की कोताही बिल्कुल नहीं बख्शी जाएगी और ना ही इन योजनाओं के गुणवत्ता से कोई खिलवाड़ किया जाएगा। इसलिए अगर कही भी कोई शिकायत मिलती है तो इस पर आवश्यक कार्रवाई करें। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि वर्तमान में शहरी विकास के लिए 45 योजनाओं का शिलान्यास किया जा रहा है, जो कि शहरी क्षेत्र के लोगों के लिए अत्यंत आवश्यक है। इन योजनाओं के निर्माण के बाद यहां के लोगों को इसका पूरा लाभ मिलेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि यहां के लोगों के मुख्य समस्या में से एक पानी एक समस्या है, जिसके निराकरण के लिए सरकार द्वारा योजनाओं का निर्माण कराया जा रहा है और वे पूरा प्रयास करेंगे कि इन योजनाओं को अच्छे से धरातल पर उतारें, जिससे लोगों को इसका लाभ मिल सके। आमजनों की समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है और निश्चित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण कार्य संपादित करते हुए जल्द से जल्द लोगों तक योजनाओं को पहुंचना ही जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। मौके पर उपरोक्त के अलावा उप नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त, संबंधित विभाग के जेई, विभिन्न राजनीतिक दल के लोग सहित विभाग के कई कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव फिक्सका आरोप हास्यास्पद, कार्यकर्ताओं का भी अपमान : आयोग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव फिक्स होने के आरोप का करारा जवाब देते हुए रविवार को कहा कि पूरी दुनिया जिस चुनाव प्रणाली की प्रशंसा करती है उसे बदनाम करने का प्रयास हास्यास्पद और अपने दल के राजनीतिक कार्यकर्ताओं का भी अपमान है।

श्री गांधी ने शनिवार को एक अखबार में अपने लेख में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को फिक्स बताते हुए आयोग से अपने सवालों पर जवाब मांगा था जिस पर चुनाव आयोग ने आज कहा,÷सभी भारतीय चुनाव कानून के अनुसार संचालित होते हैं। भारत में जिस पैमाने और जिस सटीकता के साथ चुनावों का संचालन होता है पूरी दुनिया में उसकी व्यापक रूप से प्रशंसा की जाती है। मतदाताओं द्वारा दिए गए किसी भी प्रतिकूल फैसले के बाद, यह कहकर निर्वाचन आयोग को बदनाम करने की कोशिश करना कि यह पहले से तय था, पूर्णतः हास्यास्पद है। आयोग ने यह भी कहा कि पूरा देश जानता है कि निर्वाचक नामावली तैयार करने, मतदान और मतगणना आदि सहित हरेक चुनावी प्रक्रिया मतदान केंद्र से लेकर निर्वाचन क्षेत्र स्तर तक राजनीतिक दलों तथा उम्मीदवारों द्वारा औपचारिक रूप से तैनात अधिकृत प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सरकारी कर्मचारी निष्पादित करते हैं। आयोग ने कहा कि किसी के भी द्वारा फैलाई गई कोई भी गलत सूचना न केवल कानून के प्रति अनादर है बल्कि इससे उनके स्वयं के राजनीतिक दल द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों का भी अपमान होता है। इस तरह के प्रयास से वे लाखों चुनाव कर्मचारी भी हतोत्साहित होते हैं जो चुनावों के दौरान बिना थके और पारदर्शी तरीके से काम करते हैं। श्री गांधी को दिए अपने जवाब में आयोग ने यह भी कहा कि इस बारे में पहले उठाए गये सवालों का जवाब निर्वाचन आयोग पिछले वर्ष 24 दिसंबर को ही कांग्रेस को दे चुका है। आयोग ने जवाब में ये सभी तथ्य रखे थे जो आयोग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। प्रतीत होता है कि बार-बार ऐसे मुद्दे उठाते समय इन तथ्यों को नजरअंदाज किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने श्री गांधी के चुनाव फिक्स होने संबंधी हर सवाल का बिंदुवार जवाब देते हुए खंडन किया है और कहा है कि जो भी आरोप लगाए गये हैं वे निराधार हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करने पर कांग्रेस का मोदी को फिर घेरने का प्रयास

नई दिल्ली। कांग्रेस ने लंबे समय बाद रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेस के सीधे सवालों का सामना नहीं करने का मुद्दा उठाया और कहा कि 11 साल से किसी शासनाध्यक्ष का प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करना औचित्य पूर्ण नहीं है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने यहां एक बयान में कहा कि हर देश का शासनाध्यक्ष समय-समय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते ही हैं। पर, हमारे प्रधानमंत्री को प्रेस के सीधे सवालों का सामना किए हुए 11 साल हो चुके हैं। उन्होंने कहा,पिछले साल चुनाव प्रचार के दौरान श्री मोदी ने मीडिया इंटरैक्शन को एक शो की तरह प्रोड्यूस, डायरेक्ट और स्क्रिप्ट किया - जिसमें उन्होंने खुद को नॉन-बायोलॉजिकल बताने वाला चर्चित दावा भी किया था। लेकिन अब तक उन्होंने कभी भी बिना एडिटिंग, बिना स्क्रिप्ट वाली एक भी असली प्रेस मीटिंग करने का साहस नहीं दिखाया। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, यह उनके पूर्व प्रधानमंत्रियों से बिल्कुल उलट है। जिनसे वे विशेष रूप से नफरत करते हैं, वे तो लगभग हर दूसरे महीने बेधड़क प्रेस कॉन्फ्रेंस करते थे, जहां उनसे कठोर सवाल पूछे जाते थे और वे गंभीरता तथा संयम से जवाब देते थे। हमारे लोकतंत्र की बुनियादें ऐसी ही संवाद परंपराओं से मजबूत हुई है।÷

देश के आर्थिक विकास में अहम योगदान दे रहीं महिलाएं : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों में महिलाएं देश में प्रगति की प्रमुख चालक के रूप में उभरी हैं और नरेंद्र मोदी सरकार ने नारी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं। वित्त मंत्री ने 'सशक्त नारी के 11 वर्ष' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन योजना प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत खोले गए 55.7 प्रतिशत खाते महिलाओं के पास हैं, जो जमीनी स्तर पर उनके सशक्तिकरण को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि देश भर में मुद्रा लोन लाभार्थियों में 68 प्रतिशत महिलाएं हैं। इन लोन ने लाखों महिलाओं को उद्यमी बनने और स्वतंत्र रूप से अपने सपनों को साकार करने में सक्षम बनाया है। वहीं, स्टार्ट-अप इंडिया उद्यमी योजना के तहत लाभ पाने वालों में से 74 प्रतिशत महिलाएं हैं। इसके अलावा, गरीबों के लिए पीएमएवाई (ग्रामीण) योजना के तहत 73 प्रतिशत घरों का स्वामित्व महिलाओं के पास है। वित्त मंत्री ने बताया कि उज्ज्वला योजना के तहत गरीब महिलाओं को 10 करोड़ एलपीजी कनेक्शन दिए गए हैं। ये उनके लिए एक बड़ा वरदान साबित हुए हैं, क्योंकि इससे उनका जीवन आसान हुआ है और स्वास्थ्य लाभ भी मिला है। साथ ही, उन्हें लकड़ी और अन्य ईंधन जैसे कि गोबर के हानिकारक धुएं से मुक्ति मिली है, जिसका उपयोग पहले खाना पकाने के लिए किया जाता था। जन धन योजना वित्तीय समावेशन में एक बड़ी सफलता रही है। इस योजना के तहत खोले गए खातों में मार्च 2015 में प्रति खाते औसत बैंक बैलेंस 1,065 रुपए था, जो अब बढ़कर 4,352 रुपए हो गया है। मौजूदा समय में करीब 80 प्रतिशत जन धन खाते सक्रिय हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में 66.6 फीसदी जनधन खाते खोले गए हैं, जिनमें से 29.56 करोड़ (55.7 प्रतिशत) खाते महिलाओं के पास हैं। करीब 10 साल पहले जब मोदी सरकार पहली बार सत्ता में आई थी, तो उसने हर नागरिक को वित्तीय और बैंकिंग सेवाएं मुहैया कराने का लक्ष्य रखा था। इसके लिए 28 अगस्त 2014 को शुरू की गई 'प्रधानमंत्री जनधन योजना' के तहत सबसे गरीब लोगों के लिए बैंकों में जीरो बैलेंस बैंक खाते खोले गए थे। मौजूदा समय में केवल 8.4 प्रतिशत जन धन खातों में ही जीरो बैलेंस है।

भारतीय सांसदों ने पाक को किया बेनकाब, अब जयशंकर समझाएंगे पूरी बात

● **भारत की विदेश नीति में आतंकवाद के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस के रुख को दोहराएंगे**

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद भारत ने आतंकवादियों और उनको संरक्षण देने वाले पाकिस्ता न को मिट्टी में मिलाने की बात कही थी। भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्चा किया। पाकिस्तीन और पीओके में मौजूद आतंकवादियों के शिविरों को तबाह कर दिया। पाकिस्तासन ने जब भारतीय सैन्य बेस और आमलोगों को निशाना बनाने की कोशिश की तो भारतीय एयरफोर्स ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तान के 11 एयरबेस को टारगेट कर उसे व्या पक नुकसान पहुंचाया। भारत ने इसके बाद पाकिस्तुन के आतंकी चेहरे को बेनाकब करने सभी दलों के सांसदों और डिप्लोमेट्स की 7 टीमें बनाकर उन्हें दुनिया के कई देशों में भेजा। इंडियन डेलिगेशन ने अमेरिका से यूरोप तक का दौरा कर पाकिस्तीन के काले चेहरे को दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया। अब विदेश मंत्री ए जयशंकर ने खुद कमान संभाल ली है। वे यूरोप की एक सप्तोह की लंबी यात्रा पर निकल गए हैं। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देने के साथ ही आतंकवाद का मुद्दा भी एजेंडे पर रहेगा। जयशंकर रविवार 8 जून 2025 को फ्रांस, यूरोपीय यूनियन और बेल्जियम के लिए रवाना हुए। वे यहां एक सप्ता8ह का वक्त5 बिताएंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत की विदेश नीति में आतंकवाद के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस के रुख को दोहराना और प्रमुख रणनीतिक साझेदारों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देना है।

भारत आदिवासी पार्टी की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष मूलतः झारखंडवासी बेलोसा बबीता कच्छप ने आदिवासी समाज का किया अपमान

कलिंजरा थाने में शिकायत दर्ज करके त्वरित व कठोर कार्यवाही की मांग

फूल शंकर डामोर उदयपुर

भारत आदिवासी पार्टी की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष बेलोसा बबीता कच्छप ने आदिवासी आरक्षण मंच एवं आदिवासी समाज के सामाजिक आंदोलन की बेहद घटिया एवं शर्मनाक घटना से तुलना करके पूरे आदिवासी समाज को अपमानित एवं कलंकित करने का कार्य किया है। बबीता कच्छप ने कल दिनांक 6जून,2025को बांसवाड़ा -दाहोद मार्ग पर यात्रा करते हुए कलिंजरा के पास भोयनघाटी का विडियो बनाया और उसे अपने फेसबुक व इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए आदिवासी समाज की सामाजिक

मांगों को लेकर 9सितम्बर, 2023को हुए सामाजिक आंदोलन की तुलना मध्यप्रदेश में हुए मनोहरलाल धाकड़ कांड से तुलना करते हुए बेहद अपमानजनक टिप्पणियां की। ऐसे कांड से एक सामाजिक आंदोलन की तुलना करना बाप पार्टी की महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष की कुत्सित मानसिकता एवं आपराधिक मानसिकता को दर्शाती है। बबीता कच्छप ने घटिया, घिनौनी व दूषित राजनीतिक मानसिकता का परिचय देते हुए संपूर्ण आदिवासी समाज को नीचा दिखाने व अपमानित करके अशोभनीय, द्वेषपूर्ण, अपमानजनक गैर कानूनी कार्य किया है। इससे संपूर्ण आदिवासी समाज में आक्रोश व्याप्त हो गया है। आदिवासी आरक्षण मंच संवैधानिक व शांतिपूर्ण ढंग से आदिवासी समाज की मांगों के लिए लंबे समय से संघर्षरत है, इसमें संपूर्ण समाज व सभी राजनीतिक दलों के लोग, नेता, युवा व कर्मचारी गैर राजनीतिक रूप से सक्रिय हैं ऐसी स्थिति में बबीता कच्छप ने बेहद ही संवेदनशील व आपराधिक टिप्पणी करके समाज की समरसता, सद्भावना व शांति को भंग करने वाली अशोभनीय व गैरकानूनी टिप्पणियां की हैं।

आदिवासी आरक्षण मंच ने कलिंजरा थाने में इस संबंध में आज दिनांक 7जून, 2025को बबीता कच्छप के खिलाफ त्वरित व कठोर कार्यवाही करने हेतु शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में यह भी बताया गया है कि बबीता कच्छप समय -समय पर भड़काऊ व विस्फोटक पोस्ट सोशल मीडिया में शेयर करती हैं, उनकी गतिविधियां भी विस्फोटक व संदिग्ध हैं।वो सांसदों तक के खिलाफ महिला लज्जा भंग जैसी कानूनी कार्यवाही की धमकियां देकर डराती रहती हैं और इस तरह अपना रौब झाड़ती रहती हैं, इससे आमजन भयभीत व दहशत में रहता है इससे समाज में तनाव व अशांति का माहौल है। बबीता मूलतः झारखंडवासी हैं और झारखंड के खूंटी थाने में अनेक धाराओं में उनके खिलाफ मुकदमे भी दर्ज हैं वहां भी उन्होंने गैरकानूनी, भड़काऊ व हिंसक गतिविधियों में भाग लिया है और अब यहां भी विस्फोटक गतिविधियों में लिप्त हैं ऐसी स्थिति में उन्होंने आदिवासी समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली गैरकानूनी टिप्पणियां करके माहौल को और अधिक बिगाड़ने का काम किया है। यदि उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही नहीं होती है तो भविष्य में वातावरण और खराब होने की पूरी संभावनाएं हैं।

मुक्तिनिकेतन कटोरिया एवं प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग से 1 नाबालिग बच्ची की रोकी गयी शादी

बांका संवाददाता श्रीकान्त यादव की रिपोर्ट

संस्था को मिली गुप्त सूचना के अनुसार कटोरिया प्रखंड के दोखरी गाँव मे बाल विवाह होने की सूचना मिली। संस्था मुक्ति निकेतन के बाल विवाह के टीम के साथियों ने त्वरित कार्यवाही करते हुए इसकी सूचना प्रखंड विकास पदाधिकारी सह बाल विवाह निषेद पदाधिकारी कटोरिया को दिया। कटोरिया थाना पुलिस दल एवं बाल विवाह की टीम द्वारा बच्ची के घर जा कर इसकी जाँच की गयी। जांच के उपरांत बच्ची को नाबालिग पाया गया। चूंकि

बच्ची की शादी दिनांक 08/06/2025 को होने वाली थी, और शादी की सारी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी थी जिसके कारण बाल विवाह टीम के सदस्यों को ग्रामीणों के आक्रोश का सामना भी करना पड़ा।

पुलिस के कड़े रुख इख्तियार करने एवं काफी समझाने बुझाने के बाद परिजनों ने शादी नहीं करने का वचन दिया और शपथ पत्र भरा। टीम के साथियों ने ग्रामीणों को बाल विवाह ना करने हेतु निर्देश दिया एवं बाल विवाह से होने बाले परेशानियों से भी अवगत कराया। बाल विवाह से संबंधित शिकायत दर्ज करने के लिए 1098 या 112 पर फोन शिकायत दर्ज कराने का आहवाहन किया। संस्था मुक्ति निकेतन से बाल विवाह टीम नितेश कुमार एवं जयंत कुमार सिंह के द्वारा नेतृत्व की गई।

एक शाम राडा जी बावजी के नाम भक्ति संध्या में भक्त झूम उठे

उदयपुर समीपवर्ती क्षेत्र हिरण मगरी सेक्टर 5 बैंक कॉलोनी में श्री राडा जी बावजी के राडा जी मित्र मंडल द्वारा भोज बगड़ावत कथा और तीसरे भव्य पाटोत्सव ध्वजा परिवर्तन धूमधाम से आयोजित किया गया। इस दौरान श्री राडा जी बावजी का भव्य अलौकिक श्रृंगार किया गया। जिससे भक्तजनों ने राडा जी बावजी के जयकारों से गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। इसी कड़ी में लोकगायक किशनलाल पनोतिया बगड़ावत कथा का नृत्य के रूप मंचन किया। इस अवसर पर सेवक विष्णु पटेल एवं लौकेश गौड़, सुनिल पाहुजा, पुनित, प्रेम चंद पटेल, अर्जुन डांगी, ओमप्रकाश राव, अंबालाल पामेचा, ज्ञान सिंह राजावत, नरपत सिंह, गोपाल जोशी, हिमान्सु गौड़, नवनीत भट्ट, आदि मौजूद रहे हैं.

नाबालिग के साथ नाबालिग युवक ने किया दुष्कर्म,1 गिरफ्तार

सं, सू पंकज कुमार ठाकुर

चांदन (बांका)थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी समारोह मे भाग लेने जा रही एक नाबालिग लड़की के साथ गांव के ही दो युवको द्वारा उसे नदी के पार ले जाने और वहां पर पहुंचे दो अन्य युवकों के साथ मिलकर एक युवक द्वारा दुष्कर्म कर लेने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर पीड़ित नाबालिग के आवेदन पर घटना की प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने एक नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में रखा हुआ है।प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात्रि करीब 11 बजे नाबालिग गांव में ही हो रही एक शादी समारोह में भाग लेने जा रही थी।इसी दौरान गांव के ही शम्भू कुमार तांती (17)पिता अरुण तांती एवं भैरों तांती उम्र (20) वर्ष पिता परशुराम तांती ने नाबालिग लड़की का हाथ पकड़ लिया, और शोर-शराबा करने पर दोनों आरोपियों ने उसका मुँह बंद कर जबरन गांव के बगल स्थित नदी की और ले गया 7उसी समय मंटू तांती पिता दिनेश तांती एवं भवेश तांती पिता मनोज तांती वहां आ पहुंचा और अपने दोनों साथियों के साथ मिलकर शम्भू कुमार तांती ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। खोजबीन करने निकली नाबालिग की माँ ने उसे नदी के किनारे एक बांस के झाड़ी के पास ब्रहोशी की हालत मे घर लाया।नाबालिग द्वारा आपबीती बताने पर शिकायत करने आरोपी युवक के घर गयी उसकी माँ के साथ आरोपी की माँ गुड़िया देवी व दादा बाबूलाल तांती ने गाली गलौज करते हुए बेटी को जान से मार देने की धमकी देकर भगा दिया।इस संबंध मे थानाध्यक्ष बिष्णुदेव कुमार ने बताया कि घटना की प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी नाबालिग को गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया ।जिसे रविवार को न्यायालय भेज दिया जाएगा।

अभिनेता कमल हसन ने अब हिंदी पर कर दी टिप्पणी, बोले- सीखने के लिए जबरदस्ती है क्या?

नई दिल्ली। जाने माने फिल्म अभिनेता कमल हसन इन दिनों अपने बयानों को लेकर चर्चा में आ गए है। हाल ही में उन्होंने कहा था कि कन्नड़ भाषा का जन्म तमिल से हुआ है। इस पर भारी बवाल के बाद कोर्ट ने भी फटकार लगाई थी। ये विवाद शांत होता इससे पहले उन्होंने हिंदी को लेकर टिप्पणी कर दी। उनका कहना है कि हिंदी भाषा सिखाने के लिए के लिए जबरदस्ती नहीं की जाना चाहिए। मीडिया से बातचीत में कमल हासन ने भाषाई स्वतंत्रता पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, हमें कोई भी भाषा जबरदस्ती न सिखाई जाए। अगर हमें बिना दबाव के भाषा सीखने का मौका मिले, तो हम खुद सीख लेंगे। भाषा सीखना शिक्षा का हिस्सा है, और इसमें जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए।

आउटसोर्स कर्मचारियों के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ गूगल मीट के माध्यम से बैठक हुई संम्पन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

पलामू। झारखण्ड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ की उपस्थिति में प्रदेश अध्यक्ष, झारखण्ड राज्य आउटसोर्सिंग कम्प्यूटर ऑपरेटर संघ की अध्यक्षता में झारखण्ड के सभी संवर्ग के आउटसोर्स कर्मचारियों के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ गूगल मीट के माध्यम से बैठक आहुत की गयी। उक्त बातें संघ के सदस्य नीतीश कुमार ने बताया। उन्होंने बताया कि बैठक में राज्य के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए गठित नियमावली में निहित बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा के उपरांत पाया गया कि उक्त नियमावली पूरी तरह से कर्मचारी विरोधी है।संघ के द्वारा लगातार सरकार एवं वित्त विभाग से निम्न बिन्दुओं को नियमावली में

समाहित करने का अनुरोध किया जाता रहा है। यह कि वित्त विभाग,झारखण्ड सरकार द्वारा संविदा एकमुश्त पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए निर्धारित मानदेय का भुगतान भी आटसोर्सिंग कर्मचारियों को किया जाय। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी समान काम के बदले समान वेतन का न्यायादेश पारित है।बिहार सरकार के तर्ज पर सभी आटसोर्सिंग कर्मचारियों की सेवा 60 वर्ष तक सुरक्षित किया जाय। मध्य प्रदेश सरकार के तर्ज पर सभी आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को आउटसोर्सिंग व्यवस्था ठेका प्रथा से मुक्त करते हुए संबंधित विभाग के अधीन संविदा के आधार पर समायोजन किया जाय। झारखण्ड राज्य के सभी विभागों कार्यालयों में वर्तमान में कार्यरत बल के अनुसार सभी आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का पद सक्षम स्तर से स्वीकृत करते हुए कार्यरत कर्मियों को स्वीकृत पद के अनुरूप समायोजित किया जाय। संघ के सदस्य नीतिश ने यह भी बताया कि 09, 10 एवं 11 जून 2025 कुल-03 दिन काला बिल्ला लगाकर कार्य करेंगे तथा 11 जून को संध्या में जिला मुख्यालय में कैंडल मार्च निकाला जायेगा। बताया कि 12 को जिला मुख्यालय (समाहरणालय) के समक्ष एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया जाना भी सुनिश्चित है।

सरकार के खिलाफ बयान देकर पार्टी में अलग पड़े डॉ. रामेश्वर उरांव

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची। सरकार को नसीहत देने की फिराक में पूर्व वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने पार्टी में अपने लिए मुसीबत मोल ले लिया है।सामान्य वर्ग के साथ-साथ आदिवासी विधायक भी उनसे कटे-कटे रह रहे हैं। कुछ नेताओं में उनकी बातों का दबी जुबान में समर्थन किया है लेकिन पार्टी और गठबंधन हित को देखकर खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं। खतरा खुद भी महसूस कर रहे हैं।ज्ञात हो कि डॉ. रामेश्वर उरांव ने सिरमटोली पुल को लेकर उठे विवाद पर सरकार को खुलकर नसीहत दी है कि विरोध करनेवाले समूहों से बातचीत करनी चाहिए थी।विधानसभा दौरे पर प्रदेश

से बाहर गए कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप ने शनिवार की रात इस मुद्दे पर कहा कि अब राजनीति हो रही है।उन्होंने आदिवासी भावनाओं का ख्याल रखने की बात करते हुए जोड़ा कि जुलूस के लिए कुछ और जमीन दे देने पर यह विवाद समाप्त हो जाएगा और सरकार इस मुद्दे पर विचार कर रही है।हालांकि, बयानों से उन्होंने यह कहते हुए किनारा कर लिया कि प्रदेश के बाहर होने के कारण जानकारी उनके पास नहीं है। कांग्रेस के अन्य आदिवासी विधायक इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं।

पूर्व वित्त मंत्री डा.रामेश्वर उरांव होने कहा कि आदिवासी भावनाओं को ख्याल में रखते हुए राउरकेला स्टील प्लांट के बीच में आदिवासियों को पांच एकड़ जमीन सरना पूजा के लिए दी गई थी।

वहां 32 गांव को उजड़कर स्टील प्लांट बनाया गया था। रामविलास पासवान उस समय केंद्रीय मंत्री थे। उन्होंने इसके साथ ही राजधानी रांची के भूसुर का मामला उठाया और कहा कि सरना पूजा के लिए जमीन दी गई है। सिरमटोली पुल के विवाद को लेकर सरकार पर जल्दबाजी करने की बात उन्होंने कही है।

सत्यपाल मलिक फिर आईसीयू में शिफ्ट, किडनी की समस्या से जूझ रहे

पोस्ट में लिखा- मैं रहूं या ना रहूं देशवासियों को सच्चाई बताना चाहता हूं

नई दिल्ली। किडनी की बीमारी से जूझ रहे जम्मू-कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक को 11 मई को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था वह डायलिसिस पर हैं। इस बीच वह लगातार सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट लिख रहे हैं। रविवार को उन्होंने फिर एकबार एक्स पर पोस्ट किया और लिखा- हालात बहुत गंभीर।

बता दें इससे पहले उन्होंने एक भावुक पोस्ट लिखकर कई मुद्दों पर अपनी बातें रखीं। उन्होंने लिखा- नमस्कार साथियों, मैं पिछले करीब एक महीने से हस्पताल में भर्ती हूं और

किड़नी की समस्या से जूझ रहा हूं। परसों सुबह से मैं ठीक था लेकिन आज फिर से मुझे आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया है। मेरी हालत बहुत गंभीर होती जा रही है। मैं रहूं या ना रहूं इसलिए अपने देशवासियों को सच्चाई बताना चाहता हूं।

उन्होंने कहा था कि जब मैं गवर्नर के पद पर था तो उस समय मुझे 150-150 करोड़ रूपए की रिश्वत की पेशकश की गई थी परंतु मैं मेरे राजनीतिक गुरु किसान मसीहा स्वर्गीय चौधरी चरणसिंह की तरह ईमानदारी से काम करता रहा ओर मेरा ईमान वो कभी डिगा नहीं सकें। जब मैं गवर्नर था उस समय किसान आंदोलन भी चल रहा था, मैंने बगैर राजनीतिक लोभ लालच के पद पर रहते हुए किसानों की मांग को उठाया। फिर महिला पहलवानों के आंदोलन में जंतर-मंतर से लेकर इंडिया गेट तक हर लड़ाई में उनके साथ खड़ा रहा। पुलवामा हमले में शहीद वीर जवानों के मामले को उठाया, जिसकी आज तक इस सरकार ने कोई जांच नहीं करवाई है।

सरकार मुझे सीबीआई का डर दिखाकर झूठे चार्जशीट में फंसाने के बहाने ढूंढ रही है। जिस मामले में मुझे फंसाना चाहते हैं उस टेंडर को मैंने खुद निरस्त किया था, मैंने खुद प्रधानमंत्री को बताया था इस मामले में भ्रष्टाचार है और उन्हें बताने के बाद में मैंने खुद उस टेंडर को निरस्त कर दिया था, मेरा तबादला होने के बाद में किसी अन्य के हस्ताक्षर से यह टेंडर हुआ। मैं सरकार को और सरकारी एजेंसियों को बताना चाहता हूं कि मैं किसान कौम से हूं, मैं ना तो डरने वाला हूं ओर ना ही झूकने वाला हूं। सरकार ने मुझे बदनाम करने में पुरी ताकत लगा दी है, आखिर में मेरा सरकार से ओर सरकारी एजेंसियों से अनुरोध है कि मेरे प्यारे देश की जनता को सच्चाई जरूर बताना है कि आपको छानबीन में मेरे पास मिला क्या? हालांकि सच्चाई तो यह है कि 50 साल से ज्यादा लंबे राजनीतिक जीवन में बहुत बड़े-बड़े पदों पर देशसेवा करने का मौका मिलने के बाद आज भी मैं एक कमरे के मकान में रह रहा हूं ओर कर्ज में डूबा हूं।

भारतीय टीम में शामिल असम के दो भारोत्तोलक

शिवसागर (असम)। शिवसागर के भारोत्तोलक संघ के खिलाड़ी आईसेंग्फा गोगोई और पंचमी सोनोवाल ने भारत की टीम में स्थान प्राप्त किया। आगामी 1 से 10 जुलाई तक कजाकिस्तान में जूनियर एशियन गेम्स भारोत्तोलन चैंपियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें असम के ये दोनों खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वर्तमान में लखनऊ में प्रशिक्षण में व्यस्त ये दोनों खिलाड़ी शिवसागर के भारोत्तोलक संघ की देखरेख में 2022 से प्रशिक्षण कर रहे थे। 2025 में बिहार में आयोजित हुए राष्ट्रीय खेलो इंडिया में आईसेंग्फा गोगोई ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। भारतीय टीम में दोनों खिलाड़ियों के शामिल होने पर शिवसागर भारोत्तलन संघ ने नामती शहीद पियली फुकन महाविद्यालय के व्यायामशाला में दोनों खिलाड़ियों के माता-पिता को सम्मानित किया गया। दोनों खिलाड़ियों के प्रशिक्षक ने यह उम्मीद जताई है कि भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए निश्चित रूप से दोनों जीत हासिल करेंगे।

ताइवान एथलेटिक्स ओपन में भारतीय खिलाड़ियों की दमदार शुरुआत, जीते चार स्वर्ण

नई दिल्ली। ताइवान एथलेटिक्स ओपन 2025 की शुरुआत भारतीय एथलीटों के शानदार प्रदर्शन के साथ हुई। पहले ही दिन भारत ने चार स्वर्ण पदक अपने नाम किए। महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में पूनम ने भारत के लिए खाता खोला और 4:11.65 का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। पिछले महीने उन्होंने दक्षिण कोरिया के गुमी में आयोजित एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इसी स्पर्धा में 4:10.83 के समय के साथ रजत पदक हासिल किया था, जबकि 800 मीटर दौड़ में कांस्य पदक भी जीता था। भारत को दूसरी सफलता पुरुषों की ट्रिपल जंप स्पर्धा में अब्दुल्ला अबूबकर ने दिलाई। उन्होंने तीसरी कोशिश में 16.21 मीटर की छलांग लगाकर पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इसके बाद भारत ने स्प्रिंट हर्डल्स की दोनों स्पर्धाओं में भी स्वर्ण पदक जीते। ज्योति याराजी ने महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में 12.99 सेकंड के समय के साथ जीत दर्ज की। अंतिम बाधा तक वह दूसरे स्थान पर थीं, लेकिन आखिरी क्षणों में दमदार फिनिश के दम पर उन्होंने बाज़ी पलट दी। तेजस शिर्से ने पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.52 सेकंड का सीज़न बेस्ट समय दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय पुरुष और महिला 4×100 मीटर रिले टीमें दिन में बाद में मैदान पर उतरेंगी।

फ्रेंच ओपनःनोवाक जोकोविच को हराकर फाइनल में पहुंचे सिनर, अल्काराज से होगा सामना

पेरिस। टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में उनका सामना मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा। अल्काराज ने एक अन्य सेमीफाइनल में लोरेन्जो मुसेत्ती को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी सिनर ने कोर्ट फिलिप शात्रिए पर जोकोविच को 6-4, 7-5, 7-6 (7/3) से हराकर अपना पहला फ्रेंच ओपन फाइनल खेलना तय किया। 23 वर्षीय सिनर ने मैच के बाद कहा, वो हमारे खेल के इतिहास के सबसे महान खिलाड़ी हैं, उनके खिलाफ यहां खेलना शानदार अनुभव है। कोर्ट पर उतरने से पहले थोड़ा तनाव होता है, लेकिन मैंने कोशिश की कि उस पर ध्यान न दूं। 38 वर्षीय जोकोविच ने हमेशा की तरह जुझारूपन दिखाया और तीन घंटे 16 मिनट तक चले मुकाबले में खूब संघर्ष किया, लेकिन तीसरे सेट में तीन सेट पॉइंट गंवाने के बाद वापसी की उम्मीदें टूट गईं। अब जोकोविच अगले महीने विंबलडन में 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने की कोशिश करेंगे।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का बेल्जियम,ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स से होगा मुकाबला

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना के रोसारियो में आयोजित चार देशों के टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन के बाद अब यूरोपीय दौरे पर पहुंच चुकी है। यह दौरा 8 जून से 17 जून तक चलेगा, जिसमें टीम बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स के खिलाफ पांच मुकाबले खेलेगी। भारतीय टीम इस दौरे की शुरुआत बेल्जियम के एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लीन में तीन मुकाबलों से करेगी। इसके बाद टीम ऑस्ट्रेलिया से बेल्जियम के ही बीयरशॉट टेनिस हॉकी पैडल क्लब, कॉन्टिच में भिड़ेगी और अंत में नीदरलैंड्स के उत्रेक्ट में स्थित हॉकी क्लब कामपोंग में एक मुकाबले के साथ दौरे का समापन करेगी। अर्जेंटीना दौरे पर भारतीय टीम ने मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। चिली के खिलाफ टीम ने एक मुकाबला 2-1 से जीता और एक मुकाबला 2-2 (2-3 शूटआउट) से गंवाया। मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ एक मुकाबला 1-1 (2-0 शूटआउट) से जीता और एक 2-4 से हारा।

इंग्लैंड में आयोजित मिक्स्ड डिसेबिलिटी टी20 सीरीज के लिए जयपुर में ट्रेनिंग कैंप शुरू

एजेंसी

जयपुर। भारतीय पुरुष मिक्स्ड डिसेबिलिटी क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 21 जून से शुरू हो रही सात मैचों की टी20 सीरीज से पहले रविवार को जयपुर में अपनी तैयारी का आगाज कर दिया है। सीरीज की शुरुआत 21 जून को इंग्लैंड के टॉनटन में मुकाबले से होगी। इसके बाद दूसरा टी20 मुकाबला 23 जून को वर्म्सले में शाम 5ः00 बजे से खेला जाएगा। श्रृंखला का समापन 3 जुलाई को ब्रिस्टल में सातवें टी20 मैच के साथ होगा। जयपुर में चल रहे इस ट्रेनिंग कैंप में खिलाड़ी मुख्य कोच रोहित झालानी सहित अन्य प्रशिक्षकों की देखरेख में गहन बल्लेबाजी और गेंदबाजी अभ्यास कर रहे हैं, ताकि वे तकनीक के साथ-साथ अपनी तैयारियों को और मजबूत कर सकें। डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) द्वारा आयोजित यह कैंप 8 जून से 13 जून तक

जयपुरिया क्रिकेट अकादमी में आयोजित किया गया है। सभी चयनित खिलाड़ी जयपुर पहुंच चुके हैं और फिटनेस, मैच की तैयारी और टीम समन्वय पर केंद्रित गहन सत्रों में भाग ले रहे हैं। ट्रेनिंग के बारे में बताते हुए मुख्य कोच रोहित झालानी ने कहा कि यह कैंप हमारी तैयारियों के लिए बेहद अहम है। खिलाड़ी पूरा समर्पण दिखा रहे हैं, जिसके बाद मैं यह कह सकता हूं कि यह टीम इंग्लैंड के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। डीसीसीआई के महासचिव रविकांत चौहान ने कहा कि हम इंग्लैंड दौरे को लेकर बहुत उत्साहित हैं। हमें गर्व है कि हमारी टीम इंग्लैंड के मैदानों में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही है और इसके लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

भारतीय टीम

रविंद्र गोपीनाथ शांते (कप्तान) (पीडी), वीरेन्द्र सिंह (उप-कप्तान) (बधिर), राधिका प्रसाद (पीडी), राजेश इरप्पा कन्नूर (पीडी), योगेन्द्र सिंह (विकेटकीपर), नरेंद्र मंगोरे (पीडी), विक्रांत रविंद्र केनी (पीडी), साई आकाश (बधिर), उमर अशरफ (बधिर), संजू शर्मा (बधिर), अभिषेक सिंह (बधिर), विवेक कुमार (बधिर), विकास गणेशकुमार (आई), प्रवीण नैलवाल (आईडी), ऋषभ जैन (आईडी), तरुण (आईडी)

रिजर्व खिलाड़ीः माजिद मगरे (पीडी), कुलदीप सिंह (बधिर), कृष्णा गौड़ा (बधिर), जितेन्द्र नागराजू (पीडी)

संयम अग्रवाल 14 साल की उम्र में बने उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के कोच

एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी संयम अग्रवाल 14 साल की उम्र में उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन (यूपीटीए) के कोच बन गये हैं। संयम अग्रवाल ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट फर्स्ट डेन प्राप्त हैं। अलोक ताइक्वांडो अकादमी मुरादाबाद के संचालक आलोक कुमार ब्लैक बेल्ट 4 डैन ने बताया कि लखनऊ में केडी सिंह स्टेडियम में 5वीं भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई ताइक्वांडो प्रतियोगिता 15 मई से 18 मई तक आयोजित ताइक्वांडो प्रतियोगिता में आलोक ताइक्वांडो अकैडमी मुरादाबाद को उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजकुमार ने ताइक्वांडो कोच लाइसेंस का सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया था। फर्स्ट डेन ब्लैक बेल्ट संयम अग्रवाल को सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर बनवटा गंज मुरादाबाद में आयोजित ब्रेकिंग एंजाम के बाद कोच लाइसेंस देकर बधाई दी। इस दौरान मुख्य रूप से मानवी मल्होत्रा ब्लैक बेल्ट 2 डैन), यश कुमार ब्लैक बेल्ट 2 डैन, शिव त्यागी ब्लैक बेल्ट 1 डैन उपस्थित रहे।

एमपीएल युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर दिखाने का एक सशक्त माध्यमः आलोक बिड़ला

एजेंसी

ग्वालियर। ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में 12 जून से शुरू हो रही मध्यप्रदेश लीग (एमपीएल) की टीम रीवा जैगुआर्स के मालिक आलोक बिड़ला का मानना है कि यह लीग उभरते क्रिकेटरों के लिए अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर दिखाने का एक सशक्त माध्यम है। मध्य प्रदेश लीग की शुरूआत 12 जून से होने जा रही है। लीग में 7 पुरुष टीमें आपस में भिड़ेंगी। पहली बार महिला क्रिकेटर्स की 3 टीमें भी लीग में उतर रही हैं। लीग के सभी मैच श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में होंगे। लीग की शुरुआत से पहले रीवा जैगुआर्स के मालिक बिड़ला ने कहा कि मैं एक ऐसी फ्रेंचाइजी बनाना चाहता हूं जहां खिलाड़ियों को उनके जीवनयापन के साथ-साथ उनके अवसरों में भी लाभ मिले, क्योंकि मेरी सोच सिर्फ एमपीएल में हिस्सा लेने की नहीं, बल्कि उन्हें मानसिक तथा शारीरिक रूप से फिट बनाना भी है। मेरा हमेशा से यह विचार रहा है कि अगर खिलाड़ी फ्रेंचाइजी के साथ जुड़े रहते हैं तो वे और अधिक बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिंदगी में हर कोई एक ऐसा मौका चाहता है जहां वह अपनी प्रतिभा, कौशल और हुनर दिखा सके। फिर वह कोई भी क्षेत्र हो। तो मध्य प्रदेश

लीग एक ऐसा मंच, एक ऐसा अवसर और एक ऐसा टूर्नामेंट है जहां आप खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार कर सकते हैं। खिलाड़ी शिवम शुक्ला का उदाहरण देते हुए बिड़ला ने कहा कि उन्होंने पिछले एमपीएल सीजन में शानदार प्रदर्शन किया और हाल ही में आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा रिप्लेसमेंट के रूप में चुने गए। कोई नहीं जानता था कि एमपीएल के पहले सीजन के बाद ही वह केकेआर का हिस्सा बन जाएंगे। यही कारण है कि हर कोई मध्य प्रदेश लीग में खेलने की इच्छा रखता है। यह मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा प्रदान किया गया ऐसा मंच है, जहां उन सभी युवा प्रतिभाओं के लिए अवसर हैं जो मध्य प्रदेश में जन्मे और पले-बढ़े हैं और क्रिकेट को अपना जीवन मानते हैं।

पुरुष टीमेंः

ग्वालियर चीता, भोपाल लेपर्ड्स, जबलपुर रॉयल लायंस, रीवा जैगुआर्स, इंदौर पिंक पैंथर्स, चंबल घड़ियाल्स, बुंदेलखंड बुल्स

इस बार मध्य प्रदेश लीग के दूसरे सीजन में महिलाओं की लीग भी होगी। महिला लीग में चंबल घड़ियाल्स, भोपाल वुल्व्स और बुंदेलखंड बुल्स की टीमें भाग लेंगी।

एफआईएच प्रो लीगः नीदरलैंड्स के खिलाफ भारत को मिली हार

एजेंसी

एम्स्टलवीन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के नीदरलैंड्स चरण के अपने पहले मुकाबले में मेजबान टीम के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से एकमात्र गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 19वें मिनट में किया, जबकि थाइस वान डैम ने 29वें और 58वें मिनट में गोल कर नीदरलैंड्स को जीत दिलाई। भारतीय टीम ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक तरीके से की और गेंद पर अच्छा नियंत्रण बनाए रखा। दिलप्रीत सिंह को पहले क्वार्टर में गोल करने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन डच गोलकीपर मॉरिट्स विसर ने शानदार बचाव किया। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कोई गोल नहीं हुआ। दूसरे क्वार्टर में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे हरमनप्रीत सिंह ने दमदार अंदाज में गोल में बदलकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। लेकिन यह बढ़त ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी। थाइस वान डैम ने 29वें मिनट में जवाबी हमला करते हुए नीदरलैंड्स के लिए बराबरी का गोल कर दिया और स्कोर 1-1 पर पहुंच गया। दूसरे हाफ में भारतीय रक्षात्मक खेल दिखाया और कोई गोल नहीं हुआ। मैच के अंतिम क्षणों में नीदरलैंड्स ने दबाव बढ़ाया और 58वें मिनट में एक सटीक पास को थाइस वान डैम ने बेहतरीन

मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन संघर्ष करती नजर आई। भारत ने कुछ लम्बे एरियल पास के ज़रिए मौके बनाने की कोशिश की, लेकिन डच डिफेंस ने उसे रोक दिया। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने फर्स्ट टच और तेज़ शॉट के साथ गोल में बदलकर टीम को निर्णायक बढ़त दिला दी। भारत ने आखिरी पलों में बराबरी की कोशिश की, लेकिन डच डिफेंस ने कोई मौका नहीं दिया।

कोको गौफ ने पहली बार फ्रेंच ओपन खिताब जीता, एरिना सबालेंका को हराया

एजेंसी

पेरिस। अमेरिकी टेनिस स्टार कोको गौफ ने फ्रेंच ओपन 2025 के महिला एकल फाइनल में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका को 6-7 (5), 6-2, 6-4 से हराकर अपना पहला रोलां-गैरो खिताब जीत लिया। यह गौफ का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है, इससे पहले उन्होंने 2023 यूएस ओपन जीता था।पहला सेट टाई-ब्रेक में गंवाने के बावजूद गौफ ने शानदार वापसी की और दूसरे सेट में सबालेंका को 6-2 से पछाड़ा। निर्णायक सेट में सबालेंका ने तेज शुरुआत की, लेकिन गौफ ने आत्मविश्वास और निरंतरता के साथ खेलते हुए उन्हें बार-बार बैकहैंड एरर और डबल फॉल्ट करने पर मजबूर किया। तीसरे सेट में एक उत्कृष्ट रैली के दौरान गौफ ने नेट पर शानदार

विनर लगाकर दर्शकों से जमकर तालियां बटोरीं। मैच का निर्णायक मोड़ तब आया जब सबालेंका ने 2-1 की स्थिति में डबल फॉल्ट कर ब्रेक दिया। हालांकि उन्होंने 3-3 पर वापसी की कोशिश की, लेकिन गौफ ने दो और सर्विस होल्ड करते हुए 2 घंटे 38 मिनट में मैच जीत लिया। जैसे ही सबालेंका ने गौफ के दूसरे मैच प्वाइंट पर बैकहैंड वाइड मारा, गौफ कोर्ट पर गिर पड़ीं और चेहरे को दोनों हाथों से ढक लिया। उन्होंने नेट पर सबालेंका को गले लगाया और फिर फिल्म निर्देशक स्पाइक ली के साथ गले मिलकर जीत का जश्न मनाया। यह वही रोलां-गैरो कोर्ट है, जहां तीन साल पहले गौफ को अपने पहले फाइनल में हार मिली थी। सिर्फ 21 वर्ष की उम्र में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुकीं गौफ अब विश्व टेनिस में एक स्थायी शक्ति के रूप में स्थापित हो रही हैं। उनकी मानसिक दृढ़ता, कोर्ट पर तेजी, और तकनीकी समझ ने उन्हें आज के युग की सबसे खतरनाक खिलाड़ियों में शुमार कर दिया है। उल्लेखनीय है कि इस मुकाबले में एक ऐतिहासिक घटना घटी जो पिछले तीन दशकों में सिर्फ दूसरी बार हुआ, जब फ्रेंच ओपन के महिला एकल फाइनल में विश्व की नंबर 1 और नंबर 2 खिलाड़ी आमने-सामने थीं।

ताइक्वांडो के 51 खिलाड़ियों ने दिया बेल्ट व ब्रेकिंग एग्जाम

एजेंसी

मुरादाबाद। अलोक ताइक्वांडो अकादमी द्वारा सरस्वती शिशु मन्दिर बनवटा गंज मुरादाबाद में ब्रेकिंग एंजाम का आयोजन किया गया है। इसमें 51 ताइक्वांडो खिलाड़ियों द्वारा अपनी बेल्ट एवं ब्रेकिंग एग्जाम दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि इंजीनियर नॉर्थ रेलवे मुरादाबाद आशुतोष कुमार, सरस्वती शिशु मंदिर की प्रधानाचार्या मंजू शर्मा उपस्थित रहीं। अलोक ताइक्वांडो अकादमी के संचालक आलोक कुमार ब्लैक बेल्ट 4 डैन ने बताया कि अकादमी की मई बेल्ट परीक्षा सूची में शामिल आरवी बरनवाल, वाची खन्ना, अद्विक सक्सेना, संकल्प मिश्रा, आरुष कुमार प्रसाद, मयंक प्रकाश पाठक, शौर्य, रीदित अग्रवाल, चहेक जोशी, नव्या, नव्या सिंह, अमाया गुप्ता, गौरांश अरोड़ा, कुमार शांतनु, अर्शित गुप्ता, बार्बी, आराध्या सिंह, अनिरुद्ध सिंह, लव कुशल, अभय कुशल, रिद्धि दिवाकर, हर्षित कुमार, शिवांश दिवाकर, प्रज्ञा अग्रवाल, मानवी, अदभुत सिंह प्रियदर्शी, दिव्यांश चंद्रा, आरुषि राजपूत, कियान, यशिता शर्मा, वरेण्या शर्मा, आंशी सैनी, कुमकुम, कनिष्का, जतिन वर्मा, अभिनव चौधरी, कृष्ण रावत, प्रिंस जोशी, मोहित सैनी, शिविका पासन, सारांश मदान, अधर्व व्यास, अक्षत प्रताप, श्रेयांश भटनागर, निशि, युवराज खन्ना, आरुष रस्तोगी, अनंत कुमार, रिधान रस्तोगी, आर्यन भटनागर, व्याख्या भटनागर ने आज अपनी बेल्ट का एग्जाम व ब्रेकिंग एग्जाम दिया।

किरेन रिजिजू ने मोदीनगर में वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स अकादमी के रेजिडेंशियल विंग का उद्घाटन किया

एजेंसी

मोदीनगर। केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मोदीनगर स्थित वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स अकादमी के रेजिडेंशियल विंग का उद्घाटन किया।

यह वही अकादमी है, जहां ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई चानू प्रशिक्षण लेती हैं। इस उद्घाटन के साथ ही भारत के 2036 ओलंपिक की तैयारियों में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है।सितंबर 2024 में भारत के चीफ नेशनल कोच विजय शर्मा द्वारा स्थापित इस अत्याधुनिक केंद्र में अब 30 सुसज्जित कमरों में 60 एथलीटों के रहने की व्यवस्था हो चुकी है। फिलहाल यहां 8 से 14 वर्ष की उम्र के 40 नवोदित खिलाड़ी और 15 वरिष्ठ एथलीट प्रशिक्षण ले रहे हैं। रिजिजू ने कार्यक्रम में कहा, मैं वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स की टीम को बधाई देता हूं कि अब उनका रेजिडेंशियल सेंटर भी खुल गया है।

मैं केवल शुभकामनाएं नहीं दे रहा, बल्कि मुझे विश्वास है कि यहां से एक बड़ा चैंपियन निकलेगा। मैंने कई अकादमियां देखी हैं, लेकिन विजय शर्मा ने जिस समर्पण से इसे चलाया है, वह वास्तव में अद्वितीय है। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने अपने उद्गार में कहा, ÷2036 ओलंपिक सिर्फ एक सपना नहीं है, यह हम सभी की जिम्मेदारी है। जब आप ट्रेनिंग करते हैं, तब 140 करोड़ भारतीयों के सपनों को अपने साथ लेकर चलते हैं। मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने कहा कि जिस अकादमी का सपना देखा था, वह आज साकार हो गया है। मीराबाई के साथ ये बच्चे ट्रेनिंग करेंगे, और मुझे विश्वास है कि ये आने वाले ओलंपिक में देश का नाम रोशन करेंगे। यह अकादमी खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत संचालित होती है और इसे युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई), ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट और भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) का समर्थन प्राप्त है।

सुविधाओं में आधुनिक जिम, रिकवरी जोन, स्टीम, सॉना और आइस बाथ की व्यवस्था है। अकादमी में सात कोच, तीन फिजियोथेरेपिस्ट और दो प्रमाणित मसाज विशेषज्ञ कार्यरत हैं। यह पहल न केवल खेल प्रतिभाओं को तराशने की दिशा में मील का पत्थर है, बल्कि यह भविष्य के ओलंपिक सितारों के लिए एक मजबूत नींव भी साबित होगी।

नॉर्वे शतरंज 2025ः मैग्नस कार्लसन ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता खिताब

स्टावेंजर। विश्व शतरंज के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में से एक नॉर्वे शतरंज 2025 का समापन रोमांचक अंदाज में हुआ, जिसमें मेजबान देश के सुपरस्टार मैग्नस कार्लसन ने रिकॉर्ड सातवीं बार खिताब अपने नाम किया। वहीं महिला वर्ग में यूक्रेन की अन्ना मुझिचुक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी जीत हासिल की। आखिरी राउंड में कार्लसन का सामना भारत के अर्जुन एरिगैसी से था। काले मोहरों से खेलते हुए कार्लसन पर हार का खतरा मंडरा रहा था। यदि वह यह मुकाबला हारते तो खिताब उनसे फिसल सकता था। लेकिन दबाव के बीच उन्होंने सटीक बचाव किया और थ्रीफोल्ड रिपिटिशन के ज़रिए ड्रॉ सुनिश्चित कर खिताब अपने नाम कर लिया। भले ही इसके बाद वह अर्मागेडन गेम हार गए, लेकिन क्लासिकल ड्रॉ ने उन्हें पहले ही विजेता बना दिया था।

गुकेश मुझे 2008-09 के अपने दौर की याद दिलाते हैं : मैग्नस कार्लसन

एजेंसी

नई दिल्ली। नॉर्वे चेस 2025 का खिताब जीतने के बाद शतरंज के पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश की जमकर तारीफ की है। कार्लसन ने कहा कि गुकेश की मौजूदा शैली उन्हें खुद की शुरुआती शतरंज यात्रा, खासकर 2008-09 के दौर की याद दिलाती है कार्लसन ने कहा, गुकेश का खेल मुझे उस समय की याद दिलाता है जब मैं शतरंज में उभर रहा था। मैं भी तब कई बार नियंत्रण खो देता था लेकिन परिणाम निकाल लेता था। वर्ष 2008 के लीनारेस टूर्नामेंट में भी ऐसा ही हुआ था जब आनंद पहले स्थान पर आराम से चल रहे थे और मैं काफी अराजक तरीके से खेलते हुए कुछ ऐसे नतीजे निकाल रहा था जो शायद मेरे शुद्ध कौशल से मेल नहीं खाते थे। कार्लसन ने माना कि युवा खिलाड़ी सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी भी बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, गुकेश और अर्जुन (एरिगैसी) जैसे खिलाड़ी खेल के कई हिस्सों में

अभी भी मेरे, फबियानो (कारुआना) और हिकारू (नाकामुरा) जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से पीछे हैं, लेकिन यह स्वाभाविक है, क्योंकि हम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं और उनसे हर पहलू में बराबरी की उम्मीद करना जल्दबाज़ी होगी। इस टूर्नामेंट में डी. गुकेश ने पहली बार क्लासिकल फॉर्मेट में मैग्नस कार्लसन को हराकर इतिहास रच दिया था और आखिरी राउंड तक खिताब की दौड़ में बने हुए थे। हालांकि अंतिम राउंड में फबियानो कारुआना से हार के बाद वह तीसरे स्थान पर रहे। कार्लसन ने गुकेश के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, यह बहुत प्रेरणादायक है कि गुकेश इतने खराब पोजिशन में भी मुकाबले में बने रहते हैं और खिताब के लिए चुनौती पेश करते हैं। यह उसी प्रक्रिया का हिस्सा है जिससे हर युवा खिलाड़ी गुजरता है। कार्लसन का मानना है कि डी. गुकेश और अर्जुन जैसे युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भविष्य में विश्व चैंपियन बनने की क्षमता रखते हैं, बशर्ते वे खेल के हर पहलू में लगातार सुधार करें। गौरतलब है कि गुकेश हाल ही में विश्व चैंपियन बने हैं और अब वो क्लासिकल शतरंज में भी खुद को शीर्ष स्तर पर स्थापित करने की ओर बढ़ रहे हैं।

हार्दिक सिंह ने पूरे किए 150 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले, हॉकी इंडिया ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

एम्स्टर्डम। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपने करियर का 150वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला। यह उपलब्धि उन्होंने एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के पहले मैच में नीदरलैंड के खिलाफ हासिल की। उनकी इस उपलब्धि पर हॉकी इंडिया ने उन्हें शुभकामनाएं दी है।पंजाब के जालंधर से ताल्लुक रखने वाले 26 वर्षीय मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत 2018 हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी से की थी, जिसमें भारत और पाकिस्तान को संयुक्त विजेता घोषित किया गया था। तब से लेकर अब तक उन्होंने लगभग हर बड़े टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी योग्यता और स्थायित्व का लोहा मनवाया है। हार्दिक भारत की उस ऐतिहासिक टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में कांस्य पदक जीते।

इसके साथ ही बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में रजत पदक, हांगझो एशियन गेम्स 2022 और 2023 चेन्नई एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक, तथा 2018 मस्कट एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किए। हार्दिक को 2021 में अर्जुन पुरस्कार, 2022 व 2023 में

हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड और 2024 में अजीत पाल सिंह मिडफील्डर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से नवाजा गया है। अपनी इस उपलब्धि पर हार्दिक ने कहा,यह मेरे लिए एक भावुक क्षण है। भारत की जर्सी पहनना मेरे लिए हमेशा गर्व की बात रही है। 150 मैच पूरे करना किसी सपने के सच होने जैसा है। इस यात्रा में बहुत कुछ सीखा, सहा और कई यादगार पल मिले। मैं अपने कोचों, साथियों और परिवार का धन्यवाद करता हूं जो हमेशा मेरे साथ खड़े रहे। आगे भी देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देता रहूंगा।

हॉकी इंडिया ने दी बधाई

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप तिर्की ने हार्दिक को बधाई देते हुए कहा, हार्दिक ने खुद को विश्व हॉकी के सबसे भरोसेमंद और चतुर मिडफील्डर्स के रूप में स्थापित किया है। मैच के दौरान उनका संतुलन और दबाव में खेलने की क्षमता उन्हें विशेष बनाती है। हम उन्हें इस उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि ÷26 वर्ष की उम्र में 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना हार्दिक की प्रतिबद्धता, अनुशासन और फिटनेस का प्रमाण है। वे भारतीय हॉकी के एक प्रेरणास्रोत खिलाड़ी हैं। उनके योगदान पर हमें गर्व है।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.2 अरब डॉलर गिरकर 691.5 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी गिरावट आने से 30 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.2 अरब डॉलर लुढ़ककर 691.5 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.9 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 692.7 अरब डॉलर पर रहा था।रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 30 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.95 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 584.2 अरब डॉलर पर आ गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 72.3 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 84.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर 20 लाख डॉलर गिरकर 18.6 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में 60 लाख डॉलर की गिरावट आई और यह पिछले सप्ताह के मुकाबले घटकर 4.3 अरब डॉलर पर आ गई

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.21 प्रतिशत बढ़कर 64.77 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 66.65 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

ई-मार्केट प्लेटफार्मों को भ्रामक अलर्ट, अनुचित व्यापार व्यवहार पर रोक लगाने के निर्देश

नयी दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि उनके नेटवर्क पर उपभोक्ताओं को अत्यावश्यक अलर्ट (सूचना) और भ्रामक विज्ञापनों या किसी प्रकार के अनुचित व्यापार व्यवहार में न फंसाया जाये। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'सभी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को सलाह दी गयी है कि वे परामर्श जारी होने के तीन महीने के भीतर डार्क पैटर्न की पहचान करने के लिए स्व-ऑडिट करें और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठायें कि उनके प्लेटफॉर्म ऐसे डार्क पैटर्न से मुक्त हों।' डार्क पैटर्न ऐसे भ्रामक प्रयासों को कहा जाता है, जिनमें ग्राहकों को स्टॉक खत्म होने या किसी प्रलोभन के जरिये माल की बुकिंग तत्काल करने के लिए उकसाया जाता है। सीसीपीए ने स्व-ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को यह भी स्व-घोषणा देने के लिए प्रोत्साहित किया है कि उनका प्लेटफॉर्म किसी भी डार्क पैटर्न में लिप्त नहीं है। विज्ञप्ति के अनुसार यह उपाय उपभोक्ताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के बीच विश्वास मजबूत करने की दृष्टि से किया गया है। सीसीपीए ने कुछ मामलों में डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते पाये गये ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म को नोटिस भी जारी किये हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने डार्क पैटर्न के उल्लंघन की पहचान करने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) का गठन किया है। इसमें संबंधित मंत्रालयों, नियामकों, स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों और एनएलयू के प्रतिनिधि शामिल हैं।

रिलायंस डिजिटल का 'शॉप एंड विन' 30 करोड़ रुपये तक के इनाम के साथ खरीदारी को जीत में बदल देता है

मुंबई। इंडिया के लीडिंग इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, रिलायंस डिजिटल अपने आकर्षक शॉप एंड विन अभियान के लॉन्च के साथ आपके शॉपिंग अनुभव को बनाने वाले हैं थोड़ा और मज़ेदार, यहां आपको मिलेगा एक ऐसा मौका जहां हर खरीदारी पर आप जीतेंगे बड़े इनाम. 31 अगस्त तक, रिलायंस डिजिटल स्टोर्स, माय जियो स्टोर्स और reliancedigital.in पर ऑनलाइन खरीदारी करने वाले ग्राहकों को 30 करोड़ तक के इनाम जीतने का मौका मिलेगा– 25 कार 40 बाइक 450+ इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स लैपटॉप और वॉशिंग मशीन खरीदने वालों के लिए निश्चित उपहारइसके अलावा, 15 जून तक ICICI बैंक कार्ड्स का उपयोग करके 15000 तक इंस्टंट डिस्काउंट का फायदा उठाएं. लैपटॉप खरीदने वालों को 1 करोड़ के प्राइज़ पूल से स्कॉलरशिप जीतने का भी मौका मिलेगा. मौका न चूकें, आज ही शॉपिंग करें और हर खरीदारी को जीत में बदलें! *नियम एवं शर्तें लागू. लकी ड्रॉ तमिलनाडु में लागू नहीं है.रिलायंस डिजिटल के बारे में :रिलायंस डिजिटल भारत का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर है, यह 600 से ज्यादा शहरों में मौजूद है, जिसमें 650 से भी ज्यादा बड़े फॉर्मेट वाले रिलायंस डिजिटल स्टोर्स और 990 से भी ज्यादा माय जियो स्टोर्स हैं, जो देश के हर नुक्कड़ और कोने में ग्राहकों की सेवा में कार्यरत हैं और सभी के लिए बिल्कुल नई टेक्नोलॉजी पहुंच में ला रहे हैं।

सर्राफा बाजार में लुढ़का सोना, चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख बना हुआ है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के 'यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 97,970 रुपये से लेकर 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,800 रुपये से लेकर 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,07,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद देश के 'यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो चुका है। सोने के विपरीत चांदी की कीमत में सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान 8 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य रा'यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों रा'यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर 16वें वित्त आयोग के अंशकालिक सदस्य नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर को 16वें वित्त आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। वे अपना कार्यभार संभालने की तिथि से लेकर आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक यानी 31 अक्टूबर, 2025 तक, जो भी पहले हो, अपने पद पर बने रहेंगे।वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि राष्ट्रपति ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर को 16वें वित्त आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया है। वे कार्यभार संभालने की तिथि से लेकर आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक यानी 31 अक्टूबर, 2025 तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहेंगे। टी. रबी शंकर की नियुक्ति 16वें वित्?त आयोग के पूर्णकालिक सदस्यों में से एक अजय नारायण झा के व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा देने के परिणामस्वरूप हुई है। 16वें वित्त आयोग का गठन 31 दिसंबर, 2023 को किया गया था, जिसके अध्यक्ष नीति आयोग के पूर्व

उपाध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया हैं। 16वें वित्त आयोग को 01 अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए 31 अक्टूबर, 2025 तक अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करनी हैं।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् के चेयरमैन के रूप में महेंद्र देव ने पदभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान के पूर्व कुलपति एस महेंद्र देव ने प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (ईएसी-पीएम) के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। अर्थशास्त्री देव ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी की जगह ली, जो ईएसी-पीएम का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे।मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा जारी आदेश में पहले कहा गया था कि प्रधानमंत्री ने दो साल या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। इसमें तीन पूर्णकालिक सदस्यों संजीव सान्याल, संजय कुमार मिश्रा और शमिका रवि को बरकरार रखा गया है, जबकि नए अंशकालिक सदस्यों में सौम्य कांति घोष (एसबीआई में समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार) शामिल हैं। अन्य अंशकालिक सदस्यों में राकेश मोहन, साजिद चेनॉय, नीलकंठ मिश्रा, नीलेश शाह, टीटी राम मोहन,

केवी राजू, चेतन घाटे, पामी दुआ, पुलक घोष और गौरव वल्लभ शामिल हैं। देव इससे पहले इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली (ईपीडब्ल्यू) के संपादक और एक्सिस बैंक के स्वतंत्र निदेशक के तौर पर भी काम कर चुके हैं। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से एमफिल और पीएचडी तथा येल यूनिवर्सिटी (अमेरिका) से पीएचडी करने के बाद शोध किया है। इसके अलावा उन्होंने विकास अर्थशास्त्र, व्यापक आर्थिक नीतियों, कृषि क्षेत्र और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर 22 किताबें और करीब 150 शोध प्रकाशन लिखे हैं और संपादित किए हैं। उल्लेखनीय है कि ईएसी-पीएम पिछले नवंबर से पूर्णकालिक अध्यक्ष के बिना था, क्योंकि इसके पहले अध्यक्ष बिबेक देबरॉय का निधन हो गया था।

सीसीपीए का ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को 3 महीने के भीतर स्व-ऑडिट करने का परामर्श जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को डार्क पैटर्न का पता लगाने और उसका समाधान सुनिश्चित करने के लिए 3 महीने के भीतर स्व-ऑडिट करने का परामर्श जारी किया है।

सीसीपीए ने कुछ मामलों में ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म को नोटिस भी जारी किए हैं, जो डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते पाए गए हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि सभी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को सलाह दी गई है कि वे एडवाइजरी जारी होने के 3 महीने के भीतर डार्क पैटर्न की पहचान करने के लिए स्व-ऑडिट करें। साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं कि उनके प्लेटफॉर्म ऐसे डार्क पैटर्न से मुक्त हों। मंत्रालय के मुताबिक सेल्फ-ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को यह भी स्व-घोषणा देने के लिए प्रोत्साहित किया गया है कि उनका प्लेटफॉर्म किसी भी डार्क पैटर्न में लिप्त नहीं है। प्लेटफॉर्म द्वारा स्व-घोषणा से उपभोक्ताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के बीच विश्वास का निर्माण होने के साथ-साथ निष्पक्ष डिजिटल इकोसिस्टम सक्षम होगा। इसके अलावा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश, 2023 का अनुपालन करने की सलाह दी गई है। भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग ने एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) का गठन किया है, जिसमें संबंधित मंत्रालयों, नियामकों, स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों और हरु के प्रतिनिधि शामिल हैं। जेडब?ल?यूजी का कार्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर डार्क पैटर्न के उल्लंघन की पहचान करने के लिए जाँच करना और उपाय करना तथा नियमित अंतराल पर उपभोक्ता मामलों के विभाग के साथ जानकारी साझा करना है। यह उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए उचित जागरूकता कार्यक्रम भी सुझाएगा। उल्लेखनीय है कि डिजिटल युग में उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने और ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं में अनुचित प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए सरकार की व्यापक रणनीति और चल रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में भारत सरकार के उपभोक्ता मामले के विभाग ने 2023 में डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश अधिसूचित कर 13 डार्क पैटर्न निर्दिष्ट किए थे। डार्क पैटर्न की पहचान करने और उसको खत्म करने के लिए जेडब्ल्यूजी का गठन किया गया है।

जुलाई से जीएसटी का नया नियम, तीन साल बाद लेट रिटर्न नहीं किया जा सकेगा दाखिल

एजेंसी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) रिटर्न फाइल करने वालों के लिए काम की खबर है। वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने बड़े बदलावों का ऐलान किया है। इसके तहत अब व्यवसायियों को जीएसटीआर-1ए फॉर्म दाखिल करते समय सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि वे जुलाई 2025 की कर अवधि से अपने जीएसटीआर-3बी फॉर्म को संपादित नहीं कर पाएंगे। जीएसटीएन ने एक बयान में कहा कि करदाता अब तीन साल की समय-सीमा समाप्त होने के बाद मासिक और वार्षिक जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं कर सकेंगे। जीएसटीएन ने कहा कि जुलाई, 2025 टैक्स अवधि से यह लागू हो जाएगा। इसका मतलब है कि करदाता जुलाई 2025 टैक्स अवधि के लिए अगस्त 2025 में मासिक रिटर्न दाखिल करेंगे। यह इस नई व्यवस्था के अंतर्गत आएगा।

जीएसटीएन के मुताबिक जुलाई 2025 से करदाताओं को अब मूल देय तिथि के तीन साल बाद मासिक और वार्षिक जीएसटी रिटर्न दाखिल करने से रोक दिया जाएगा। वित्त अधिनियम, 2023 से होने वाला ये बदलाव जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-3बी सहित जीएसटीआर-4, जीएसटीआर-5, जीएसटीआर-5ए, जीएसटीआर-6, जीएसटीआर-7,जीएसटीआर-8और जीएसटीआर-9 जैसे विभिन्न जीएसटी रिटर्न को प्रभावित करेगा। वे अपना रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएंगे। जीएसटीएन के मुताबिक समय सीमा में यह संशोधन माल और सेवा कर वित्त अधिनियम, 2023 के तहत लागू किए जा रहे हैं। इसके अनुसार बाहरी आपूर्ति रिटर्न, देयता भुगतान से संबंधित रिटर्न, वार्षिक रिटर्न और स्रोत पर जमा किए गए कर से जुड़े रिटर्न अब समय सीमा समाप्त होने पर दाखिल नहीं किए जाएंगे। यह प्रतिबंध जुलाई 2025 की कर अवधि से जीएसटी पोर्टल पर लागू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जीएसटीएन ने करदाताओं को सलाह दी है कि अपने रिकॉर्ड का मिलान करें। देखें अगर अबतक जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं किया गया है, तो जितनी जल्दी हो सके दाखिल कर लें। दरअसल पिछले साल अक्टूबर की शुरुआत में जीएसटीए ने करदाताओं को आगाह किया था कि 2025 की शुरुआत में कर प्रतिबंध पर उक्त प्रावधान को लागू किया जाएगा।

खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख; अधिकांश दालें सस्ती, चावल महंगा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा जबकि आवक बढ़ने से दालें सस्ती वहीं चावल महंगा हो गया। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा सप्ताहांत पर 71 रिंगिट चढ़कर 3909 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.01 सेंट फिसलकर 47.15 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। सरसों तेल 660 रुपये, मूंगफली तेल 330 रुपये और पाम ऑयल 367 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि सूरजमुखी तेल 733 रुपये, सोया रिफाइंड 733 रुपये और वनस्पति तेल 439 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। सप्ताहांत पर सरसों तेल 16484 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 17912 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 14138 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 14286 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 15751 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहनः बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में अधिकांश दालों के भाव गिर गए। चना 300 रुपये, दाल चना 300 रुपये, मूंग दाल 400 रुपये और अरहल दाल 400 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। वहीं, मसूर दाल और उड़द दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ सप्ताहांत पर चना 5700-5800, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7500-7600, मूंग दाल 9500-9600, उड़द दाल 9200-9300, अरहर दाल 8600-8700 रुपये प्रति क्विंटल रही।

सर्राफा बाजार में तेजी: 1 लाख के करीब पहुंच सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मजबूती नजर आ रही है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये से लेकर 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,310 रुपये से लेकर 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज 2,000 रुपये की तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,04,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पंजाब नेशनल बैंक ने ब्याज दर 0.50 फीसदी घटाया, नई दरें 9 जून से प्रभावी

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने ब्याज दरों में 50 आधार अंकों यानी 0.50 फीसदी तक की कटौती करने का ऐलान किया है। बैंक के इस कदम से मौजूदा और नए उधारकर्ताओं को मदद मिलेगी। नई दरें 9 जून, 2025 से प्रभावी होंगी। पंजाब नेशनल बैंक ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, पंजाब नेशनल बैंक ने ग्राहकों की ईएमआई को और अधिक किफायती बना दिया है। आरबीआई के रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती (6.00 फीसदी से 5.50 फीसदी) के बाद पीएनबी ने अपने आरएलएलआर को 50 बीपीएस यानी 0.50 फीसदी तक कम कर दिया है, जो 9 जून, 2025 से प्रभावी होगा। पीएनबी के बेंचमार्क रेपो-लिंक्ड बेंचमार्क लेंडिंग रेट्स (आरबीएलआर) में कटौती के साथ बैंक का होम लोन 7.45 फीसदी से शुरू होगा, जबकि वाहन लोन 7.8 फीसदी प्रति वर्ष से शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि इससे एक दिन पहले रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में अपेक्षा से अधिक 50 आधार अंकों यानी 0.50 फीसदी की कटौती की है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और बैंकों को उधार देने के लिए अधिक धन उपलब्ध कराने के लिए अप्रत्याशित रूप से नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को कम कर दिया है। ऐसे में लोगों को पीएनबी के अलावा अन्य बैंकों से भी जल्द ही इसी तरह की घोषणा की उम्मीद है।

यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एटीआर भारत को लेकर उत्साहित, 10 वर्षों में 300 टर्बोप्रॉप बेचने की योजना

नई दिल्ली। यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एटीआर भारत में कारोबारी अवसरों को लेकर उत्साहित है। एटीआर भारत में अपने विमानों की बिक्री की संभावनाओं को तलाशने के लिए विभिन्न ऑपरेटर्स और एयरलाइंस के साथ बातचीत कर रही है। भारतीय बाजार की विकास संभावनाओं को देखते हुए एटीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि अगले 10 वर्षों में देश में 300 और टर्बोप्रॉप होंगे। एयरबस और लियोनार्डो के संयुक्त उद्यम वाली कंपनी एटीआर 78 सीटों वाले टर्बोप्रॉप विमान के साथ-साथ मालवाहक विमान भी बनाती है। वर्तमान में, देश में 70 एटीआर विमान हैं, जिनका संचालन इंडिगो, एलायंस एयर और फ्लाई91 जैसी एयरलाइंस और ऑपरेटर्स द्वारा किया जाता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और एशिया प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख जीन-पियरे क्लेरसिन ने हाल ही में दिल्ली का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कंपनी पहले से ही एटीआर विमान उड़ा रहे ऑपरेटरों सहित अनुसूचित और गैर-अनुसूचित ऑपरेटरों के साथ बातचीत कर रही है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है और यहां हवाई अड्डों की संख्या के साथ-साथ क्षेत्रीय हवाई संपर्क भी बढ़ रहा है।

भारत ने 11 वर्षों में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर निकाला : विश्व बैंक

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारत ने अत्यधिक गरीबी उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। भारत में 11 साल में 269 मिलियन (करीब 27 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2011-12 में देश में अत्यधिक गरीबी की दर 27.1 फीसदी थी, जो 2022-23 तक घटकर केवल 5.3 फीसदी रह गई है। इसी अवधि में देश में 344.47 मिलियन (34.4 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जबकि 2022-23 तक यह संख्या घटकर 75.24 मिलियन (7.5 करोड़) हो गई। इसका मतलब है कि इस दौरान करीब 269 मिलियन (26.9 करोड़) भारतीय को अत्?यधिक गरीबी रेखा से बाहर निकला गया है।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश- इन पांच राज्यों में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब रहते थे। अब इन्?हीं पांच राज्यों ने 2022-23 तक गरीबी उन्मूलन में दो-तिहाई से अधिक योगदान दिया है।

शहरों में अत्यधिक गरीबी 10.7 फीसदी से 1.1 फीसदी पर आई

रिपोर्ट के मुताबिक विश्व बैंक ने गरीबी का आकलन 3.00 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा (2021 की कीमतों पर) के आधार पर की है। यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीबी में तेज गिरावट को दर्शाता है। इसी अवधि में ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 18.4

फीसदी से घटकर 2.8 फीसदी प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 10.7 फीसदी से घटकर 1.1 फीसदी पर आ गई है। वहीं, 2.15 डॉलर प्रतिदिन की पिछली गरीबी रेखा (2017 की कीमतों पर) के आधार पर देखा जाए तो भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011-12 में 16.2 फीसदी से घटकर 2022 में सिर्फ 2.3 फीसदी रह गई है। इस सीमा से नीचे रहने वाले भारतीयों की संख्या 2011 के 205.93 मिलियन (20.59 करोड़) से घटकर 2022 में 33.66 मिलियन (3.36 करोड़) हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि को सरकार की गरीबों के लिए चलाई गई पीएम आवास योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, जनधन योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि बीते 11 सालों में केंद्र ने इंफ्रास्ट्रक्चर, समावेशन और पारदर्शिता पर ध्यान देते हुए कई योजनाएं शुरू कीं जिनका सीधा लाभ गरीबों को मिला। इन पहलों से हाउसिंग, क्लीन कुकिंग फ्यूल, बैंकिंग सर्विसेज और हेल्थकेयर तक लोगों की पहुंच में विस्तार हुआ है। इसके अलावा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल सर्विसेज और ग्रामीण विकास से जुड़े कामों ने भी गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन सभी प्रयासों से 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर निकल पाए हैं। यह उपलब्धि भारत को गरीबी मुक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

खाएं स्वाद से...

चटनी प्याज की

सामग्री

1 स्लाइस में कटा हुआ प्याज, 1 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच तेल, 1 चम्मच मैथीदाना, 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, आधा चम्मच कलौंजी, 100 ग्राम बैंगन, 10 ग्राम कटी हुई हरी मिर्च, 100 ग्राम कटी हुई शिमला मिर्च ,500 ग्राम पत्ता गोभी , 1 चम्मच सिरका, 150 ग्राम सेम की फली, स्वाद के अनुसार चीनी।

विधि

तेल गरम करें उसमें प्याज को भूनें । इसमें मैथी दाना, जीरा, सौंफ, हल्दी, हरी मिर्च, और कलौंजी मिलाएं और थोडी देर तक भूनते रहें। अब इसमें कटी हुई पत्तागोभी डालें और धीमी आंच पर पकने के लिए ढंककर रख दे ऊपर से सिरका और चीनी डालें । कुछ देर पकने के बाद गैस बंद कर दे। अब सब्जी तैयार हो गई। चटनी के साथ गरम गरम परोसें।

फिरनी केसर - बादाम

सामग्री

दूध एक लीटर, चावल 200 ग्राम, शक्कर 100 ग्राम, कटी बादाम 20 ग्राम, पिस्ता 15 ग्राम, हरी इलायची छह से आठ, केसर आधा ग्राम, चाँदी या सोने का वर्क।

विधि

चावल को कुछ घंटों तक पानी में भिगो लें और पानी निथारकर पीस लें। दूध को धीमी आँच पर उबालें और चावल, शक्कर, हरी इलायची और केसर मिलाकर तब तक चलाती रहें जब तक दूध गाढ़ा न हो जाए। आँच से हटा कर बादाम और पिस्ता डाल दें। सर्विस बाउल में डालकर ठंडा कर लें। अब बादाम, पिस्ता व चाँदी या सोने के वर्क की गार्निश करें और ठंडा करके परोसें।

लो फैट मिठाई

सामग्री

250 ग्राम गेहूँ का आटा, 30 ग्राम घी, 200 ग्राम पिसी हुई चीनी या गुड़, एक चम्मच इलायची पावडर, एक चम्मच बादाम पावडर।

विधि

मोटे तले की कड़ाही में आटा भून लें। पिसी चीनी या गुड़ का चूरा कर आटे में मिला लें। मध्यम आँच पर दस निमट तक पकाएँ और थोड़ी-थोड़ी देर पर चलाती रहें। बाद में इलायची और बादाम पांवडर मिला लें। हाथ पर थोड़ा-सा घी लगाकर इनके लड्डू बाँध लें। और खुलकर खाएँ लो फैट मिठाइयाँ।

कुकर के रबड़ पर विशेष ध्यान दें। यदि रबड़ ढीला होगा तो प्रेशर नहीं बनेगा। नया रबड़ हमेशा अच्छी कंपनी का ही खरीदें । कभी रबड़ ढीला हो जाए तो उसे 15 मिनट तक फ्रीजर में रख दें। फिर से प्रेशर बनना प्रारंभ हो जाएगा। कुकर के ढक्कन की सफाई गाकेट उतारकर पुराने टूथ ब्रश से करें ताकि कोई भी खाद्य पदार्थ चिपका न रह जाए। इससे भी प्रेशर बनने में परेशानी होती है। गैस चूल्हे की हर बार खाना बनाने के पश्चात गीले कपड़े से या सूखे कपड़े से सफाई की जाए तो हम कई परेशानियों से बच सकते हैं।

जबसे महिलाओं ने बाहर का मोर्चा संभालना प्रारंभ किया है, विज्ञान ने भी इतने नये उपकरण निकाल दिए हैं कि उन्हें रसोई संभालना, घर की साफसफाई रखना अधिक मुश्किल न लगे पर बिजली के उपकरण भी देखभाल मांगते है ताकि उन्हें लंबे समय तक अपने आराम का साथी बनाया जा सके। माइक्रोवेव, गैस स्टोव, मिक्सर जूसरग्राइंडर, फ्रिज, एसी, टोस्टर, प्रेशर कुकर, एक्जास्ट फैन, चिमनी आदि की सफाई का ध्यान नहीं रखेंगे तो ये हमारा जल्दी साथ छोड़ देंगे और हमारी परेशानी बढ़ जाएगी। तो आइये देखें इनकी देखरेख कैसे की जाए।

कुकर : कुकर हमेशा आईएसआई मार्क का खरीदें जो काफी भारी हो। हलका कुकर जल्दी फट सकता है। कुकर जल्दी खाना बनाने में हमारी मदद करता है और ईंधन की बचत करता है। यदि हम इसके प्रति लापरवाही बरतेंगे तो यह भी हमारे प्रति लापरवाह हो जाएगा। कुकर के ढक्कन का प्रयोग आराम से करें और ढक्कन उपयोग के बाद सावधानीपूर्वक ऐसे स्थान पर रखें ताकि वो गिरे नहीं और दबे नहीं। गिरने से ढक्कन टेढ़ा हो जाता है आर प्रेशर बनने में मुश्किल होती है। कुकर में दाल बनाते समय थोड़ा सा रिफाइंड तेल अवश्य डालें ताकि दाल का पानी बाहर न निकले। कुकर के रबड़ पर विशेष ध्यान दें। यदि रबड़ ढीला होगा तो प्रेशर नहीं बनेगा। नया रबड़ हमेशा अच्छी कंपनी का ही खरीदें। कभी रबड़ ढीला हो जाए तो उसे 15 मिनट तक फ्रीजर में रख दें। फिर से प्रेशर बनना प्रारंभ हो जाएगा। कुकर के ढक्कन की सफाई गाकेट उतारकर पुराने टूथ ब्रश से करें ताकि कोई भी खाद्य पदार्थ चिपका न रह जाए। इससे भी प्रेशर बनने में परेशानी होती है।

गैस चूल्हा : गैस चूल्हे की हर बार खाना बनाने के पश्चात गीले कपड़े से या सूखे कपड़े से सफाई की जाए तो हम कई परेशानियों से बच सकते हैं।